हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

20 मार्च, 1984

(प्रथम बैठक)

खण्ड 1, अंक 6

अधिकृत विवरण

मंगलवार, 20 मार्च, 1984

विशय सूची

	पृश्ठ संख्या
तारांकित प्र न सं0 568 पर अनुपूरक प्र न (पुनराम्भ)	(6)1
वाक आउट	(6)8
तारांकित प्र न एवं उत्तर	(6)8
नियम 45 के अधिन सदन की मेज पर रखे गये तारांकि प्र नों के लिखित उत्तर	(6)23
विभिन्न विशयों को उठाया जाना	(6)26
ध्यानाकर्शण प्रस्तावः–	
राज्य में कानून तथा व्यवस्था की तेजी से बिगड़ती हुई स्थिति तथा करनाल के समीप श्री वेदपाल, उपाध्यक्ष, हरियाणा विधान सभा, पर कातलाना हमले संबंधी	(6)32
वक्तव्य–	

राजस्व राज्य मंत्री द्वारा राज्य में ओलावृश्टि तथा भाीत लहर से फसलों की हुई क्षति संबंधी	(6)34
वाक आउट	(6)48
राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनराम्भ)	(6)48
वाक आउट	(6)57
राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनराम्भ)	(6)59
नेमिंग आफ मैम्बर	(6)60
राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनराम्भ)	(6)61
बैठक का समय बढ़ाना	(6)73
राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनराम्भ)	(6)73
बैठक का समय बढ़ाना	(6)78
राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनराम्भ)	(6)78
राज्यपाल के अभिभाशण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर मतदान	(6)79

हरियाणा विधान सभा

मंगलवार, 20 मार्च, 1984

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर–1, चण्डीगढ़ मे प्रातः 9.30 बजे हुई। अध्यक्ष (सरदार तारा सिंह)

ने अध्यक्षता की।

तारांकित प्रश्न सं0 568 पर अनुपूरक प्र न (पुनराम्भ)

Mr. Speaker: Hon'ble Members, now the further supplementaries on @Starred Question No. 568 printed at page 3 of the printed list of starred question for the 19th March, 1984, will be asked.

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, कल आपने इस सवाल पर सप्लीमैंट्रीज आज के लिए पोस्टपोन कर दी थीं कयोंकि हमारे लायक वजीर साहब ने एक स्टेटमैंट दी थी कि दो हजार हैक्टैयर जमीन में फल्ड का पानी खड़ा है और उस स्टेटमैंट को एक दूसरे मिनिस्टर साहब ने रिफयूट किया था.....
.....। (ाोर एवं विघ्न)

श्री अध्यक्षः डा0 साहब ने गलत ब्यानी के बारे में जो कुछ कहा है वह रिकार्ड न किया जाए। (ाोर एवं विघ्न)

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, मैं तो यह कह रहा हूं कि दूसरे मिनिस्टर साहब ने यह कहा था कि वजीर साहब सही बात नहीं कर रहे है। (ाोर)

श्री अध्यक्षः डा0 साहब, आप सवाल पूछें।

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, कल मिनिस्टर साहब ने यह जवाब दिया था कि हरियाणा में दो हजार हैक्टेयर जमीन में फल्ड का पानी खड़ा है और आपने यह फरमाया था कि मिनिस्टर साहब का जवाब सही नहीं है। (ाोर एवं विघ्न)

श्री अध्यक्षः डा0 साहब, मैंने कल यह कब कहा था कि जवाब सही नहीं है।

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, आपने नहीं कहा था। मिनिस्टर साहब ने कहा था कि इनका जवाब सही नहीं है। मैं तो एक सिम्पल सी बात पूछना चाहता हूं कि दोनों मिनिस्टर्ज में से किस की बात सही है? स्पीकर साहब, फल्छ के कारण किसानों को पचास करोड़ रूपये का नुकसान हो गया है। मैं आपके द्वारा मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि क्या आपने किसानों को मुआवजा देने के बारे में कोई विचार किया है और क्या मुख्य मंत्री जी ने गवर्नमैंट आफ इंडिया को इस बारे में लिख करके भेजा है कि किसानों को फल्ड के कारण इतना नुकसान हो गया है और

उनको कम्पनसेट किया जाए तथा क्या एग्रीकल्चर मिनिस्टर साहब कौप्स इं योरेंस के बारे में कोई विचार कर रहे है?

सिंचाई तथा बिजली मंत्री (चौधरी भाम ेर सिंह सुरजेवाला): स्पीकर साहब, डा0 साहब ने बड़े मल्टीफेरियस सवाल पूछे है। एक तो इन्होंने यह फरमाया कि मैंने रैवेन्यू मिनिस्टर की स्टेटमैंट को रिफयूट किया था, यह उनकी बात बिल्कुल गलत है। मैंने मिनिस्टर साहब की स्टेटमैंट को बिल्कुल भी रिफयूट नहीं किया। मैंने जो बात कही थी वह ठीक कही थी। उनका जवाब थोड़ा डिटेल में नहीं था, थोड़ा सा हैंडीकैप्ड था जो किसी भी आदमी का हो सकता है क्योंकि फल्ड से फसलों को हुए नुक्सान का मुआवजा देना इरीगे ान डिपार्टमैंट का काम है। इसलिए मैं मंत्री महोदय की मदद करना चाहता था और दूसरे मैम्बर्ज की मदद करना चाहता था। लेकिन स्पीकर साहब, आपने यह सवाल आज के लिए डैफर करदिया था। कल भी मिनिस्टर साहब के जवाब में किसी तरह की कोई गलत बात नहीं थी। मैं तो केवल उनकी इन्फर्मे ान को सप्लीमैंट करना चाहता था। इसके अलावा मैं डा0 साहब को यह बताना चाहूंगा कि 31–12–1983 को हरियाणा के अंदर दो हजार हैक्टेयर जमीन में फल्ड का पानी खड़ा हुआ था उसमे से इसे इस वक्त की जो पोजी ान है वह यह है कि बहुत सा पानी निकल चुका है। अब केवल 800 हैक्टेयर जमीन में पानी खड़ा है, जो दो हजार एकड़ बनती है जिसमें से 500 एकड़ कोटला लेक में है और 1500 एकड़ बाकी

जगहों में पानी है। जो पानी इस वक्त खड़ा है, उसको पम्पिंग सैटस लगा कर इरीगे ान के लिए इस्तेमाल कर रहे है।

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, जो झज्जर और बहादुरगढ़ के बीच में फल्ड का पानी खड़ा है उस पानी को मंत्री जी इरीगे ान के लिए कैसे इस्तेमाल कर रहे है?

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः स्पीकर साहब, वह पानी एक माइनर में पम्पिंग सैटर द्वारा डाल रहे है और लगभग 80 क्यूसिक्स पानी उस माइनर में पम्पिंग सैटस द्वारा निकल जाएगा और वह पानी खेतीबाड़ी के लिए इस्तेमाल कर रहे है। स्पीकर साहब, वहां पर एक के0एस0बी0 माइनर है उसके हैडरीच की कंस्ट्रक ान का काम भाुरू करना है, उसके लिए लैंड इक्विजी ान का काम भाुरू कर दिया है और वहां पर जीमन खाली करवाने का काम अभी भाुरू करना है। जहां तक इनकी इस बात का ताल्लुक है कि गवर्नमैंट आफ इंडिया को हरियाणा में फल्ड से हुए नुक्सान का कम्पनसे ान देने के लिए डिमांड की है या नहीं स्पीकर साहब, कम्पनसे ान देने बारे सरकार का कोई विचार नहीं है क्योंकि सरकार की माली हालत ठीक नहीं है। गवर्नमैंट आफ इंडिया ने जो राहत दी थी वह किसानों को पहुचा दी गई है। फल्ड के दौरान हरियाणा सरकार ने गरीब लोगों को आटा दिया और जिनके मकान गिर गए थे उनको मकान बनाने के लिए कम्पनसेट किया है। खेतीबाड़ी के लिए बीज और खाद वगैरह का भी प्रबंध किया है। इसके अलावा बाढ़ के दौरान नश्ट

हुई फसलों के लिए निर्धारित दर के अनुसार भूमि जोतकर तथा आबियाना की माफी दी गई और तकावी कर्जों तथा सहकारी कर्जों की वसूली पोस्टपोन कर दी थी। स्पीकर साहब, नौ लाख एकड़ जमीन फल्ड के पानी के नीचे थी। इस समय नौ लाख एकड़ जमीन में से केवल 1500 एकड़ जमीन में फल्ड का पानी है बाकी सारा जमीन में से फल्ड का पानी निकाल दिया गया है। इससे ज्यादा सरकार और क्या काम कर सकती है।

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, इनके सिंचाई विभाग का ड्रेनेज सिस्टम डिफैक्टिव है इसलिए इतना फल्ड आया।

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः स्पीकर साहब, बरसात ज्यादा होने की वजह से इतना फल्ड आया था। यह तो कुदरत की बात थी। यह किसी के बस की बात नहीं है कि इतनी ज्यादा बरसात क्यों हुई। बरसात को कोई भी आदमी नहीं रोक सकता। इसके अलावा स्पीकर साहब गवर्नमैंट आफ इंडिया ने दूसरा स्टेट्स को फल्ड के लिए तथा दूसरी नैचुरल कैलेमिटीज के लिए जो रिलीफ दिया है उसके लिए नार्मज बने हुए है उनके हिसाब से हरियाणा सरकार ने भी गवर्नमैंट आफ इंडिया को लिखा है। हमारे चीफ मिनिस्टर साहब ने गवर्नमैंट आफ इंडिया को लैटर्ज लिखे थे और इन्होंने उनसे जुबानी भी बात की थी। गवर्नमैंट आफ इंडिया ने जो रिलीफ हरियाणा के लिए प्रोवाइड किया था वह हरियाणा सरकार ने लोगों तक पहुंचा दिया है।

श्री हीरा नंद आर्यः स्पीकर साहब, इन्होंने बताया कि हम किसानों को बीज और खाद की सुविधायें दे रहे है और दी है। मैं इनसे यह जानना चाहता हूं कि जिन किसानों की जमीन इस समय भी फल्ड के पानी के नीचे है उनको खाद और बीज देने से क्या फायदा होगा? उनको उनकी फसल के खराबे का मुआवजा क्यों नहीं दिया गया?

चौधरी भाम ोर सिंहः स्पीकर साहब, नौ लाख एकड़ जमीन में फल्ड का पानी था। इस समय केवल 1500 एकड़ जमीन में फल्ड का पानी खड़ा है इसको भी जल्दी निकालने के लिए प्रयत्न किए जा रहे है। स्पीकर साहब, सारी फल्ड अफैक्टिड जमीन का मुआवजा नहीं दिया जा सकता। स्पीकर साहब, सरकार का बजट इस बात के लिये हमे अलाउ नहीं करता कि सारी फल्ड अफैक्टिड जमीन का मुआवजा दिया जा सकें। पैसे की बहुत दिक्कत है इसलिए मुआवजा नहीं दिया जा सके। पैसे की बहुत दिक्कत है इसलिए मुआवजा नहीं दिया जा सकता।

चौधरी धीरपाल सिंहः स्पीकर साहब, मंत्री जी ने बताया कि बाढ़ का पानी सिंचाई के प्रयोग के लिए काम में लाया जा रहा है। मैं आपके द्वारा मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि मेरे हल्के के अंदर लुकसर, गुड़गांव, गुभाणा माजरी और बपनिया गांवों की जमीन में फल्ड का पानी भरा हुआ है उस पानी को कौन सी जगह पर आबपा ाी के लिए काम में लाया जाएगा और

जिस माइनर के जरिए उस पानी को वहां से निकाला जाएगा, मंत्री जी उस माइनर का नाम बता दें?

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः स्पीकर साहब, उस पानी का सीमल, कराया और मैना गांव के किसान इरीगे ान के लिए इस्तेमाल कर रहे है। कई जगह तो ऐसी है जहां पर 30–30 और 40–40 एकड़ जमीन की पाकेट्स में फलड का पानी खड़ा हुआ है और वह पानी इतना डिपरै ान में है कि उसको निकालने के लिए उसके नजदीक कोई माइनर भी नहीं है। उस पानी को निकालने के लिए उसके नजदीक कोई भी माइनर नहीं पड़ती जिसके जरिए उस पानी को निकाला जा सके। इसके अलावा उस पानी के चारो तरफ जितनी भी जमीन खाली थी उसमें किसानों ने गेहूं आदि की फसल बोई हुई है और उन खेतों में से किसान लोग उस पानी को नही ले जाने देते। इस पानी को निकालने के लिए सरकार कोि ा ा करेगी लेकिन अभी उसके चारों तरफ गेहूं की फसल खड़ी है इसलिए इस समय वह पानी नहीं निकाला जा सकता।

श्री भले रामः स्पीकर साहब, मंत्री जी ने बताया कि दो हजार एकड़ जमीन में फल्ड का पानी खड़ा है। यह प्रोब्लम तो हर साल रहती है। मैं आपके द्वारा मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि जिन गांवों में हर साल फल्ड के पानी की प्रोब्लम रहती है क्या सरकार इस बारे में कोई स्कीम तैयार करेगी कि उन गांवों में हर साल यह प्रोब्लम न हो?

चौधरी भाम ेर सिंह सुरजेवालाः स्पीकर साहब, पिछले सालों में जो फल्ड आते रहे है उनके एक्सपैरिमैंट के मुताबिक लिंक ड्रेंज बनाई जा रही है ताकि इस मामले में किसानों को कुछ राहत मिल सकें।

चौधरी बलबीर सिंह ग्रेवालः स्पीकर साहब, मंत्री जी भी इस बात को मानते है कि 31–12'1983 को दो हजार हैक्टेयर जमीन में फल्ड का पानी खड़ा हुआ था और उस जमीन की बुआई नहीं हो सकी। मैं आपके द्वारा मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि जिन किसानों की फसलें फल्ड के कारण मारी गई उनको कम्पनसे ान देने में सरकार को क्या दिक्कत है?

चौधरी भाम ेर सिंह सुरजेवालाः स्पीकर साहब, सरकार बार–बार इस बात का जवाब दे चुकी है कि कम्पनसे ान नहीं दिया जा रहा और आज भी कई बार इस बात का जिक आया है कि किसानों को कम्पनसे ान दिया जाए। इसके संबंध में स्पश्ट किया जा चुका है कि कम्पनसे ान इसलिए नहीं दिया जा रहा है कि स्टेट की माली हालत अलाउ नहीं करती। सरकार नहीं चाहती कि किसानों पर या दूसरे लोगों पर और टैक्स लगायें जायें। मौजूदा टैक्सों के तहत सरकार किसानों को सारी फल्ड अफैक्टिड जमीन के लिए मुआवजा नहीं दे सकती।

चौधरी कुलबीर सिंह मलिकः अध्यक्ष महोदय, मेरे हल्के के अंदर दो हजार एकड़ जमीन में अभी तक रबी की फसल की

बुआई नहीं हुई है। मेरे हल्के के जिन गांवों में बुआई नहीं हुई है उनके नाम इस प्रकार हैः ललित खेड़ा, नीडानी, भैरों खेड़ा, पढाना, नंदगढ, सिरसा खेड़ी, लजवाना, भयामली कलां और रामकली आदि ये दस गांव ऐसे है जिनकी जमीन में अभी तक फसल की बुआयी नहीं हुई है। ये गांव तो सिर्फ मेरे हल्के के ही है कलायत और सफीदों के हलके अलग रह गये है। इस संबंध में मैं मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि बाढ से ग्रस्त किसानों को कितनी सबसिडी हरियाणा सरकार ने दी है और कितनी ऐड केंद्रीय सरकार की तरफ से आयी है?

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः स्पीकर साहब, इन्होंने अभी जींद जिले की बात कही है। मैं बताना चाहूंगा कि इनके हल्के के गांव नंद गढ में पांच एकड़ ललित खेड़ा में दो एकड़, सिरसा खेड़ी में आठ एकड़ और हथवाला में चार एकड़ जमीन है जहां पर अभी तक बुआई नहीं हुई। इस जमीन में अभी पानी खड़ा है। इस जमीन के चारों तरफ किसानों ने अपनी फसल का त कर रखी है। इस पानी को निकालने का अब कोई रास्ता नहीं है सिवाए पानी सूखने के।

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, चौधरी कुलबीर सिंह जी कह रहे है कि उनके हल्के में दो हजार एकड़ जमीन में पानी अभी तक खड़ा हुआ है। (ोर)

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः डाक्टर साहब, आप रिकार्ड देख लें, इन्होंने कहा है कि मेरे हल्के में दो हजार एकड़ जमीन ऐसी है जिस पर अभी तक का त नहीं हुई है। (ाोर)

श्री मंगल सैनः सुरजेवाला साहब, आप भी तो कह रहे थे कि 1500 एकड़ जमीन में अभी तक पानी खड़ा है। (ाोर) मैम्बर साहेबान कह रहे है कि दो हजार एकड़ जमीन में पानी अभी तक खड़ा है। (ाोर)

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः स्पीकर साहब, अब ये कह रहे है कि पानी खड़ा है। (ाोर) यह बिल्कुल गलत है कि दो हजार एकड़ जमीन में पानी खड़ा है। (ाोर)

श्री अध्यक्षः यदि टाईम की कोई कमी हो रही हो या आपको सप्लीमैंअरी पूछने से मैं बंद कर रहा हूं तब तो आप कुछ इस तरह से कंफयूजन किएट करें। डा0 साहब, मैं आप से रिकवैस्ट करूंगा कि आप प्रत्येक मैम्बर के सवाल के बीच में न बोलें। प्रत्येक मैम्बर समझदार है। आप इनके सवाल के बीच में न बालें तो अच्छा रहेगा। आप भी थोड़ा समझने की कोि ा ा करें।

डा0 भीम सिंह दहियाः स्पीकर साहब, अभी मंत्री महोदय ने बताया है कि कम्पनसे ान इसलिए नहीं दिया जा सकता कि स्टेट की वित्तीय स्थिति कमजोर है। दूसरी बात इन्होंने यह कहीं है कि अब जो एरिया बचा हुआ है, वह बहुत कम है। मैं पूछना

चाहता हूं कि यदि बिजली बोर्ड एक साल में केवल ट्रांसफारों पर अस्सी लाख रूपया खर्च कर सकता है तो क्या किसानों को मुआवजा देने के लिए सरकार कोई पैसा खर्च नहीं कर सकती?

चौधरी अध्यक्षः यह कोई सप्लीमैंटरी नहीं है।

श्री नर सिंह ढांडाः अध्यक्ष महोदय मैं बताना चाहूंगा कि बाढ की वजह से मेरे हल्के की भी हालत बहुत खराब रहती हैं। मेरे हल्के में एक ड्रेन है जो करोड़, भाना, जखौली, पाई और कसान तक है। अब इस ड्रेन को सोंघल से जाखोली गांवों से ले जाते हुए कसान ते ले जाया जा रहा है। कसान तक यदि इस ड्रेन को मौजूदा रास्ते से ले जाया गया तो आगे जा कर इसका लैवल तीन फुट ऊपर चला जायेगा जिससे पानी नहीं निकल पायेगा। मैं मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि क्या इस ड्रेन को बारू ड्रेन में भाामिल करने का सरकार का कोई विचार है?

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, जो डिफैक्टिव ड्रेन इनके समय बनी थी, उसको अब हमने ठीक करने का फैसला लिया है और हम पूरी कोि ा ा करेंगे कि यह ड्रेन अगले सीजन से पहले बन जायें।

श्री बीरेंद्र सिंहः मंत्री महोदय ने बताया है कि किसानों को कम्पनसे ान दिलाने के लिए मुख्य मंत्री जी ने जबानी तौर पर और लिखित रूप में भी पूरी कोि ा ा की है लेकिन भारत सरकार के जो नार्मज है उन्हीं के हिसाब से कम्पनसे ान मिलता

है। मैं मंत्री महोदय से जानना चाहूंगा कि पिछले दिनों पंजाब में कपास की काफी फसल बर्बाद हुई थी, उसी प्रकार हरियाणा में भी कपास की काफी फसल बर्बाद हुई है। हिमाचल के अंदर सेब की फसल में खराबी आई है। इसी खराबी को ध्यान में रखते हुए भारत सरकार ने पंजाब सरकार को कपास की फसल का मुआवजा किसानों को देने के लिए दस करोड़ रूपया दिया है। इसी प्रकार से सेब की फसल के लिए भी मुआवजा दिया गया है। हमारी सरकार ने भी कपास की फसल का आबियाना व मालिया माफ किया है लेकिन किसानों को कोई सहायतर नहीं दी गयी। इस संबंध में कोई बात हरियाणा सरकार ने भारत सरकार के नोटिस में नहीं लायी। मैं मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि क्या इन्होंने कपास की फसल का मुआवजा किसानों को दिलाने के लिए कोई पत्र व्यवहार भारत सरकार के साथ किया है?

चौधरी भाम ेर सिंह सुरजेवालाः स्पीक सर, भारत सरकार ने बाढ से हुए नुकसान के लिए पंद्रह करोड़ रूपया दिया हैं। यह पैसा हरियाणा सरकार ने किसानों तक पहुंचाया है। जिन लोगों के मकान बारी ा में बर्बाद हो गए, उनको पैसा दिया गया है। किसानों को खाद और आटे की सहायता दी गयी है। जहां पर सड़कें टूट गयी थी, उनको भी ठीक किया गया है। लोगों को दवाई भी दी गयी है। जहां तक कौटन की फसल की खराबी का कम्पनसे ान देने का सवाल है, यह सवाल इससे

संबंधित नहीं है। इसके बारे में अलग से नोटिस दे कर सवाल पूछ सकते है।

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, जहां तक कपास का ताल्लुक है, इसमें कोई दो राय नहीं कि इस फसल को काफी नुकसान हुआ है। हमने भारत सरकार को, किसानों को कम्पनसे ान दिलाने के लिए एक बार नहीं तीन बार लिखा है ताकि किसानों की कुछ मदद की जा सके। अभी चौधरी बीरेंद्र सिंह जी ने कहा था कि कपास की फसल के लिए भारत सरकार ने पंजाब सरकार को दस करोड़ रूपया दिया है। इस संबंध में मैं इन्हें बताना चाहूंगा कि भारत सरकार ने यह रा ि ा पंजाब सरकार को ऐड के रूप में नहीं दी, बल्कि लोन के रूप में दी है। जहां तक हमारा संबंध है, उसके बारे में भी मैं बताना चाहूंगा कि हमने उस एरिया का आबियाना और मालिया किसानों कामाफ कर दिया है। जहां तक हरियाणा सरकार द्वारा कम्पनसे ान दिए जाने का सवाल है उसके बारे में भी मैं हाउस को बताना चाहूंगा कि यदि हम इस तरह से कम्पनसे ान देने लग जायें तो बजट का सारा पैसा एक ही फसल पर खत्म हो जायेगा इसलिए सरकार कम्पनसे ान नहीं दे सकती। जब कभी औलावृश्टि होती है तो उस समय किसानों की मदद की जाती है। पिछले साल भी औलावृश्टि से हुए नुक्सान का पैसा किसानों को 18 करोड़ रूपया दिया है। इस प्रकार सरकारी खजाने पर बहुत अधिक बोझ पड़ता है। जितनी मदद हम कर सकते है वह करते है। लेकिन कपास

की फसल के खराबे के लिए कम्पनसे ान देने के लिए भारत सरकार रजामंद नहीं हुई।

चौधरी बलबीर सिंह ग्रेवालः स्पीकर साहब, अभी मुख्य मंत्री जी ने कहा है कि भारत सरकार ने पंजाब सरकार को दस करोड़ रूपया लोन की सूरत में दिया है। मैं इन्हें बताना चाहूंगा कि पंजाब के किसानों को कपास की फसल से हुए नुक्सान का पैसा 26 करोड़ 75 लाख दिया गया है। इसमें से 10 करोड़ रूपया भारत सरकार का है और 16 करोड़ 75 लाख रूपया पंजाब सरकार का है। (ाोर)

श्री अध्यक्षः मुख्य मंत्री जी ने कहा है कि पंजाब सरकार को ऐड नहीं मिली बल्कि लोन मिला है। यह सारी बातें रिकार्ड पर है। आप कह रहे है कि ऐड मिली है। मुख्य मंत्री जी की बात भी रिकार्ड पर है, आप एक ान ले सकते है।

श्रीमती चंद्रावतीः स्पीकर साहब, मैं भी एक सप्लीमैंटरी पूछना चाहती हूं।

श्री अध्यक्षः आप बैठ जाईए। (व्यवधान) एक क्वै चन पर इतने ज्यादा सप्लीमैंटरी की इजाजत नहीं दी जा सकती।

नैक्सट क्वै चन श्री हरिचंद हुड्डा।

श्री हीरा नंद आर्यः स्पीकर साहब, मंत्री महोदय ने बयान दिया था कि.....

श्री अध्यक्षः आर्य साहब, मैंने पहले ही नैक्स्ट क्वै चन काल अपोन कर लिया है। आप बैठ जाइए। इस क्वै चन पर सप्लीमैंटरी पूछते हुए बीस मिनट हो गये है। आपकी बात मैंने समझ ली है, आप कृपया बैठ जाइए। (व्यवधान)

वाक–आउट

श्री हीरा नंद आर्यः स्पीकर साहब, आप मुझे एक मिनट बोल लेने दें वरना मुझे वाक आउट करना पड़ेगा। (व्यवधान)

श्री अध्यक्षः आप बैठ जाइये।

(इस समय श्री हीरा नंद आर्य सदन से वाक आउट कर गये।)

तारांकित प्र न एवं उत्तर

Khudwali and Jindrain Minor

***637. Shri hari Chand Hooda:** Will the Minister for Irrigation & Power be pleased to state-

(a) whether it is a fact that Jindrain Minor in didstrict Rohtak was dug up four years ago;

(b) whether it is also a fact that the said Minor has not so far been provided with pumping sets;

(c) if the reply to parts (a) and (b) above is in the affirmative the time by which the said pumping sets are likely to be installed; and

(d) whether Khudwali and Chamaria Brahmanwas Minors in district Rohtak are under construction; if so, the present stage of construction thereof togetherwith the time by which the construction work is likely to be completed?

Irrigation and Power Minister (Chaudhri Shamsher Singh Surjewala):

(a) Yes.

(b) Yes.

(c) August, 1984

(d) No.

श्री हरि चंद हुड्डा: स्पीकर साहब, मंत्री महोदय ने क्वै चन के पहले पार्ट के जवाब में 'यस', दूसरे पार्ट के जवाब में भी 'यस' और तीसरे पार्ट के जवाब में कहा है 'अगस्त, 1984'। मैं मंत्री महोदय के नोटिस में लाना चाहता हूं कि पिछले तीन साल से इस सवाल का जवाब इन राइटिंग 'यस' लगातार आ रहा है लेकिन काम अभी तक हुआ ही नहीं है। 'यस' कहने का कोई मतलब नहीं निकलता। मैं मंत्री महोदय से कहना चाहता हूं कि जो कुछ वे इन–राईटिंग में दे रहे है, वह काम होना भी चाहिए। पिछले चार साल से इस माईनर पर कोई पम्पिंग सैट नहीं लगाया गया। इस माइनर पर जो सरकार ने 15–16 लाख रूपया लगाया है वह एक पम्पिंग सैट न होने की वजह से खराब हो रहा है।

श्री अध्यक्षः इन्होंने अभी कहा है कि इस साल अगस्त तक यह पम्पिंग सैट इंस्टाल हो जाएंगे।

श्री हरिचंद हुड्डाः स्पीकर साहब, मेरे पास चार साल से 'यस' में जवाब आ रहा है, लेकिन अभी तक यह नहीं लगा है।

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः मैं आनरेबल मैम्बर से सहमत हूं, इस केस में डिले हुई है। जब मैंने यह सवाल पढ़ा तो मैंने उसी वक्त यह कह दिया था कि इस केस की एन्क्वायरी करेंगे। यह पम्पिंग सैट अभी लगाया जाएगा, मैंने इसके लिए आदे ा जारी कर दिये है।

श्री हरिचंद हुड्डाः स्पीकर साहब मेरे सवाल के पार्ट (डी) के जवाब में इन्होंने कहा है 'नो'। ब्राहाम्णवास और खडवाली माइनर्ज की स्कीमं तीन–चार साल से कभी ऊपर आ रही है कभी नीचे जा रही है। मैं मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि ये स्कीमें कब पास होंगी? मैंने आपसे इस बारे में पहले भी बात की थी।

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः उस वक्त मैंने कहा था ''नाट यट''। इसमें ''नो'' है यह ठी नहीं है। जब आप मिले थे उसके बाद न कभी आप मेरे पास आये और न ही आपने मुझे कोई रिमाइंडर दिया। आपकी इन माइनर्ज को कंस्ट्रक्ट करेंगे। खडवाली माइनर एक डिस्ट्रिब्यूटरी से निकलती है। इस की कंस्ट्रक ान के लिए पहले जो जमीन एक्वायर की थी उसका

डिसप्यूट था, इसका अभी–अभी फैसला हुआ है। इसके लिए जमीन एक्वायर करनी भ्रुरू कर दी है और इस पर इसी साल अक्तूबर तक काम भ्रुरू कर रहे है।

Bus-Stand at Mullana and Barara

***561. Chaudhri Phool Chand:** Will the Minister for Transport be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to construct Bus-Stand at Mullana and Barara in Mullana Constituency and

(b) if so, the time by which the aforesaid Bus-Stands are likely to be constructed.

Transport Minister (Col. Rao Ram Singh):

(a) There is no proposal under consideration to construct bus stand at Mullana at present. However, there is a proposal to construct bus stand at Barara.

(b) Land is being acquired for construction of bus stand at Barara. As soon as the land is made available construction of the bus stand of Barara will be undertaken.

चौधरी फूल चंद: स्पीकर साहब, मुलाना एक सैंट्रल टाउन है जिसके साथ आसपास के पचास–साठ गांव लगते है। इन्होंने कहा है कि मुलाना बस–स्टैंड विचाराधीन नहीं है। क्या मंत्री महोदय लोगों की मांग को ध्यान में रखते हुए बस अड्डा बनाने का विचार करेंगे? इसके इलावा (ख) भाग के जवाब में

मंत्री महोदय ने बताया है कि बराड़ा का बस–स्टैंड विचाराधीन है। मैं इस बात से सहमत भी हूं क्योंकि यह मामला कई सालों से विचाराधीन है और भूमि अर्जन का कार्यक्रम चल रहा है। क्या मंत्री जी बतायेंगे कि इस बस स्टैंड के लिए कब तक भूमि अर्जन हो जाएगी और कब तक इसका काम शुरू हो जाएगा?

कर्नल राव राम सिंहः जहां तक मुलाना बस अड्डे के बनाने का सवाल है डिपार्टमैंट को आदे ा दे दिया गया है कि वहां पर ट्रैफिक पोटैंि ायल को असैस करें अगर वहां पर ट्रैफिक पोटैंि ायल पाया गया तो बस–स्टैंड बनाने की जस्टिफिके ान हो सकती है और बस–स्टैंड बनाया जाएगा, यदि डिपार्टमैंट की रिपोर्ट सही आयेगी तभी बनाया जाएगा। जहां तक बराड़ा में बस अड्डा बनाने का सवाल है, डिपार्टमैंट के साईटिंग बोर्ड का 49 कनाल जमीन एक्वायर करने का विचार था जिस को एक्वायर करने में श्री फूलचंद जी का भी सहयोग था और इनकी रिकवैस्ट पर ही 49 कनाल जमीन एक्वायर करने का विचार था। परंतु बाद में गवर्नमैंट ने सोचा कि 49 कनाल जमीन बस स्टैंड के लिए बहुत ज्यादा है, इसलिए अब चार एकड़ यानी 32 कनाल जमीन लेने का विचार है जिसकी एक्वीजी ान के लिए नोटिफिके ान जारी कर देंगे।

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, ट्रांसपोर्ट मिनिस्टर ने फरमाया कि मुलाना में बस अड्डा बनाने के लिए रिक्विजिट कंडी ान पूरी होगी तभी कंस्ट्रक ान शुरू करेंगे। मैं मंत्री जी से

जानना चाहूंगा कि क्या प्रदे ा में महम, कलानौर वगैरा दूसरी जगहों पर भी इस तरह के बस अड्डे बनाना सरकार के विचाराधीन है? इसके इलावा क्या वे बतायेंगे कि बस अड्डा बनाने के लिए रिक्विजिट कंडी ांज क्या क्या है?

श्री अध्यक्षः इसके लिए अगर सैप्रेट नोटिस दें तो बेहतर होगा।

कर्नल राव राम सिंहः स्पीकर साहब, मेरे पास बड़ी लम्बी लिस्ट है। मैं डाक्टर साहब की जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि इस वक्त जहां बस स्टैंड बन रहे है वे जगहें है हिसार, लाडवा, सिवानी, भिवानी, बवानी खेड़ा, इंद्री, पलवल, गोहाना और नरवाना। नारनौल में वर्क ाप बनानी है। फिरोजपुर झिरका में काम भाुरू होने वाला है। दिल्ली की वर्क ाप भी बन रही है। इन जगहों के लिए पैसा अलाट हो गया है और काम या तो भाुरू है या कम्पलीट होन वाला है।

श्री अध्यक्षः कर्नल साहब, आपने भााहबाद का नाम नहीं लिया।

कर्नल राव राम सिंहः भााहबाद में जमीन एक्वायर हो चुकी है, काम भाुरू होने वाला है। पिछले साल फंडज अलाट नहीं हुए क्योंकि पिछले साल हमारे पास फंडज नहीं थे। इस साल के बजट में जिन जगहों के लिए फंडज एलाट किये जायेंगे उनके नाम है भााहबाद, नारायणगढ, झज्जर, धारूहेड़ा, होडल, नीलोखेड़ी

और घरौंडा। इसके अलावा स्पीकर साहब, और काम जो इस साल भुरू होने है वे है चंडीगढ वर्क ाप, मिनिस्टर्ज कार सैक ान, बल्लभगढ, सोहना, कोसली, उकलाना, खरखौदा, बावल, सफीदों, फरीदाबाद और पीपली। इन जगहो ंपर जमीन एक्वायर हो चुकी है और इस साल काम भुरू हो जाएगा। इसके इलावा जहां पर जमीन एक्वायर होने का कार्यक्रम जारी है, वे है बराड़ा, रानियां, रतिया, हथीन, चीका, जुलाना, कलायत, सढौरा, बिलासपुर और इसलामाबाद

श्री एस0 सी0 चौधरीः स्पीकर साहब करीबन डेढ साल पहले फरीदाबाद में बस अड्डा बनाने की बात चली थी और जमीन भी ट्रांसफर हो गई थी। मैं आपके **(10:00बजे)** के माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि क्या हमें फरीदाबाद जैसे प्रौमिजिंग इंडस्ट्रियल टाउन में बस अड्डा बनाने के लिए इनसे हमे ाा भीख मांगते रहना पड़ेगा या हमें अपना हम जल्दी ही दे दिया जायेगा? (विघ्न)

कर्नल राव राम सिंहः स्पीकर साहब, इसके बारे में मेरा निवेदन यह है कि मेरे लायक दोस्त चौधरी साहब लोकल गवर्नमैंट के मंत्री थे और जो जमीन वहां पर थी वह लोकल गवर्नमैंट के पास थी। बड़ी मुि कल से अब इनकी मदद से वह जमीन ट्रांसपोर्ट डिपार्टमैंट को मिली है। कोई एक दो महीना पहले ही वह जमीन हमें मिली है। स्पीकर साहब, इसमें भीख मांगने का कोई सवाल नहीं है। ये भी गवर्नमैंट में उतना ही हक रखते है

जितना और रखते है। फरीदाबाद को उसका हक अव य मिलेगा और जल्दी ही वहां बस अड्डे का काम भाुरू हो जाएगा।

सेठ राम दास धमीजाः स्पीकर साहब, अम्बाला कैंट के बस स्टैंड के लिए कोई जमीन एक्वायर करने की जरूरत नहीं है और न ही वहां कोई झगड़ा है। एक साल पहले यह कहा गया था कि उस बस स्टैंड को बढाया जाएगा लेकिन आज तक कुछ नहीं हुआ। बीसियों साल पहले यह बस स्टैंड बना था। आज यह छोटा पड़ गया है। कहीं इस बस स्टैंड का मामला खुड्डे लाईन तो नहीं लग गया है। अल्फाबैटिकली तो इसका नाम सबसे पहले नम्बर पर आना चाहिए था। (विघ्न) वैसे भी स्पीकर साहब, यह मेर रोड पर है और सभी राज्यों को यहां से ट्रांसपोर्ट मुहैया होती है। क्या मंत्री जी बताएंगे कि वे इस तरफ कब निगाह डालेंगे?

कर्नल राव राम सिंहः धमीजा साहब, आपका एक भाब्द कहना ही काफी था इतना लम्बा चौड़ा भाशण देने की क्या जरूरत थी? मुख्य मंत्री जी तो अम्बाला कैंट के लिए बहुत चिंतित है। (विघ्न) स्पीकर साहब, मुख्य मंत्री जी की अध्यक्षता में अम्बाला कैंट के बस स्टैंड के लिए जमीन का बंदोबस्त करने के लिये एक मीटिंग हुई थी। धमीजा जी ने तो कहा कि वहां जमीन का कोई झगड़ा नहीं है लेकिन मैं कहता हूं कि वहां जमीन बहुत थोड़ी है। मुख्य मंत्री जी ने कैंटोनमैंट बोर्ड और म्यूनिसिपल कमेटी वगैरा से बातचीत करके जमीन ट्रांसफर कराने का बंदोबस्त किया है।

फैसला हो चुका है। वह जमीन भीघ्र ही ट्रांसफर हो जाएगी। अभी ट्रांसफर नहीं हुई है। जब जमीन हमें ट्रांसफर हो जाएगी, वहां बस स्टैंड का काम भुरू हो जाएगा। (विघ्न)

मास्टर ि ाव प्रसादः स्पीकर साहब, बलदेव नगर बस स्टैंड के बारे में मंत्री महोदय की तरफ से मुझे जवाब आया है कि यह बस स्टैंड वर्श 1984–85 में बन जायेगा लेकिन जो स्टेटमैंट मंत्री जी ने यहां पढी है उसमें उसका कोई जिक्र नहीं है। क्या मंत्री जी बतायंगे कि बलदेव नगर बस अड्डा 1984–85 में बनेगा या नहीं?

कर्नल राव राम सिंहः बलदेव नगर में बस स्टैंड बनाने का प्रस्ताव सरकार के सामने है।

चौधरी कुलबीर सिंह मलिकः स्पीकर साहब, जुलाना में बस स्टैंड के लिए लैंड एक्वायर करने की प्रोसिडिंग्ज दो साल से चल रही है। क्या मंत्री जी बताएंगे कि लैंड एक्वायर करके वहां बस स्टैंड का काम कब तक चालू कर दिया जाएगा?

कर्नल राव राम सिंहः स्पीकर साहब, जुलाना के बारे में मुझे औफ हैंड डिटेल याद नहीं है। माननीय सदस्य यदि मुझे मिलें तो मैं डिटेल बता दूंगा।

श्री राम बिलास भार्माः स्पीकर साहब, महेंद्रगढ बस स्टैंड के बारे में पिछले बजट सै ान में मंत्री जी ने बताया था कि वहां पर बहुत जल्दी ही काम भुरू होने जा रहा है। एक साल

गुजर गया है और आज भी इनकी लिस्ट में महेंद्रगढ का नाम नहीं है। क्या मंत्री जी बताएंगे कि ऐसा क्यों हुआ?

कर्नल राव राम सिंहः स्पीकर साहब, महेंद्रगढ के बारे में साइटिंग बोर्ड की मीटिंग हो चुकी थी, जमीन सिलैक्ट हो चुकी थी, जमीन एक्वायर करने की प्रोसीडिंग्ज चल रही थी लेकिन इस दौरान महेंद्रगढ के लोगों की तरु से कम से कम दस–पंद्रह रिप्रैजैंटे ान डिपार्टमैंट में आए। उनमें कहा गया कि साइटिंग बोर्ड ने जो जमीन एक्वायर की है म्यूनिसिपल लिमिस्ट के अंदर है। वहां पर बहुत कंजै ान है और गढ्ढ़े ज्यादा है। इसलिये देर हो गई। Now I have asked the Department to re-examine it.

श्री भागी रामः स्पीकर साहब, सिरसा डिस्ट्रिक्ट हैडक्वार्टर है और वहां ट्रांसपोर्ट डिपार्टमैंट का डिपो भी है लेकिन वहां अभी तक न तो बस स्टैंड की बिल्डिंग है और न ही वर्क ााप की बिल्डिंग है। क्या मंत्री जी बताएंगे कि इसके क्या कारण है और इसमें इतनी देर की क्या वजह है?

कर्नल राव राम सिंहः स्पीकर साहब, जहां तक सिरसा का सवाल है, मैं इनसे सहमत हूं कि इसमें बहुत डिले हुई है। यह बात भी ठीक है कि वहां पर रोडवेज का डिपो भी है और डिस्ट्रिक्ट हैडक्वार्टर भी है। ये बिल्डिंग्ज वहां बहुत पहले बन जानी चाहिए थी लेकिन इसकी हिस्टरी को जब मैंने स्टडी किया तो पता लगा कि इनके नेता ने कभी कहा कि फलां जगह जमीन

एक्वायर कर लें और कभी कहा कि फलां जगह जमीन एक्वायर कर लें (विघ्न) अब वह जमीन ऐक्वायर हो गई है। (विघ्न) वर्क ाप की बिल्डिंग बहुत अच्छी तैयार हो गई है। मैं खुद देख कर आया हूं। वहां सबसे फर्स्ट क्लास 12 बेज बस स्टैंड बन जाएगा। इस काम के लिए पैस अलाट हो गया है।

मास्टर राम सिंहः स्पीकर साहब, मंत्री जी ने जो लिस्ट पढी है उसमें रादौर का नाम नहीं आया। क्या मंत्री जी बताएंगे कि रादौर में बस स्टैंड बनाए जाने के बारे में कोई प्रपोजल सरकार के जेरे गौर है?

कर्नल राव राम सिंहः स्पीकर साहब, रादौर के बारे में इन्होंने मुझे कहा था। मैंने साइटिंग बोर्ड फार्म करके जमीन एक्वायर करने के आदे ा दे रखे है।

I.A.S./I.C.S. Officer in the State

***576. Shri Hira Nand Arya:** Will the Chief Minister be pleased to state-

(a) the number of I.A.S. and I.C.S. Officer working in the erstwhil composite Punjab State as on 31st October, 1966 and the number out of them as were allocated to Haryana State on 1st November, 1966; and

(b) the number of officers of the categories, as referred to in part (a) above, on the Cadre of Haryana State at present?

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल):

(क) (1) भूतपूर्व संयुक्त पंजाब राज्य के काडर में आई0ए0एस0/आई0सी0एस0 अधिकारियों की कुल संख्या 31–10–1966 को निम्न प्रकार थी:–

आई0ए0एस0	155
आई0सी0एस0	15 (इनमें वह 3 आई0सी0एस0 अधिकारी भी भाामिल है जो स्थाई तौर पर आई0एफ0एस0 में भेजे हुए थे।)

(2) उक्त अधिकारियों में से हरियाणा राज्य को दिए गए अधिकारियों की संख्या 1–11–1966 की स्थिति अनुसार निम्न प्रकार थी:–

आई0ए0एस0	63
आई0सी0एस0	7 (इनमें वह 1 आई0सी0एस0 अधिकारी भी भाामिल था जो स्थाई तौर पर आई0एफ0एस0 में भेजा हुआ था)

(ख) इस समय हरियाणा काडर में उक्त वर्गों के अधिकारियों की संख्या निम्न प्रकार है:–

आई0ए0एस0	168
आई0सी0एस0	भून्य

श्री हीरा नंद आर्य: स्पीकर साहब, मुख्य मंत्री महोदय ने बताया है कि ज्वायंट पंजाब में आई0ए0एस0 आफिसर्ज 155 और आई0सी0एस0 आफिसर्ज 15 थे जब हरियाणा बना था तो उस समय आई0ए0एस0 63 और आई0सी0एस0 सात हमोर हिस्से में आये लेकिन अब हरियाणा में आई0ए0एस0 आफिसर्ज की संख्या 168 हो गई है। ज्वायंट पंजाब को चालीस और साठ की रे ाों से तकसीम किया गया था उस समय तो इतने थोड़े अफसर आये थे और इस समय इतनी अधिक तादाद कैसे बढ़ गई? इन आफिसर्ज का प्र ाासन पर बड़ा भारी खर्च है। केवल इन आफिसर्ज का ही खर्च नहीं बल्कि उनके साथ और जो अधिकारी लगते है उनका भी प्रसा ान पर बड़ा भारी खर्चा पड़ता है। क्या सरकार इस खर्चे को कम करने के बारे में कोई विचार कर रही है? सरकार किसानों की बरबाद हुई फसल के लिये मुआवजा देने के लिये तो तैयार नहीं लेकिन अधिकारियों का इतना खर्चा बरदा ात कर रही है। क्या सरकार इस खर्चे को कम करने के लिये कोई स्टैप उठा रही है?

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, सभी सदस्य जानते है कि आज दे ा तरक्की कर रहा है। उसमें अधिकारियों की भी आव यकता होती है। जिस समय हरियाणा बना था उस समय इसकी क्या हालत थी और आज भी यह आपके सामने है। आई0ए0एस0 आफिसर्ज को अलाट करने का काडर बना हुआ है। भारत सरकार की एक कमेटी हर तीसरे साल इस मामले को रिव्यू करती है कि कौन से प्रांत में कितने अधिकारी होने चाहिये। हरियाणा का 214 आई0ए0एस0 आफिसर्ज का काडर है। परन्तु इस समय हरियाणा में 214 के अगैंस्ट 168 आई0ए0एस0 आफिसर्ज है।

चौधरी सुरेंद्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री महोदय ने बताया कि हरियाणा में काडर के हिसाब से 214 आई0ए0एस0 आफिसर्ज की पोस्ट सैंक ांड है। हरियाणा प्रांत में एफ0सी0आर0 की काडर पोस्टस केवल तीन है और एक अधिकारी को लगाने के लिये सरकार ने कुछ खर्च भी किया है और केंद्रीय सरकार की ओर से जो पोस्टस सैंक ांड है वे केवल तीन है। अगर प्रांत का तीन पोस्टस से काम नहीं चल सकता है तो चौथे सीनियर मोस्ट को एफ0सी0आर0 बना दिया जाये। क्या मुख्य मंत्री महोदय बतायेंगे कि इन के अलावा दो और एफ0सी0आर0 बनाने की क्या जरूरत है और क्या उनकी सैंक ान वक्तन फक्तन लेते है?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय हमारे दो अधिकारी डेपुटे ान पर गये हुए थे, मिस मीरा सेठ और श्री बैलूर। जब वे

डेपूटे ान पर थे, उनकी जगह पर दूसरे अधिकारियों को एफ0सी0आर0 बना दिया था। लेकिन अब वे वापिस आ गये है। अगर हम उन दो अधिकारियों को रिवर्ट करते तो मुनासिब बात नहीं लगती दूसरे सरकार के खजाने पर इनके बने रहने से कोई वि ोश फर्क भी नहीं पड़ता है।

श्री नेकी रामः स्पीकर साहब, मैं आदरणीय चीफ मिनिस्टर साहब से जानना चाहूंगा कि आपने जो आई0ए0एस0 और एफ0सी0आई0 की फिगर्ज दी है इनमें हरिजनों की संख्या कितनी है और अगर उनकी रिजर्वे ान के हिसाब से संख्या कम है तो वह क्यों कम है, कब तक पूरी कर दी जाएगी?

चौधरी भजन लालः यह सवाल अलग है। इसके लिए अलग से नोटिस दैं।

श्रीमती चंद्रावतीः स्पीकर सर, मैं पूछना चाहती हूं कि क्या मुख्य मंत्री जी ने भारत सरकार को कोई ऐसी भी चिट्ठी लिखी है कि हमारे यहां ज्यादा आई0ए0एस0 आफिसर्ज है और आगे हमें इन आफिसर्ज की आव यकता नहीं है?

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, मैंने अभी बताया था कि भारत सरकार हर तीसरे साल काडर रिव्यू करती है कि किस स्टेट में कितने अफसर देने है और उस स्टेट का कितना काडर बनना चाहिए।

श्रीमती चंद्रावतीः मैंने आपसे यह पूछा है कि क्या आपने कम करने के लिए सुझाव दिया है?

चौधरी भजन लालः मैंने कोई चिट्ठी नहीं लिखी। भारत सरकार ने 214 का काडर बनाया है। हमने 214 के मुकाबले में पहले ही 168 लिए है।

श्री मंगल सैनः स्पीकर सर, मुख्य मंत्री महोदय ने फरमाया कि 214 के अगैंस्ट 168 आफिसर्ज लिये है। बड़े लायक आफिसर्ज है लेकिन मैं मुख्य मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि क्या किसी आई0ए0एस0 आफिसर को काम ठीक न करने की वजह से सस्पैंड किया गया है? अगर किया गया है तो उस पर क्या अल्जाम है?

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, सदन में किसी अफसर के बारे में कुछ कहना उचित नहीं है। मंगल सैन जी को भी पता है कि किस अफसर को सस्पैंड किया हैं श्री प्रताप सिंह को सस्पैंड किया गया है। वे केंद्रीय सरकार की किसी बैठक में गये थे वहां भाराब पी कर चले गये और वे ठीक से बात नहीं कर सके। बैठक अधिकारियों ने और वहां जो मंत्री जी थे उन्होंने कहा कि आपके अधिकारी फाल्ट है इसलिये आपको उसके खिलाफ कार्यवाही करनी चाहिए। उस दोश पर हमने उनको सस्पैंड किया है।

श्री निहाल सिंहः स्पीकर साहब, चीफ मिनिस्टर साहब ने आई0ए0एस0 आफिसर्ज के काडर की तादाद 214 बतायी है परन्तु एच0सी0एस0 आफिसर्ज की तादाद नहीं बतायी। क्या मुख्य मंत्री महोदय पिछले एक्सपीरियंस को देखते हुए केंद्रीय सरकार से यह सिफारि ा करेंगे कि एच0सी0एस0 आफिसर्ज इतना अच्छा काम नहीं करते इसलिये हमें आई0ए0एस0 आफिसर्ज और अधिक दिये जायें। आई0ए0एस0 और एच0सी0एस0 आफिसर्ज की वरकिंग में बहुत फर्क है इसलिये एच0सी0एस0 आफिसर्ज की भर्ती कम की जाये।

चौधरी भजन लालः राव साहब यह कैसे हो सकता है और मैं इसे मुनासिब भी नहीं समझता क्योंकि एच0सी0एस0 आफिसर्ज का होना भी बहुत जरूरी है। मैं दावे के साथ कह सकता हूं कि जितना अच्छा काम फील्ड में एच0सी0एस0 आफिसर्ज करते है उतना आई0ए0एस0 नहीं कर सकते।

श्री कंवल सिंहः स्पीकर साहब, मुख्य मंत्री जी ने बताया कि हर तीसरे साल केंद्रीय सरकार की एक कमेटी काडर को रिव्यू करती है। मैं मुख्य मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि उस कमेटी में आई0ए0एस0 आफिसर्ज होते है या कोई और होते है?

चौधरी भजन लालः भारत सरकार की हाई पावर्ड कमेटी बनी हुई है। उस कमेटी ने अक्तूबर, 1983 में रिव्यू करके 214 आफिसर्ज की सैट्रंथ फिक्स की है।

डा0 भीम सिंह दहियाः मुख्य मंत्री महोदय ने जिक किया कि हरियाणा में बड़ी भारी डिवैल्पमैंट हुई है इसलिये 63 से 168 आई0ए0एस0 आफिसर्ज की तादाद बढ़ी है। अच्छी बात है, स्टेट की डिवैल्पमैंट हुई है, एक्सपें ान हुई है। स्पीकर साहब, मैं आपके द्वारा चीफ मिनिस्टर महोदय से जानना चाहता हूं कि क्या कोई ऐसी भी पालिसी बना रखी है कि इन आफिसर्ज को किन किन डिपार्टमैंट में लगाना है या जहां भी जगह खाली हो वहीं लगा दिया जाता है जैसे युनिवर्सिटीज में या इलैक्ट्रोनिक कार्पोरे ान में भी लगा दिये जाते है।

चौधरी भजन लालः जब वे ट्रेनिंग में होते है तो वे जुनियर पोस्ट पर लगायें जाते है। ट्रेनिंग पूरी होने के बाद जहां पर जरूरत होती है वहां पर लगा दिये जाते है।

डा0 भीम सिंह दहियाः स्पीकर साहब, मेरे सवाल का जवाब नहीं आया। मैंने यह पूछा था कि जो प्रोफै ानल इंस्टीच्यु ान है जैसे एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी या इलैक्ट्रिोनिक कार्पोरे ान आदि है वहां आई0ए0एस0 आफिसर्ज लगाने की क्या आव यकता है।

चौधरी भजन लालः बोर्डर्ज कर्पोरे ांज और यूनिवर्सिटीज में कोई टैक्नीकल काम नहीं होता है। जहां तक एडमिनिस्ट्रे ान चलाने की बात है आई0ए0एस0 आफिसर्ज अच्छे ढंग से एडमिनिस्ट्रे ान को चलाने में सफल हुए है। उनका कोई मुकाबला नहीं किया जा सकता।

चौधरी सुरेंद्र सिंहः स्पीकर साहब, मैं मुख्य मंत्री जी की इस बात से सहमत हूं कि एच0सी0एस0 आफिसर्ज फील्ड में अच्छा काम कर सकते है। मेरा कहने का तात्पर्य यह भी नहीं है कि आई0ए0एस0 अच्छा काम नहीं करते वे भी अच्छा काम करते है। स्पीकर साहब, हरियाणा प्रांत में एच0सीएस0 आफिसर्ज में से आई0ए0एस0 आफिसज्र भी बनाये हुए है। यहां पर एक एच0सी0एस0 आफिसर को आई0ए0एस0 बनने के लिये 17 साल लगते है जब कि केरल प्रदे ा में केवल नौ साल लगते है और भी ऐसे कई प्रांत है जिन में स्टेट सर्विसिज के आफिसर्ज आई0ए0एस0 की पोस्टस पर कम समय में प्रमोट हो जाते है। वे स्टेटस केंद्रीय सरकार की इच्छा के मुताबिक आई0ए0एस0 आफिसर्ज लेने से इंकार कर देते है। मैं मुख्य मंत्री जी से पूछना चाहूंगा कि क्या हरियाणा सरकार भी उन प्रांतों से कंसल्ट करके यह स्टैंड लेने के लिये तैयार है?

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, स्टेट में इस समय टोटल 168 आई0ए0एस0 आफिसर्ज है जिनमें से 128 डायरैक्ट आई0ए0एस0 है और 40 एच0सी0एस0 आफिसर्ज परमोट हो कर

आई0ए0एस0 बने हे। जो आपने कम समय की बात कही है वह तभी पैदा होती है जब उनका कोटा कम हो। इस समय उनका कोटा पूरा है।

चौधरी बलबीर सिंह ग्रेवालः स्पीकर साहब, अभी मुख्य मंत्री महोदय ने यह बताया है कि हमारे आई0ए0एस0 और एच0सी0एस0 आफिसर्ज दोनों ही काबिल है। हम ीाी इस बात को मानते है। लेकिन मैं मुख्यमंत्री महोदय से पूछना चाहूंगा कि क्या आपने उनको अपना काम ईमानदारी से करने और इंडीपैंडेंटली डिसीजन लेने का अख्तियार दे रखा है?

श्री अध्यक्षः यह कोई सवाल नहीं है।

श्री भले रामः स्पीकर साहब, अभी–अभी मुख्य मंत्री महोदय ने यह बताया है कि हमारी स्टेट में 168 आई0ए0एस0 आफिसर्ज है। क्या वे यह बताने की कृपा करेंगे कि उनमें से कितने हरियाणा स्टेट के है और कितने दूसरी स्टेटों के है?

चौधरी भजन लालः सर, इसमें किसी स्टेट का सवाल नहीं होता। आई0ए0एस0 आफिसर्ज सारी स्टेटस से लिये जाते है। इनकी सिलेक ान यूनियन पब्लिक सर्विस कमी ान करता है। इसमें किसी पार्टीकुलर स्टेट का सवाल नहीं होता। जो मैरिट के ऊपर आता है और जो काबिल होता है, उनको सिलैक्ट करके स्टेट्स में भेजा जाता है।

***597. Shri Ram Bilas Sharma:** Will the Minister for Health be pleased to state-

(a) whether it is a fact that Primary Health Centre, Nangal Sirohi Tehsil Mohindergarh is at present without any permanent doctor and other staff.

(b) if so, the perido since when the above said centre is without a permanent doctor/staff; and

(c) the time by which the said staff is likely to be provided?

स्वास्थ्य मंत्री (श्रीमती प्रसन्नी देवी):

(क) जी हां। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, नंगल सिरोही के लिए डाक्टरों तथा अन्य स्टाफ के पद 1–4–84 में सृजन करने संबंधी वित्तीय स्वीकृति जारी की जा चुकी है। वहां स्टाफ नियुक्त करने के लिए पग उठाये जा रहे है।

(ख) उपरोक्त (क) के दृश्टिगत प्र न नहीं उठता।

(ग) भीघ्र।

श्री राम बिलास भार्मा: स्पीकर महोदय, हमारी बहिन जी ने मेरे सवाल के (ख) भाग के उत्तर में यह कहा है कि प्र न ही नहीं उठता जबकि (क) भाग के उत्तर में यह खुद स्वीकार किया है कि नंगल सिरोही प्राइमरी हैल्थ सैंटर में कोई भी परमानैंट डाक्टर या अन्य कर्मचारी नहीं रहा है। क्या यह दोनों चीजें कंट्राडिक्टरी नहीं है?

श्रीमती प्रसन्नी देवीः स्पीकर साहब, इन्होंने स्थायी पद की बात पूछी थी कि क्या वहां पर इस समय कोई स्थायी डाक्टर नहीं है। मैंने उसके जवाब में यह कहा है कि जी हां और दूसरा इनके सवाल का भाग यह था कि यदि ऐसा है तो उपरोक्त केंद्र में कब से एक स्थायी डाक्टर/अमला नहीं है, मैंने इसका जवाब दिया है कि प्र न नहीं उठता।

श्री मंगल सैनः क्या स्वास्थ्य मंत्री महोदया यह बताने की कृपा करेंगी कि महेंद्रगढ़ में जो डाक्टर और उसकी धर्मपत्नी लगी हुई है, उनके खिलाफ इनके पास कोई ि ाकायत आयी है?

श्रीमती प्रसन्नी देवीः स्पीकर साहब, यह सवाल तो प्राइमरी हैल्थ सैटर नंगल सिरोही के बारे में है। उसमें यह प्र न पैदा नही होता।

चौधरी फूल चन्दः हमारे माननीय सदस्य श्री राम बिलास भार्मा जी ने तो सटाफ की कमी के बारे में सवाल पूछा है। लेकिन मै मंत्री महोदया से यह जानना चाहूंगा कि कितने ऐसे अस्पताल हैं जिनमें एक एक पोस्ट और दो दो डाक्टर लगें हुए हे। और कितने अर्से से लगे हुए है।

श्री वीरेन्द्र सिहंः स्पीकर साहब, मंत्री महादेया ने अभी एक पार्टीकुलर प्राइमरी हैल्थ सैटर के बारे में जवाब दिया है। क्या मंत्री महोदया यह बताने का कश्ट करेगी कि फाइनै ीयल कंस्ट्रेन्टस की वजह से या दूसरे कारणों से कितने ऐसे पी0 एच0

सीज0 है जहां पर स्टाफ पोस्ट नहीं किया गया है। (व्ववधान एवं भाोर)

श्री अध्यक्षः इन्होने पहले ही कह दिया है कि यह रैलैवैन्ट नहीं है।

श्री वीरेन्द्र सिहंः सर, यह तो कहती है कि मै तैयार हूं।

श्री प्रसनी देवीः ऐसा कोई पी0 एच0 सी0 नही है। जो चालू हो गाया हो ओर वहां पर स्टाफ न हो। हमारे यहां अब कोई ऐसी खाली बिल्डिंग नहीं हैं जो तैयार खडीं हो और वहां पर स्टाफ पोस्टिड न हो।(व्ववधान एवं भाोर)

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, इन्होनें अभी थोडी देर पहले परमानैट डाक्टर्ज के बारे में जवाब दिया था और कहा था कि वहां पर कोई स्थायी डाक्टर नहीं है मैं इनसे यह पूछना चाहता हूं कि चलो डाक्टर तो कोई नहीं हैं क्या वहां पर कोई स्थायी अभला भी नहीं है। और क्या वह सारे का सारा टैम्पोरेरी है?

श्री प्रसनी देवीः स्पीकर साहब, बात ऐसी हैं कि यह नंगल सिरोही पाइमरी हैल्थ सैटर की जो बिल्डिंग थी यह कोई एक साल पहले पूरी हो गयी थी लोगो की वहां पर मांग भी थी कि वहां पर स्टाफ भेजा जाए। कई बार जब बिल्डिंग पूरी हो जाती और अगर उसको यूटेलाईज न करे तो उसका खराब होने का खतरा होता है। इसलिये हमने दूसरी जगह से स्टाफ लेकर

प्राइमरी हैल्थ सैन्टर को चालू कर दिया था। इस साल पहली अप्रैल के बाद सरकार ने यहां की पोस्टों की वित्तीय अनुमति दे दी है। जल्दी ही हम वहां पर स्थायी स्टाफ नियुक्त कर देगे। व्ववधान एवं भाोर)

श्री अध्यक्ष: मैम्बर साहब, बात बडी सिम्पल सी हैं हैल्थ सैटर बन गया था। इनके पास सैंक ान्ड स्टाफ था नहीं। इसलिए इन्होनें वहां पर टैमपोरेरी स्टाफ लगा दिया।

श्री राम बिलास भार्मा: स्पीकर साहब, मेरे सवाल के अन्तिम भाग के जवाब में मंत्री महोदया ने यह जवाब दिया है कि भ्राीघ । मैं इस भाीघ्र की परिभाशा जानना चाहता हूं। कि कितने दिनों तक इस प्राइमरी हैल्थ सैटर में नियमित स्टाफ नियुक्त कर दिया जायेगा? अब तक वहां पर सिर्फ एक चौकदारी है। अगर कोई इलाज के लिये चला जाये तो वहा डंडा लेकर खडा हो जाता है। इसलिये मैं मंत्री महोदया से यह पूछना चाहता हूं कि भाीघ्र का मतलब उनका कब तक हैं?

श्रीम प्रसन्नी देवी: वेसे तो वहां पर डाक्टर भी है ओर दूसरा स्टाफ भी है। जैसे मैने कहा हैं कि पहले हमने दूसरी जगह से स्टाफ लेकर यहां पर नियुक्त किया था। भाीघ्र का मतलब यह है कि जितनी जल्दी हो सकेगा। हम वहांपर स्थाई स्टाफ नियुक्त कर देगें।

श्री निहाल सिंह: मै मंत्री महोदया से यह पूछना चाहता हूं कि क्या इस प्राइमरी हैल्थ सैटर का उद्घाटन हुआ था? अगर उद्घाटन हुआ था तो उसका उद्घाटन किस महानुभाव न किया था और उस वक्त वहां के लोकल एम0 एल0 एज0 को क्यों नही बुलाया गया? (व्ववधान एवं भाोर)

श्री प्रसन्नी देवी: सर, इसका उद्घाटन 20—3—1983 को केन्दीय मंत्री राव बीरेन्द्र सिहं जी ने किया था। सब एम0 एल0 एज0 को प्रोगाम भेजा जाता है। राव साहब भी यदि वहां हाजिर होते तो अच्छी बात थी। व्ववधान एवं भाोर)

श्री राम बिलास भार्मा: स्पीकर साहब, नंगल सिरोही का पी0 एच0 सी0 मेरे हल्के में हैं लेकिन मुझे इसका पता तक नही दिया गया। व्ववधान एवं भाोर)

श्री प्रसन्नी देवी: स्पीकर साहब, मै मंत्री महोदय से यह जानना चाहती हूं कि क्या स्टेट में डाक्टर्ज की कमी है। और अगर है तो क्यों नही ओर ज्यादा डाक्टर्ज एम्पलाय किये जाते?

श्री अध्यक्ष: इन्होनें यह बताया हैं हिक वहां पर सैक ान्ड स्टाफ नही था इनके पास डाक्टर्ज तो है।

Construction of Chimni-Dubaldhan Road

***669. Ch. Om Parkash**: Will the Chief Minister be pleased to state:-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to construct the Chimni-Dubaldhan Road in district Rohtak; and

(b) if so, the time by which the construction of the road referred to in part (a) is likely to be started and completed?

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल):

(क) जी हां।

(ख) इस सडक पर वर्श 1976–77 में कार्य किया गया था परन्तु धन की कमी के कारण रोक दिया गया था। इस सडक को पुनः भाुरू करने तथा पूरा करने के बारे में सुनिि चत समय नही बताया जा सकता क्योकि यह एक दोहरा लिंक हे।

चौधरी ओम प्रका ा: अध्यक्ष महोदय, पिछले वित्त वर्श 1983–84 में मेरे हल्के मे एक ईन्च भी सड़क नहीं बनाई गयी है। इस सड़क क न होने की वजह से चिमनी से दूबलधन जाने के लिये 18 किलोमीटर ज्यादा चलना पड़ता है। क्या मुख्य मंत्री जी इस बात का कैटेगोरीकल अ योरैस देगे कि इस साल नहीं तो अगले साल यह सड़क अव य बना दी जायेगी? जब हमारे अपोजी ान के हल्को को सड़क से मिलानक की बात आती है तो फन्ड्ज की कमी की बात आ जाती है। क्या इस भदेभाव को दूर करने की अ योरैस भी देने का कश्ट करेगे?

चौधरी भजन लाल: अध्यक्ष महोदय, इनके हल्के का कोई भी गांव कच्चे रास्ते पर नहीं है। सारे के सारे गांव पक्की सड़क से जुडे हुए हैं। जैसा कि इन्होने कहा है कि इन दोनो गांवों को पक्की सड़क से जोडने से फासला कम हो जाएगा। उसके बारे में सरकार विचार कर लेगी। अध्यक्ष महोदय, आपको पता ही है। कि हमारे प्रदे ा में काफी फ्ल्डज आए जिनकी वजह से प्रान्त की बहुत सी सड़के टुट गई । जो सड़के टूट गई हैं पहले हम उन सड़को को बना रहे है। उसके बाद अगर पैसा बचेगा तो फिर ड्बल लिंक पर विचार किया जायेगा।

चौधरी रो ान लाल भार्मा: क्या मुख्य मंत्री महोदय बताने की कृपा करेगे कि जितने भी काग्रेस के एम0 एल0 एज0 चुने गए है। प्रत्येक के हल्के में पांच पांच किलोमीटर सड़क बनाई गइ है। और विपक्ष के किसी भी एम0 एल0 ए0 के हल्के मे एक भी किलोमीटर सड़क नही बनाई गई। क्या यह सत्य हैं?

चौधरी भजन लाल: स्पीकर साहब, ऐसा बिल्कुल नहीं है। यह इल्जाम निराधार हैं हमने हर गांव को पक्की सड़क से जोड़ा है। चाहे वह कांग्रेस के एम0 एम0 ए0 के हल्के का गांव है। या विपक्ष के एम0 एल0 ए0 के हल्के का गांव है। हमने किसी भी एम0 एल0 ए0 के साथ कोई भेदभाव नहीं किया हैं। अगर ये लिखकर दे तो हम जवाब देने के लिए तैयार है कि किस किस एम0 एल0 ए0 के हल्के में कितने किलोमीटर सड़क बनाई है।

श्री अध्यक्ष: क्वै चन ओवर खत्म होता है।

नियत 45 क अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्र नों के लिखित उतर

Commercial Centre

***603 Shri kitab Singh**: will the Chief Minister be pleased to state:-

(a) whether it is a fact that Khasra NO. 137, Darra-Kalan, Thanesar is situated in commercial centre Sector 17, being set up by the Haryana Urban Development Authority and is a part of a Cinema site; and

(b) whether it is also a fact that Khasra NO. 137, referred to in part (a) above, has been exempted from acquisition , if so, the reasons thereof?

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल):

(ए) नहीं।

(बी) हां, क्योंकि वहां पर पहले ही दुकानें बनी हुई थी।

Water Works at Village Badli and Matan

***609. Ch. Dhir Pal Singh**: Will the Chief Minister be pleased to state:-

(a) Whether it is a fact that land for the consideration of water works at Badli has been given by the Kheri Jat Panchayat;

(b) whether it is also a fact that land for the consideration of Matan Water Works has been given by the village Panchayat; and

(c) if reply to parts(a) and (b) above be in the affirmative, whether construction of the said water works has been started, if not, the reasons thereof?

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल):

(क) नहीं।

(ख) जल घरों का निर्माण करने के लिये जिसमें मातन गांव भी है। को भूमि खरमान गांव द्वारा दी गई है।

(ग) जी हां।

Recruitment of Constables

***586. Ch. Kulbir Singh Malik ,Shri Hira Nand Arya**: Will the Chief Minister be pleased to state the constituency-wise number of constables recruited in the State by the Police Department during the year 1983-84 together with the addresses of the recruited persons?

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): वर्श 1983–84 के दौरान राज्य में पुलिस विभाग द्वारा 743 सिपाई भरती किए गये थे। चुनाव क्षेत्र वाईज उनकी संख्या बारे सूची उनके पतों सहित

देने में जितना समय तथा परिश्रम लगेगा वह उसकी तुलना में होने वाले किसी सम्भावित लाभ से बहुत अधिक होगा।

Construction of Roads from Kathwar to Pai and Khanoda to Dhauns

***616. Ch. Nar Singh Dhanda**: Will the Chief Minister be pleased to state whether there isany proposal under consideration of the Government to construct a road from village Kathwar to Pai via Mundri and Kakaut and a road from Khanoda toDhanuns; if so, the time by which these are likely to be constructed?

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): गांव कथवार से पाई वाया मुडरी तक सड़क के निर्माण का कोई प्रस्ताव नहीं हैं। खनौदा से धो ा तक सड़क के निर्माण का एक प्रस्ताव प्राप्त हुआ था। परन्तु धनाभाव के कारण अनुमोदित नहीं हुआ क्योकि ये गांव पहले ही सड़क से मिले हुए है। तथा प्रस्तावित सड़क एक दोहरी सम्पर्क होगी।

Augmentation of water supply scheme of Narnaul Town

*631. Shri. Nihal Singh: Will the Chief Minister be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to augment the present water supply scheme of Narnaul town; and

(b) if so, the estimated amount of expenditure likely to be incurred thereon?

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल):

(क) जी हां।

(ख) इस योजना का अनुमोदित खर्चा 1.48 करोड़ रूपये हैं।

Construction of New Colony at Sonepat

***660. Shri Devi Dass:** Will the Chief Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to construct a new colony for Rickshaw-pullers, Rehriwalas and Class IV employees of the Government, semi-Government and private institutions within the municipal limits of Sonepat; if so, the time by which the said colony is likely to be constructed?

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल):

(क) नही जी।

(ख) ''क'' को देखते हुए प्र न उत्पन्न नहीं होता।

Construction of Roads

***684. Shri. Bhagi Ram**: Will the Chief Minister be pleased to state:-

(a) Whether the sanction for the construction of the following roads has been accorded:-

1. Kariwala to Shahinawala Therh;

2. Ellanabad Berwala to Dhani mauju;

3. Dhani Satnam Singh to Dhani Asha Singh;

4. Sirsa-Rania road to Narian Singh Therh;

5. Sirsa-Rania road to Mohar Singh Therh via Samunder Singh Therh;

6. Amol to Sangatpura;

7. Amoli to Dhamorha Therh;

8. Rania Jiwan Nagar road to Rampur Therhi;

9. Damdama to Dharampura; and

10. Ellanabad to Mauju Khera; and

(b) if so, the names of the roads out of those referred to in part (a) above, the construction work on which has been started:

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल):

(क) ही हां।

(ख) 1. दमदमा से धर्मपुरा।

2. ऐलनाबाद से मौजूखेड़ा।

विभिन्न विशयों का उठाया जाना

श्रीमती चन्द्रावती: स्पीकर साहब, कुछ दिन पहले इरीगे ान एंड पावर मिनिस्टर कह रहे थे कि अगर कोई ट्रासफारमर जल जाता है। तो उसको रिपलेस करने मे तीन दिन से ज्यादा नही लगेगें तीन दिन से ज्यादा ट्रांसफारमर जला हुआ नही मिलेगा। छपरा गांव डाकखाना गिलौर जिला कुरूक्षेत्र में ट्रांसफारर्मर एक महीने से ज्यादा से जला हुआ है। और उनके बारे में मैनें आज ही काल अटैन् ान मो ान नोटिस किया है। मैं सोचती हूं कि जब छपरा गांव में ऐसी हालत है तो दूसरी जगहों पर भी ऐसी ही हालत होगी। यह ठीक है। कि जबसे श्री सूरी साहब, बोर्ड के चैयरमैन आए है। काम ठीक ठाक होने लगा है। अगर तीन दिन से ज्यादा कोई ट्रांसफारर्मर जला हुआ नहीं रहता तो हमें बडी खु ाी होगी बल्कि हम तो कहते हैं कि एक दिन भी ट्रांसफारर्मर जला हुआ न रहे।

सिचाई तथा बिजली मंत्री (चौधरी भाम ेर सिंह सुरजेवाला): स्पीकर साहब, इस बारे में आज सवेरे ही लौबी मैं इन्होने लिख कर दिया हैं मैंने इमिजिएटली उसे औफिसर्ज को पास आन कर दिया है। वे लिखित रूप में उसका जवाब इनको भी ओर मुझे भी दे देगे।

श्री हीरा नन्द आर्य: स्पीकर साहब, मैने भी एक ध्यानकर्शण प्रस्ताव दिया हैं कि हरियाणा में दसवीं की परीक्षाएं हो

रही है। और सरकार ने सुपरिन्टैन्डैट्स तथा दूसरा स्टाफ गलत तौर पर लगाया हुआ है। और इसकी वजह से परीक्षाएं में बहुत ज्यादा नकल हो रही है।

श्री अध्यक्ष: मैने 24 घण्टें के अन्दर अन्दर गवर्नमैट से कमैन्ट्स मगवाएं है।

श्री मंगल सैन: अध्यक्ष महोदय, पिछलें दिनों गवर्नमैंट ने एक स्कीम डिक्लेयर की थी कि लोग कोआप्रेटिव सोसायटी बनाकर उनको पंजीकृत करायें और इन सोसायटीज के थू ग्रुप हाउसिंग स्कीम चालू की थी । एक हजार कोआप्रेटिव सोंसायटीज रजिस्टर हुई है। और पचास हजार लोग इन सोसायटीज के मैम्बर हैं। 32 हजार रूपये प्रति एकड़ सरकार ने जमीन पर खर्चा किया है। और अब बारह लाख रूपये प्रति एकड़ के हिसाब से उन सोसायटीज से सरकार लेना चाहती है। स्पीकर साहब, इससे बढ़कर लूट ओर क्या हो सकती है। सरकार ऐसा करके प्राईवेट कालोनाइजर्ज को एनकरैज कर रही है। इस बारे में मैनें एक काल अटैन्सन मोसन भी दिया है।

स्पीकर साहब, आज ही मैने वीर प्रताप अखबार में देखा है। ओन आपने भी वह अखबार पढ़ा होगा। यह बड़ा ही सीरियस मैटर है। अगर हम इस हाउस में खामो ा बैठे रहें और लोगों के साथ जो जुलम हो रहे है। उनको सै ान में हाइलाइट न करें तो हम अपने फर्ज निभाने में कोताही करेगें। इतनी भार्मनाक हरकत

हो रही हो तो हमारा चुप बैठना उचित नही है। मै सरकार का ध्यान रायपुर रानी मे हुई घटना की और दिलाना चाहता हूं । यह कोई साधारण बात नहीं है। कि थाने में एक बेटे को कहा जाये कि वह अपनी मां के साथ कुकर्म करे। यह वीर प्रताप अखबार में छपा है। मंत्री महोदय, ने इस बारे मे कहा है। कि यह बात सच नहीं हैं अगर सच नही हैं और उनमें साहस है। तो वे उस अखबार पर मुकदमा चलाएं। वहां पर ट्रिब्यून अखबार का नुमांइदा गया वीर प्रताप का नुमांइदा गया। सैंकडो आदमी उनसे मिले वहां पर हडताल हुई स्पीकर साहब, इसमें कुछ पोलिटिक्स नहीं है। एक बेटे को कहा जाये कि वह अपनी मां के साथ कुकर्म करे। ऐसी बात कोई भी स्त्री अपने मुहं से नही कहेगी। उस बेटे को कुकर्म करने के लिए मजबूर किया गया । यह बडा ही सीरियस मामला हैं मैं चाहूगा कि इस मामले के बारे में हाउस में स्पश्ट किया जाये और अगर चौधरी भजन लाल में इतनी फिराखदिली है तो इस सम्बन्ध मै जुडि ियल इंक्वायरी करवाकर प्रदे ा के लोगों को भाांत करे। यह बहुत ही भार्मनाक वाकया है।

स्पीकर साहब, तीसरी बात मैं यह कहना चाहता हूं कि आपने वायदा किया था कि आपके स्टाफ के साथ बेंइन्साफी नहीं होगी कोई डिस्पैरिटी नही होगी। यह बात आप बारबार कह रहे है। इस सदन में कर्मचारियों का क्या दोश हैं कि उनको सैक्रिटेरियट के कर्मचारियों के मुकाबले में हीनता में रखा जाऐ।

श्री अध्यक्ष: डा0साहब, जहां तक विधान सभा के कर्मचारियों की बात है। इस बारे में आप बिल्कुल बेफिक्र रहें कि यहां के कर्मचारियौं को सैक्रिरेरियट के कर्मचारियों के साथ पैरिटी नही मिली है। इनको पूरा हक मिलेगा। इनकी जिम्मेदारी मेरी हैै।

मुख्य मंत्री (**चौधरी भजन लाल**): स्पीकर साहब, डा0 साहब ने तीन बाते कही है। पहले तो ग्रुप हाउसिंग स्कीम के बारे में जिक्र किया हुआ है कि सोसायटीज बन गई है। ओर सरकार उनसे जमीन की बहुत ज्यादा कीमत ले रही है। स्पीकर साहब, सरकार उनसे प्रौफिट नही कमाती। सरकार जिस भाव पर जमीन लेती है। डिवेलपमैट चार्जिज उसमें भामिल करके कीमत लेती हैं स्पीकर साहब, सरकार जमीन की अलाटमैट करते समय एक क्लाज उसमें रखती है। कि अगर कोई आदमी हाई कोर्ट में चला जाये कि उसको जमीन की कम कीमत मिली हैं और हाई कोर्ट कीमत बढ़ा दे या कोई आदमी सुप्रीम कोर्ट में चला जाये ओर सुप्रीम कोर्ट कीमत बढ़ा दे तो उस जमीन की कीमत बढ़ सकती है। वे सारे लोग मुझे मिले थे। ओर इसके लिए हमने बाकायदा एक मीटिंग बुलाई हैं पांच नुमांइदे उनके होगें और वे अधिकारियों के साथ बैठकर बात करेगे। उनकी तसल्ली कराई जायेगी किसारी जमीन किस भाव से पड़ती है। उस पर कितने डिवलेपमैट चार्जिज आते है। उनसे ज्यादा पैसे लेने का सवाल ही नहीं है। और न ही उनके साथ कोई ज्यादती होने का सवाल है।

स्पीकर साहब, रायपुर रानी के बारे में मै समझ नही सका कि इसमें क्या कांस्प्रेसी है। एक दो पेपर्ज इसी बात के पीछे लग हुऐ है। मैने पूरी इंक्वायरी इस बारे में की है। ऐसी घिनोनी बात कि एक बेटे को यह कहा जाये कि वह अपनी मां के साथ कुकर्म करे आज प्रदे ा के अन्दर कोई भी सरकारी अधिकारी ऐसी बात नही कर सकता। इसलिए यह बेबुनियाद बात है। जो झगडा हुआ हैं उसकी इंक्वायरी की जायेगी। ओर इसमें जिसका भी कसूर होगा उसके खिलाफ सख्त से सख्त कार्यवाही की जायेगी। एक सख्ती सहानुभूति हासिल करने के लिए एक बात कही गई कि विधान सभा केजो कर्मचारी हैं इनके जो ग्रेडज वगैरह है वे ठीक होने चाहिए। स्पीकर साहब, मैनें इस सेसन मै पहले भी कहा हैं कि हमने आदे ा दे दिये हैं कि जो ऐनोमलीज है वे ठीक की जाये और वे जल्दी ही ठीक करेगे।

प ाुपालन राज्य मंत्री (चौधरी लाल सिंह): स्पीकर साहब, रायपुर रानी इन्सीडैन्ट के बारे में मेरे संबंधी जो कुछ कहा गया है यह बिल्कुल गलत बात है। (ाोर एवं व्यवधान) स्पीकर साहब, जो कुछ भी अखबारों में छपा हैं उसमें कोई सच्चाई नहीं है। इसकी इंक्वायरी सुप्रीम कोर्ट के जज से करवा ली जाये मै तैयार हूं (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: जिस वक्त कल यह मामला डिस्कस हो रहा था उस समय मैं अपने चैम्बर में बैठा था मै ईमानदारी से फील करता हूं कि डिबेट का कुछ न कुछ डैकोरेम जरूर होना चाहिए।

इसीलिये मै जल्दी उठकर आया था ताकि थोड़ा सा वातावरण भाांत हो। डा0 साहब ने जो अखबार की बात कही है। मैं यह नहीं कहता कि उनको कहने का हक नहीं हैं या किस ख्याल से किस वजह से उन्होनें कहा है और क्या फैक्ट्स है। मै तो अखबार पढ़ नही सका क्योंकि काफी भारी ऐजेन्डा था। मैं आनरेबल मैम्बर्ज से रिकवैस्ट करूंगा कि मुताल्लिक अगर ध्यान से बात करें तो अच्छा हैं। इससे हाउस का वातावरण भी अच्छा रहेगा।

श्री मंगल सैन: अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आर्डर है। कि आपने जो कु छ फरमाया, उसको हम सब एंप्रीि ाऐट करते है। और जो बाते मैने यहां पर कही है उन मे मैं किसी भी वजीर का नाम नही लिया है। मैने पेपर के आधार पर अपने विचार हाउस के सामने रख है।(ाोर एवं व्यवधान)

चौधरी लाल सिंह: स्पीकर साहब, आप इनको बोलनें से रोके। हम अपनी बेंइज्जती करवाने के लिये यहां पर नही आये। ये हमारे बच्चों पर झूठे आरोप लगा रहे है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री मंगल सैन: अध्यक्ष महोदय, मैने तो पेपर क आधार पर अपनी बात कही हैं। आप इसकी जांच करवा के देख ले (ाोर एवं व्यवधान) मैने तो कायदें के अनुसार इस हाउस में इस घटना की और आप सब का ध्यान आर्किशत करने की बात की है। लेकिन मंत्री महोदय यूं ही लाल हो जाये है(ाोर) इस बारे में हम आपकी रूलिंग चाहेगे। आप ऐसे मंत्री को रिप्रिमाइन्ड कीजियेगा।

परिवहन मंत्री (कर्नल राव राम सिंह): स्पीकर साहब, प्वायंट आफ आर्डर की आड़ में डाक्टर साहब तो कोई न कोई बहाना लगाकर भाशण देना भुरू कर देते है। डाक्टर साहब ने कहा कि मैने किसी मंत्री का नाम नहीं लिया है। यह बडे ही हाि ायार आदमी है। जो बार बार रायपुर रानी का नाम लेकर के कह रहें हैं इसका मतलब यह साफ है कि यह मामला किसी न किसी मंत्री से ही संम्बधित हैं फिर कह रहें है। कि मंत्री का नाम नहीं ले रहे । अखबारों मे जो छपता हैं वह सैन्ट परसैन्ट ठीक नहीं होता(ाोर एवं व्यवधान)

श्री मंगल सैन: स्पीकर साहब, मै तो आपकी परमि ान से बोल रहा हूं लेकिन कर्नल साहब किस की आज्ञा से यहां हाउस में भाशण दे रहे हैं। (ाोर एवं व्यवधान)

कर्नल राव राम सिंह: स्पीकर साहब, हम आपकी रूलिंग चाहते है। कि क्या कोई मैम्बर इस तरह प्वायंट आफ आर्डर की आड़ लेकर यहां पर भाशण दे सकता है? डाक्टर साहब की यह पुरानी आदत हैं कि वे एक एक मिनट के बाद बोलने के लिये खडे हो जाते है। जिस से दूसरे मैम्बर साहेबान को बोलने का समय नही मिलता है।(ाोर एवं व्यवधान)

श्री मंगल सैन: स्पीकर साहब, मै आपकी परमि ान से बोलने के लिये खड़ा हुआ हूं आप इन्हें कहें कि ये बैठ जायें (ाोर एवं विघ्न) मै अपने साथी कर्नल राव राम सिहं जी के

चार्जिज को रिफूट करता हूं कि मुझे प्वांयट आफ आर्डर का बहाना बनाकर बार बार बोलने की आदत है।

श्री अध्यक्षः आनरेबल मैम्बर्ज अगर किसी ने मेरी रूलिंग को मेरी आबजरवेसन को मेरे आर्डज को डिस–ओबे करने की कोि ा ा की तो मै उसके खिलाफ स्टर्न एकशन लूंगा।

श्री मंगल सैनः अध्यक्ष महोदय, मै इस बारे में आपकी रूलिंग चाहूंगा कि क्या किसी माननीय मंत्री महोदय को किसी सदस्य के बारे में इस तरह के अमर्यादित भाब्द कहने चाहिऐ जिस तरह के भाब्द कर्नल राव राम सिंह जी ने प्रयोग किये है?

श्री निहाल सिंहः स्पीकर साहब, मै एक बात सरकार के नोटिस में लाना चाहता हूं कि नारनौल मे एक गवर्नमैट कालेज है वह एक पिछड़ा हुआ इलाका हैं वहां के कालेज मे आजकल जियालोजी की क्लासिज लगती है। ि ाक्षा विभाग से एक सर्कुलर अब वहां पर गया है। कि उन क्लासिज को नारनौल से रोहतक ले जाया जा रहा है। हमारा निवेदन यह हैं कि अगर रोहतक मे इस तरह की क्लासिज खोलनी है तो बे ाक खोली जाये हमें इस का कोई ऐतराज नहीं है। लेकिन नारनौल के गवर्नमैट कालेज मे जो जियालोजी की क्जासिज है। उनको वहां से ि ाप्ट न किया जाये। वहां पर लेबोटरी बनी हुई है सारा सामान वहां पर पहले से ही मौजूद है। अगर हमारी इस प्रार्थना पर सरकार न विचार न किया या अगर नारनोल गवर्नमैट कालेज से ये क्लासिज ि ाप्ट की गयी

तो हम महेन्द्रगढ़ जिले के सारे के सारे एम0 एल0 एज0 आपकी और मुख्यमंत्री महोदय की कोठियों पर धरना देगें। लोगों की ग्रीवैन्सिज को मैनें यहां हाउस के सामने रखा है।

श्री अध्यक्ष: भागी राम जी, आपका यह काल अटैन ान मो ान मेरे पास नहीं पहुंचा। जब मेरे पास आयेगा तब मै इसको कंसिडर करूंगा।

श्री हीरा नन्द आर्य: स्पीकर साहब, प्रताप सिंह कांड के बारे मै मुख्य मंत्री महोदय ने 15 तारीख को हाउस में कहा था कि मैं 19 तारीख को इस बारे में स्टेटमैन्ट दूंगा। कल वे किसी वजह से स्टेटमैन्ट नही दे पाए। क्या अब वे इस बारे में स्टेटमैन्ट देगे?

चौधरी भजन लाल: स्पीकर साहब, गवर्नर अड्रैस पर बोलते हुए मै उस बात का जवाब दूंगा।

श्री हीरा नन्द आर्य: स्पीकर साहब, किताब सिंह मलिक की मारपीट के बारे में एक मामला आपके नोटिस में लाया गया था उस बारे में क्या कार्यवाही हुई हैं?

श्री अध्यक्ष: आर्य जी किताब सिंह मलिक खुद यहां पर बैठे हैं वे अपने बारे में खुद पूछ सकते है।

श्री हीरा नन्द आर्य: अध्यक्ष महोदय, सांपला रैस्ट हाउस मे एक महिला टीचर के साथ रेप किया गया था ओर उस केस की

जांच के लिये हमारे हाउस की एक वन मैन कमेटी बनायी गयी थी उस वन मैन कमेटी ने अपनी रिपोर्ट पे ा कर दी या नही?

श्री अध्यक्ष: आप इसके लिए कोई नोटिस दे।

प्रो0 सम्पत सिंह: स्पीकर साहब, मैने भी एक काल अटैन्सन मोसन दी थी जोकि हिसार में लाईफं स्टाफ फार्म के साथ पड़ी जमीन के बारे में थी वह जमीन 32 एकड़ के लगभग है जिसकी मार्किट प्राईस इस वक्त 400 रूपये गज के हिसाब से हैं लेकिन वही जमीन इस सरकार ने 25 गज के हिसाब से किसी गजेटिड अफसरों की सोसायटी को दी है। यह मो ान मैने आज सुबह ही दिया है।

श्री अध्यक्ष: सम्पत सिंह जी, वह आपका काल अटैन्सन मो ान अभी मुझे नहीं मिला जब मिलेगा तो मै कंसिडर करूंगा।

श्री फतेह चन्द विज: अध्यक्ष महोदय, मैने भी पानीपत में बम विस्फोंट के बारे में एक काल अटै ान मो ान दिया था उसका क्या बना है?

श्री अध्यक्ष: विज साहब, मैनें टवैन्टी फोर आवर्ज में उस बारे मैं सरकार से कमैन्ट्स मांगे है। कमैन्ट्स आने पर मैं बताऊंगा।

ध्यानकर्शण प्रस्ताव

राज्य में कानून तथा व्यवस्था की तेजी से बिगड़ती हुई स्थिति तथा करनाल के समीप श्री वेदपाल, उपाध्यक्ष विधान सभा, पर कातालाना हमले सम्बधी

श्री अध्यक्ष: मैम्बर साहेबान, मुझे श्रीमती चन्दावती सर्वश्री मंगलसैन, ओम प्रका ा बेरी, वीरेन्द्र सिंह, सम्पत सिंह, भागी राम और राम बिलास भार्मा जी की और से स्टेट में फास्ट डिटेरीओरेटिंग ला एण्ड आर्डर सिचुऐ ान ओर श्री वेदपाल डिप्टी स्पीकर पर मर्डरस असाट वगैरह के बारे में काल अटैन्सन के नोटिसीज मिले है। मै उन को एडमिट करता हूं ।

श्रीमती चन्दावती कृपया अपना नोटिस पढ़ दे और मिनिस्टर साहब अपनी स्टेटमैन्टस यदि देना चाहे हो दे दे।

श्रीमती चन्दावती: अध्यक्ष महोदय, मै सरकार का ध्यान एक अत्याव यक लोक महत्व के विशय की ओर दिलाना चाहती हूं कि राज्य में कानून तथा व्यवस्था की स्थिति ठीक नहीं है। माननीय उपाध्यक्ष महोदय पर कातलाना हमला किया गया तथा कार चालक की हत्या कर दी गयी। कातिल अभी तक पकडे नहीं गये हैं यह बड़ा गम्भीर मामला है।

श्री मंगल सैन: स्पीकर साहब, मै सरकार का ध्यान एक अत्याव यक लोक महत्व के विशय की और दिलाना चाहता हूं कि करनाल के निकट हरियाणा विधान सभा के उपाध्यक्ष श्री वेद पाल जी पर कातलाना हमला किया गया जिसके परिमाणस्वरूप उनके

कार चालक की मृत्यु हो गयी तथा गनमैन सख्त घायल हो गया । श्री वेद पाल जी बाल बाल बच गए। यह लोक हित में महत्वपूर्ण मामला हैं तथा हाल ही का है ।

चौधरी ओमप्रका ा: स्पीकर साहब, मैं भी अपना मो ान पढ़ दूं।

श्री अध्यक्ष: सभी मैम्बर्ज को पढ़ने की आव यकता नहीं है। बाकी पढ़ी हुई समझी जायेगी।

Shri Om Parkash: I want to draw the attention of the Government towards a matter of urgent public importancethat fast deteriorating law and order situation is prevailing in the State. Even the public representatives do not feel safe in the present dismal situation of law and order in the State. On 9-3-1984 at about 8.30 P.M. a murderous attempt was made on the lives of the two Hon'ble Members of this August House, namely Shri Ved Pal Ji, Deputy Speaker and Smt. Shanit Devi, M.L.A. on G.T. Road near Madhuban in which the driver was killed and the gunman was seriously injured and Smt. Shanti Devi, M.L.A. suffered multiple injuries. The situation becomes all the more serious when two altogether different versions come regarding this serious matter. According to the version of the Hon'ble Deputy Speaker, this terrorists and extremists are responsible for this heineous crime. Whatever may be the cause or reason reason the matter is very serious andis of urgent unsafe. Only the judicial enquiry made by an impartial independent and honest judge can reveal the true facts a about the serious incident.

What are the effective steps the State Government intends to take for the safety of its citizens in the present situation? The Home Minister should be asked to make the statement in the House regarding this serious matter which is of urgent public importance.

Shri Mangal Sein: I want to draw the attention of the Government towards a matter of urgent public importance that last night the extremists tried to blow up a passenger train by placing a bomp on the rail track near Kalanwali, district Sirsa. From this tragic incident the train had a narrow escape as it had crossed the spot a few minutes before, The extremists had attacked Dr. Bhim Sein Sharma, General Secretary, Bhartiya Janta Yuya Morcha at Kalanwali Mandi some days before but he hada narrow escape.

The extremists are active in killings and blowing up the trains especially in district Sirsa and generally in other districts. The people of whole of the State are terror stricken and an atmosphere of panic is prevailing in whole of the State. Through this calling attention motion I want to draw the attention of the Government towards this serious and explosive situation and insist upon the Government to clarify its position after making a statement in the House.

Sarvshri Verender Singh, Sampat Singh and Bhagi Ram: we want to draw the attention of the Government towards a matter of urgent public importance that terrorists activities are on increase since last week in Haryana State. On Friday night the Deputy Speaker of Haryana Vidhan Sabha and on Hon'ble Smt. Shanti Devi were attacked by terrorists and they escaped by grace of God. None of the assailants has

been arrested so far. On Sunday night an attempt was made to blow up the train near Kalanwali. Even the Hon'ble Speaker has not been spared and his house has been attacked in Karnal. Life has become risky and nobody is safe, People of Haryana are living in constant grip of fear. No visible efforts are being made on the part of the Government to curtail these activities. It is a matter of great public importance and people throughout Haryana are feeling agitated.

Shri. Ram Bilas Sharma: I want to draw the attention of the Government towards a matter of urgent public importance that the law and order situation in the State is not good. Even the high dignatories i.e. Hon'ble Speaker's house is allegedly damaged, Hon'ble Deputy Speaker is attacked with one Congress I lady legislator Smt. Shanti Devi had a narrow escape. The activities of terrorists have threatened the peaceful life of the public rather the public tranquality and peace has been breached.

मुंख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, इस बारे में हम कल ब्यान देगे।

श्री अध्यक्ष: इस बारे में मैं यह सजैक्ट करूंगा कि कल की बजाय आप इसका जवाब 30 तारीख के बाद दे दें क्योकि ये 7–8 काल अटैन्सन मोसंज है। और इन पर घंटा या डेंढ़ घंटा जरूर लग जायेगा।

चौधरी भजन लाल: ठीक हैं जी।

श्रीमती चन्द्रावती: स्पीकर साहब, आन दि फलोर आफ दि हाउस पेपर ले डाउन के बारे में मेरा एक सबस्टांटिव मो ान है। आप कृपया इस पर डिस्कस का मोका नियुक्त करे।

श्री अध्यक्ष: ठीक हैं आप बैठिए।

वक्तव्य–

राजस्व राज्य मंत्री द्वारा राज्य में ओलावृश्टि तथा भीत लहर से फसलों की हुई क्षति संबंधी

श्री अध्यक्ष: आनरेबल मैम्बर्ज 19–3–84 के राजस्व राज्य मिनिस्टर साहब ने सर्वश्री राम बिलास भार्मा, हीरा नन्द आर्य, नर सिंह, हुक्म सिंह, श्रीमती चन्द्रावती सर्वश्री ओम प्रका ा, भीगी राम, धीर पाल सिंह, सम्पत सिंह और बलबीर सिंह गेवाल के काल अटैन्सन मोसन्ज पर आज स्टेटमैट देने के लिये कहा था। वे कृप्या अपनी स्टेटमैट दे दें।

राजस्व राज्य मंत्री (श्री लक्षमण दास अरोड़ा): यह सरकार खरीफ 1983 की कपास की फसल को हानि तथा रबी 1983–84 की फसलों को भीत लहर तथा ओलावृश्टि से हुई हानि के बारे में आदरयणीय सदस्यों द्वारा द ार्यी गई उत्सुकता में पूर्णतया उनके साथ है। जहां तक कपास की फसल का संबंध है खरीफ 1983 में लगभग 4 लाख हैक्टेयर मे यह फसल थी जिसमें से 3.19 लाख हैक्टेयर हिसार तथा सिरसा जिलों मे ही थी। फसल की बिजाई के समय मौसम अनूकुल था लेकिन दुर्भाग्यवं ा

सितम्बर तथा अक्तूबर 1983 में पूर्वी हवाओं तथा आका ा में बादल छाये रहने के फलस्वरूप पौधा में वनस्पातिक उत्पति ज्यादा बढ गई तथा फसल को कीड़ा अधिक लग गया। कपास की उपज 8.5 लाख गांठों से एकदम घटकर लगभग 5 लाख गांठ रह गई । रूपयों में अनुमानित हानि 79 करोड़ है।

यह कहना गलत है कि कपास की फसल को यह हानि नकली कीटना ाक दवाईयां घटिया खाद अथवा घटिया किस्म के बीजो से हुई। यह सब को मालूम हैं कि कपास की फसल को पंजाब तथा हरियाणा दोनों राज्यों में हानि पहुची। यदि खराब खाद एवं बीज से हानि हुई होती तो यह किसी वि ोश जगह पर ही होती न कि सम्पूर्ण प्रदे ा मे होती। कपास के बीज की सप्लाई हरियाणा बीज विकास निगम तथा अन्य उत्पादको के माध्यम से की गई थी तथा अन्त में हरियाणा बीज प्रमाणिक एजैन्सी द्वारा इसे प्रमाणित किया गया था। फसल को कीडों की बीमारी का मुकाबला करने के लिए लगभग 53000 हैक्टेयर कपास की फसल को हवाई छिड़काव किया गया था तथा भोश क्षेत्र में भूमि छिड़काव किया गया । खादों की किस्म को जिलों में सम्बन्धित क्वालिअी स्टाफ द्वारा भी भली प्रकार चैक किया गया था। इसलिये यह कहना ठीक न होगा कि कपास की फसलों को हानि खराब बीज तथा खाद के कारण हुई।

हमने केन्द्रीय सरकार से पुरजोर अनुरोध किया है। कि पंजाब के कपास उत्पादकों को दी जाये। सहायता की तरह

हरियाणा के कपास उत्पादको को भी सहायता उपलब्ध की जाय। कृशि मन्त्रालय को एक विस्तृत ज्ञापन भेजा गया हें जिसमें कुल 31.26 करोड़ रूपये की सहायता की मांग की गई है। हमने किसानों को मुआवजा देने हेतु ओर अगली फसल के लिये सस्ती दरों पर खाद एव बीज उपलब्ध कराने, हवाई तथा भूमि छिड़काव के लिये दवाइयां देने, छिडकाव पम्पों पर रियायत देने इत्यादि लिये सहायता मांगी है। हमें पूर्ण आ ा है। कि हमारी प्रार्थना पर सहानुभूतिपूर्वक विचार किया जायेगा तथा हमें इस कार्य के लिये पर्याप्त सहायता केन्द्रीय सरकार से मिलेगी।

हम इस बारे में भी पूर्ण जागरूक हैं कि 1983–84 की रबी फसलों को हाल ही की भाीत लहर से काफी हानि हुई हैं चना तिलहन की फसलें बुरी तरह से प्रभावित हुई हैं। चाहें प्रभावित जिले हैं जींद, सिरसा, हिसार, भिवानी, महेन्द्रगढ़ तथा रोहतक। चाहे अधिक नहीं, परन्तु गेंहूं की फसल को भी हानि पहुंची है। चने और सरसों की फसल को हुई हानि की मात्रा एक जिले से दूसरे जिले में भिन्न है। जो सिंचाई सुविधायों तथा क्षेत्र की स्थिति पर निर्भर हैं देर से बोई हुई सरसों की फसल जल्दी बोई गई फसल से कम प्रभावित हुई है। भिवानी तथा महेन्द्रगढ़ जिलों मै जो वर्शा पर आश्रित हैं अन्यन्त हानि हुई हे।

जहां तक ओलावृश्टि का संबंध हैं जीन्द, सिरसा, कुरूक्षेत्र ओर करनाल जिलों से फसलों को हुई हानि की सूचना मिली हैं । जींद जिला में 3 गांव 2000 फसली एकड़ सिरसा के

14 गांव 10000 फसली एकड़ कुरूक्षेत्र जिला के 64 गांव 21.111 एकड़ तथा करनाल जिला के 23 गांवा 2150 एकड़ ओलावृश्टि से प्रभावित हुए है। यह हानि केवल अनुमानित आकडे हैं तथा वास्तविक स्थिति का पता केवल गिरदावरी पूर्ण होने पर ही लगेगा।

सम्पूर्ण राज्य मे गिरदावरी जोरो से चल रही है। तथा इसके पूर्ण होने पर पूरी हानि को विवरण ज्ञात हो सकेगा। सभी क्षेत्रों में भूमि जोतकर तथा आबियाना की मुआफी निधार्रित दरों के अनुसार दी जायेगीं ओर जो भी सहायता जैसे तकाबी, कर्जो (सहकारी व अन्य कर्जो) की वसूली का स्थगन बीज खाद का अगली फसलों के लिये उपलब्धता करना इत्यादि हानि की स्थिति ज्ञात होने पर दी जायेगी।

हमें किसानों पर आई इस आपदा पद बहुत चिन्ता है वि ोशकर कपास चने तथा सरसों वाले क्षेत्रों में ओर हमारी सहानुभूति उनके साथ है। हमने कपास उत्पादको का मामला पहले ही केन्दीय सरकार को सहायता उपलब्ध कराने हेतु भेजा हुआ है। तथा गिरदावरी के पूर्ण होने पर रबी फसलों की हुई हानि का मामला भी उनको भेजा जायेगा। मै सदन के आदरणीय सदस्यों को यह वि वास दिलाता हूं कि सम्पूर्ण राज्य में प्रभावित किसानों को अधिक से अधिक सम्भव सहायता देने मे कोई कसर बाकीनहीं छोड़ी जायेगी।

11.00 बजे

श्री राम बिलास भार्मा: स्पीकर साहब, हमारे ध्यानकर्शण प्रस्ताव का जवाब सरकार की तरफ से दिया गया है। ओर मंत्री महोदय ने यह स्वीकार किया हैं कि महेन्द्रगढ़ ओर भिवानी जिलों में सबसे ज्यादा सरसों की फसल को नुकसान हुआ है। ओर चने की फसल का भी काफी नुकसान हुआ है। स्पीकर साहब, सरसोकी फसल आने वाले दस दिनों में कट जायेगी। लेकिन मंत्री जी ने यह फरमाया कि सरकार सरसों की फसल की गिरदावरी वाहफुटिंग पर करवा रही है। स्पीकर साहब, 10 दिन मे सरसो की गिरदावरी कैसे हो सकती है। और सरकार को यह कैसे मालूम होगा कि किस किसान की सरसों की फसल कितने परसैन्ट खराब हुई हैं इसके अलावा मंत्री जी ने कहा कि हम किसानेां का आबियाना माफ करेगे। स्पीकर साहब, आबियाने का मतलब सिचाई से है। और महेन्द्रगढ़ तथा भिवानी जिलों में ट्यूबवैल से सिचाई होती है। में मत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि जो आबियाना माफ किया जाएगा । क्या उसमें बिजली के बिल भी भामिल किए जाऐगं यानी बिजली के बिल के पैसे भी माफ किए जायेगे?

श्री लक्षमण दास अरोड़ा: स्पीकर साहब, माननीय सदस्य ने यह कहा हैं कि सरसो की फसल 10 दिन के अन्दर कट जायेगी सरकार को उसके नुकसान की जानकारी कैसे होगी। इस बारे में मै अपने फाजिल दोस्त को बताना चाहूंगा कि पिछली 11 तारीख से फसलों की गिरदावरी भुरू हो चुकी है। और मैं यह भी बताना

देना चाहता हूं कि सरसो की कटाई से पहले गिरदावरी कप्लीट कर ली जायेगी तथा सरसों मे जो नुकसान हुआ है। उसके अंकडे हमारे सामने आ जायेगे इसके अलावा इन्होनें यह पूछा है कि जो आबियाना माफ करेगे क्या उसमें बिजली के बिल भी भामिल किये जायेगे। मै समझता हूं कि आबियाना में बिजली के बिल के पैसे जोंड कर माफ करने वाली बात नहीं हैं केवल रेवेन्यू माफ किया जाऐगा।

श्री हीरा नन्द आर्य: स्पीकर साहब, मंत्री जी ने ध्यानाकर्शण प्रस्ताव के जवाब में यह कहा है कि केन्द्रीय सरकार से हमने पुरजोर अुनरोध किया है कि पंजाब के कपास उत्पादकों को दी गई सहायता की तरह हरियाणा के कपास उत्पादकों को भी सहायता उपलब्ध की जाये। मैं इनसे यह जानना चाहता हूं कि क्या आपने यह अनुरोध केन्द्रीय सरकार से उस वक्त किया था जिस वक्त केन्द्रीय कृंशी मंत्री ने अखबार में यह ब्यान दिया कि हरियाणा सरकार ने कपास के सिलसिले में हमारे से कोई मांग ही नहीं की । इसके साथ ही मै यह कहना चाहता हूं कि जो लड रेवेन्यू एक्ट हैं जिसके तहत आबियाना माफ किया जाता था। वह ऐक्ट बहुत पुराना बना हुआ हैं जिस वक्त यह ऐक्ट बनाया गया था उस समय टयूबवैल जैसे सिचाई के साधन उपलब्ध नहीं थे। इस वक्त किसानो को सिचाई के जो नए साधन दिए गयें है। उसमें टयूब्वैल से सिचाई करने पर बहुत खर्च करना पड़ता है। अध्यक्ष महोदय, आप जानते है कि किस प्रकार की आपति आई

ओर सरकार ने नहरों से सिचाई होने वाले इलाको के किसानों को कुछ सुविधाए दी हैं और उसका आबियाना भी माफ कर दिया गयां हैं। मैं आपके द्वारा मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि जिन इलाको में टयूबव्ल्ज से खेती की सिचाई होती है। ओर जो खास करके रेतीले इलाके हैं उन इलाको में भी क्या सरकार किसानो को नहरी पानी से सिचाई होने वाले इलाकों की तरह कोई सुविधा देने के लिए विचार करेगी।

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, आर्य साहब ने कपास के उत्पादको को सहायता देने के बारे में पूछा है। मैने इस बारे मे पहले भी बताया था कि ज्यों ही कपास की फसल खराब हुई थी हमने उसी वक्त भारत सरकार को लिखा था और रीमाइडर भी दिया था इसके अलावा हमने प्रधान मंत्री जी को भी चिट्ठी लिखी थी कि जेसे आपने पंजाब के कपास उत्पादको को 10 करोड रूपये की सहायता दी है उसी तरह से हरियाणा के कपास उत्पादको को सहायता दी जाये ताकि हरियाणा के किसानों को जो दो तरह के लोन दिए जाते हैं एक भाार्ट टर्म लोन और दूसरा मीडीयम टर्म लोन इसमे सहायता मिल सके। भाार्ट टर्म लोन की मीडीयम टर्म लोन कर दिया जाये। ओर मीडीयम टर्म लोन को लोग टर्म लोन कर दिया जाये। ऐसा करने से किसानों की काफी सहायता हो सकेगी। इस बारे में मैने बाकायदा प्रधान मंत्री जी को पत्र लिखा था जहां तक इन्होने यह कहा है कि कृशि मंत्री जी ने यह कह दिया कि हरियाणा सरकार की तरफ से कपास के बारे में

हमारे पास कोई मांग नहीं है। पता नहीं यह बात अखबार में कहां से आ गई हमने उसी वक्त उनको चिट्ठी लिखी थी और मैने हमारे कृशि मंत्री राव बीरेन्द्र सिहं जी से तीन दफा इस बारे में बात की है। उन्होनै मुझे यह कहा था कि हम इसे मामले को देख रहे है। उन्होने मुझे पूरा आ वासन दिया था कि हम आपके केस के बारे मै सहानुभूति पूर्वक विचार कर रहे है। ओर जितनी सहायता कर सकते हैं उतनी जरूर करेगे। जहां तक एक माननीय सदस्य ने यह कहा हैं कि बिजली के बिल माफ कर दिये जाये। इस बारे में मै उनको बताना चाहूंगा कि बिजली के बिलों की वसूली के लिए बाकायदा कानून बना हुआ है। अध्यक्ष महोदय, जो फसल नश्ट हो जाती हैं उसका आबियाना माफ करने के लिए कानून हें लेकिन बिजली केबिल माफ करने का कोई का कोई कानून नहीं है। यह सरकार किसानों की सहायता करने के लिए हर वक्त सोचती रहती हे। जहां तक माननीय सदस्यों ने कपास की फसल नश्ट होने के बारे में कहा हैं मै उनको बताना चाहता हूं कि हमने इसीलिए आबियाना कतई तौर पर माफ नही किया आबियाना माफ करने से सरकारी खजाने पर चार करोड़ रूपये का अतिरिक्त बोझ पडा है। हमने कपास की फसलज नश्ट होने पर किसनों की चार करोड़ रूपये की मदद की हैं जहां तक टयूब्वैल की बिजली के बिलों का सवाल हैं उस बारे में मै यह कहना चाहता हूं कि वे माफ नहीं किए जा सकते। इसके अलावा माननीय सदस्य के यह कहा है कि महेंन्द्रगढ़ और भिवानी जिलों में नहर का पानी बिल्कुल नहीं लगता है। उन जिलों में भी नहरी पानी से

सिचाई होती है। यह हो सकता हैं कि दूसरे इलोकें की बजाय उन जिलों मे नहरी पानी कम जाता हो लेकिन जहां भी नहरी पानी से सिचाई होती है। हम सारीर बात को देख रहे है। और कायदे कानून के हिसाब से उन इलाकों मे जितनी भी रियायत हों सकती हैं वह करेगे।

चौधरी हुक्म सिहं फोगट: स्पीकर साहब, मंत्री जी ने बताया कि पिछली 11 तारीख से गिरदावरी भुरू हो चुकी है। गिरदावरी तो जनरली जिस तरह से होती हे। उसी हिसाब स हो रही है। मंत्री जी से यह भी माना हैं कि भिवानी जिले मै सारा बरानी इलाका हैं और वहां पर सरसों ओर चने की फसल को अधिक हानि पहुची हैं स्पीकर साहब, पटवारी गिरदावरी करते समय बहुत हेंराफेरी होती है। यदि कोई किसान उनको पैसा दे देते है। तो उनके खेतो की गिरदावरी करते वक्त फसल का खराबा दिखा देते है। वरना नहीं दिखाते। मै आपके द्वारा मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि क्या सरकार गिरदावरी के लिये कोई स्पै ाल प्रबनध करेगी ताकि पटवारी किसानों की फसलें की गिरदावरी ठीक ढ़ग से करे। जो बरानी इलाके हैं वहां पर तो कम से कम गिरदावरी ठीक ढंग से होनी चाहिए।

श्री लक्षमण दास अरोड़ा: स्पीकर साहब, गिरदावरी के लिए सरकार ने ठीक ढंग से प्रबन्ध किया हुआ हैं जिस गांव में भी पटवारी गिरदावरी भुरू करता है। उस गांव के संरपच और नम्बरदार को पहले इतलाह कर देता हैं कि मैं गिरदावरी भुरू कर

रहा हूं। इसके अलावा यदि माननीय सदस्य के नोटिस में यह बात हैं कि उनके इलाके मे गिरदावरी भुरू हो तो वे अपने आदमियों को कहें कि वे पटवारी के साथ जांय।

चौधरी हुक्म सिहं फोगट: स्पीकर साहब, यह कहां तक मुनासिब हो सकता हैं कि हम गांवों मे जा कर लोगों को यह कहे कि आप पटवारी के साथ जा कर गिरदावरी करवा ले। (ाोर)

श्री अध्यक्ष: आप ि ाकायत लिख करके इनके पास भेज दे ये जरूर एक ान लेगे।

श्री लक्षमण दास अरोड़ा: स्पीकर साहब, यदि माननीय सदस्य को यह एतराज हैं कि पटवारी गिरदावरी मैं हेराफेरी करते हैं तो वे उनके साथ अपने आदमियों को भेज दे। ये कैसे कह रहे हैं कि गिरदावारी गलत हो रही हैं हम कहते है कि गिरदावरी बिल्कुल ठीक है।

श्री नर सिहं ढांडा: अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने बताया कि ओलावृश्टि से फसल को जो नुकसान होता हैं उसक मुआवजा किसानों को मिलता हैं ओर वह मिलता रहेगा। अध्यक्ष महोदय, भीत लहर से चने की फसल हरियाणा में बरबाद होती जा रही है। मुझे ऐसा लगता हैं कि यदि यही हालात रही तो चने की फसल हरियाणा में बिल्कुल खत्म हो जायेगी। मैं आपके द्वारा मंत्री जी ने यह जानना चाहता हूं कि क्या सरकार एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी से या किसी एक्सपर्ट से इस फसल की भीत लहर से

बचाने के लिए कोई रिसर्च करवायेगी ताकि हरियाणा से चने की फसल खत्म न हो?

चौधरी भजन लाल: भीत लहर का क्या इलाज हो सकता हैं यदि सर्दी से फसल खराब हो जाती हैं तो एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी और एक्सपर्ट क्या कर सकते है। भीत लहर से खराब हुई फसल का मुआवजा देना भी मुनासिब नही हैं क्योकि इस बात के लिए हमारा बजट भी इजाजत नही देता है। जहां तक चने की फसल खराब होने का ताल्लुक हैं यूनिवर्सिटी बीज बनाती हैं अभी तक उसने ऐसा कोई बीज नहीं तैयार किया है। जिसको सर्दी न लगे।

श्री नर सिंह ढांडा: अध्यक्ष महोदय, इस तरह से भी तो हो सकता हैं कि जमीन मे खाद की कमी हो या किसी दूसरी बीज की कमी हो सके हो जिसकी चने की फसल खराब हो जाती है उसके बारे में तो एग्रीकलचर या किसी एक्सपर्ट से एग्जामिन करवाया जा सकता है।

श्री अध्यक्ष: चने की फसल के मुतालिक मैं अच्छी तरह से जानता हूं जैसे जैसे मोसम बदलता हैं ओर पानी का तरीका बदलता हैं उसके हिसाब से चने की फसल कम होती जा रही है। करनाल में 50–50 पन प्रति एकड़ के हिसाब से चना पैदा हुआ करता था लेकिन आज कल नहीं होता है। मैं यह बात काफी दिन पहले की बता रहां हूं । करनाल के ऊपर की साईड में एक

एकड़ में 50 मन चना पैदा होता था लेकिन इस समच एक मन प्रति एकड़ के हिसाब से भी नहीं हो रहा है। मैं भी ए एग्रीकलचर मिनिस्टर टाई करता रहा हूं दिल्ली में भ एग्रीकलचर के बारे में एक कांफ्रैस हुई थी मैने उस कांफैस मे भी इस बात का जिक्र किया था यह किसी के बस की बात नहीं हैं कि चने की फसल क्यो खराब हो रहीं है।

श्री नर सिहं ढांडा: अध्यक्ष महोदय, जिस जिस जगह पर चने की फसल के लिए खाद भेजा गया हैं वहां पर चने की फसल बहुत अच्छी हुई है। लेकिन जहां पर खाद नही हैं वहां पर बिल्कुल खराब हो गई।

चौधरी भजन लाल: स्पीकर साहब, चना खाद को तो बिल्कुल नही मानता । यदि चने की फसल में खाद डाल दी जाये तो फसल नश्ट हो जाती हैं चने का और खाद का कोई मेल नहीं हैं। जिस जमीन में खाद डाल दी जाये उस जमीन में चने की फसल नहीं हो सकती।

श्रीमती चन्द्रावती: स्पीकर साहब, मंत्री जी ने अपने जवाब में बताया हैं कि भिवानी और कुरूक्षेत्र के इलाकों मे सरसो की फसल बहुत मात्रा मे बोई जाती है। क्योकि बाढडा हल्का बारानी इलाका है। इसीलिये वहां पर सबसे ज्यादा सरसें ही बोई जाती है। मेरे हल्के मे सरसों की फसल बिल्कुल खत्म हो जाती हैं मैं सरकार से प्रार्थना करूगी कि वहां के किसानों ने जो कर्ज

लिया हुआ हैं यदि सरकार उस कर्ज की दो किस्ते माफ कर दे तो उन किसानेां का भला हो सकता है ओर राहत भी मिल सकती हैं जनाब स्पीकर साहब, वहां पर सारी सरसों का पानी हो गया हें उसकेां कोई प ा भी नही खा सकता हैं बिल्कुल सड़ने लग गई है। सारी फसल में बदबू आ रही हैं उस फसल का कुछ भी नही बन सकता। इसीलिये मै सरकार से प्रार्थना करती हूं कि अगर सरकार वहां के किसानेां ने जो कर्जा लिया हुआ है। उसकी दो किस्तों माफ कर दे तो उनका वहां के किसानेां ने जो कर्जा लिया हुआ हैं उसकी दो किस्ते माफ कर दें। उनका काम चल सकता हैं दो किस्ते माफ कर देने से सरकार को कोई बहुत ज्यादा घाटा भी नहीं होने वाला है। एक सवाल मैं यह भी पूछा गया था कि 7 लाख रूपयें की स्टें ानरी का गबन हैं मै आपके द्वारा मुख्य मंत्री जी से यह रिक्वैस्ट करना चाहती हूं कि यदि वे कर्ज की दो किस्ते माफ कर दे तो मैं उनकी बात भाुक्रगुजार हूंगीं।

चौधरी भजन लाल: अध्यक्ष महोदय, कर्जा माफ करना संभव नहीं हैं जहां पर फसल खराब हुई है। वहां पर हमने डिप्टी कमि ानर्ज को आदें ा दिऐ हैं । स्पे ाल गिरदावरी करके रिपोर्ट सरकार को भेज ताकि जो वसूली किसानों से करनी हैं वह रोकी जा सके।

चौधरी ओम प्रका ा: जैसा कि अभी मुख्य मंत्री जी ने बताया है कि पंजाब सरकार को भारत सरकार ने 10 करोड़ रूपया कपास की फसल मं हुए नुकसान के लिए दिया हैं यह पैसा भारत

सरकार ने पंजाब सरकार को लोन के रूप में दिया है। मैं मुख्य मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि क्या हरियाणा सरकार भी केन्दींय सरकार से ऐसा लोन लेकर जिन किसानेो की कपास की फसल खराब हुइ है सहायता करेगी? दूसरी बात यह हैं कि रोहतक जिले में 1983 की दोनों फसले खराब हो गयी। पहली फसल तो बाढ़ की वजह से खराब हो गयी है। और दूसरी फसल चने तथा सरसों की भीत लहर की वजह से खराब हो गयी हैं क्या इन किसानों को सहायता दिए जाने पर सरकार सहानुभूतिपर्वूक विचार करेगी।

चौधरी भजन लाल: स्पीकर साहब, हमने भारत सरकार से 31 करोड़ रूपये से ज्यादा कुछ पैसा मांगा हैं यदि वहां से हमें पैसा मिल जाता हैं तो हम किसानेों को जरूर देगे। भारत सरकार ने पंजाब सरकार को लोन तो दिया हैं यदि पंजाब सरकार ने अपनी तरफ से किसानों को कुछ पैसा दिया हो तो हमें पता नहीं है। फिर भी हमने 150 रूपया पर एकड़ के हिसाब से मुआवजा देने के लिए भारत सरकार को लिखा हुआ हैं यदि वहां से पैसा आ जायेगा तो किसानेां की मदद जरूर की जायेगी।

श्री भागी राम: अध्यक्ष महोदय, सिरसा जिले में बरानी जमीन बहुत ज्यादा हैं इस इलाके में चने की फसल के सिवाए और कोई फसल नहीं होती । क्या मंत्री जी बताएंगे कि भीत लहर की वजह से या दूसरी वजह से सिरसा जिले में चने की फसल को कितने परसेन्ट नुकसान हुआ हैं चुकि एगीकलचर

डिमार्टमैट ने चने की फसल में नुकसान के बारे में कोई रिपोर्ट भेजी है दूसरा सवाल मेरा यह हैं कि अभी मास्टर हुक्म सिंह जी ने कहा कि जो किसान पटवारियो को पेसा दे देते है उनका नुकसान पटवारी 50 परसेन्ट से 80 परसेन्ट के बीच में लिख देते हैं और जो किसान पैसा नही देते उनका नुकसान ठीक दर्ज नही किया जाता क्या इस तरफ भी सरकार ध्यान देगी?

श्री अध्यक्ष: मास्टर हुक्म सिंह जी ने यह बात बहुत जोर से कही हैं आप उसे क्यो रपीट कर रहे है।

श्री लक्षमण दास अरोड़ा: गिरदावरी करते समय लोगों का खुद का अपना इन्ट्रैस्ट हैं वे मोके पर पटवारी के साथ जांये और अपना ठीक नुकसान लिखवाये। यदि कोई पटवारी ठीक खराबा दर्ज नहीं करता तो उसकी ि ाकायत की जायं। यदि कोई ि ाकायत आयेगी तो उस पर जरूर एकसन लिया जायेगा इसके अलावा मैं बताना चाहूंगा कि डिपार्टमैट की तरफ से कोई रिपोर्ट नहीं आई।

चौधरी धीरपाल सिंह: स्पीकर साहब, रोहतक जिले में बाढ़ की वजह से और भीत लहर की वजह से दो बार फसलें को नुकसान पहुंचा हैं पिछले महीने 20–22 तारीख को रोहतक जिले के अन्दर भीत लहर की वजह से ही गेंहू, चने ओर सरसों की फसल नश्ट हो गयी । लोगों से कर्जो की रिकवरी न करने के लिए कई बार मुख्य मंत्री जी हाउस में ओर हाउस से बाहर भी

कह चुके हैं लेकिन उनसे रिकवरी फिर भी की जा रही हैं बादली केाआप्रेटिव बैक तथा दूसरे बैक लोंगों से अब भी रिकवरी कर रहे हैं किसानेा की दोनेा फसले खराब हो गयी हैं जिसकी वजह से किसान लोन दे नहीं पर रहा है। क्या सरकार लोन की रिकवरी को मुलतबी करेगी और लोगों को कोई काम दिलायेगी जिससे उन्हे रोटी मिल सके।

चौधरी भजन लाल: स्पीकर साहब, जहां पर बाढ़ से नुकसान पहुचा हैं वहां पर वसूली स्थगित की हुई हैं लेकिन जहां पर बाढ़ का प्रभाव नहीं है वहां पर वसूली की जा रहीं है।

प्रो0 सम्पत सिंह: अध्यक्ष महादेय, अभी जवाब में बताया गया है कि कपास की फसल को नुकसान हुआ हैं लेकिन उस नुकसान की जिम्मेवारी सरकार अपने ऊपर नहीं ले रही हैं सौभाग्व ा दोनो मंत्री ओर मुख्यमंत्री उन्ही जिलों के हैं जिन जिलेां मे कपास बहुत अधिक पैदा होती हैं सरकार कह रही हैं कि कपास की फसल मे मोसम की वजह से नुकसान हुआ हैं अध्यक्ष महोदय मे बताना चाहता हूं कि कपास की फसल को दो बार नुकसान हुआ हैं पहला तो नुकसान कपास जब बोयी गयी थी ठीक उसके एक महीने बाद हुआ हैं ओर दूसरा जब उसे फल आ चुका था तब उसे कीडा लग गया जिसकी वजह से नुकसान हुआ हैं जब कीडे की बीमारी कपास की फसल पर लगी तो किसानों ने अपनी फसल पर कीडे मार दवाई छिडकी। उस दवाई से छिडकने की वजह से सारी फसल नश्ट हो गयी। इसके साथ साथ मुख्य

मंत्री जी ने यह बात भी कह दी कि किसी एक जगह पर नुकसान नही हुआ है। बल्कि सारे हरियाणा में नुकसान हुआ हैं स्पीकर साहब, हरियाणा में जो कपास की फसल को नुकसान हुआ हैं उसकी वजह यह हैं कि जो बीज किसानों को दिया जाता हैं वह ठीक नहीं था। क्या सरकार की ही एजेसियों दवाई बीज ओर खाद सप्लाई नही करती ओर क्या सरकार इस नुकसान की पूर्ति एक हजार रूपया पर एकड़ देकर किसानो की मदद करेगी?

श्री लक्षमण दास अरोड़ा: यदि कीट ना ाक दवाई की वजह से नुकसान हुआ होता तो हम यह बात मान लेते। लेकिन यह नुकसान अकेले हरियाणा में ही नहीं हुआ बल्कि पंजाब में भी नुकसान हुआ हैं क्या वहां पर भी बीज या दवाई खराब थी?

चौधरी बलबीर सिहं ग्रेवाल: अध्यक्ष महोदय, हरियाणा और पंजाब दो पडोसी राज्य हैं इस बात को सरकार भी मानती हैं कि हरियाणा में कपास की फसल का ओवरआल नुंकसान 40 परसेनट से ज्यादा हुआ हैं। और पंजाब मे भी इस फसल को नुकसान हुआ है। पंजाब क अन्दर जिन किसानों का 50 परसेन्ट से 75 परसेन्ट की बीच नुकसान हुआ है। उनको 100 रूपया पर एकड के हिसाब से पैसा दिया है। और जिन किसानों का 75 परसेन्ट से ज्यादा नुकसान हुआ है उनको 300 रूप्या पर एकड के हिसाब से पैसा दिया गया हैं और वह तीन एकड़ तक दिया है। क्या हरियाणा सरकार भाार्ट टर्म लोन को मीडियम टर्म मे कनवर्ट कर के ओर मीडियम टर्म लोन को लोग टर्म में कनवर्ट कर के

किसानेां को राहत देगी ओर जिस प्रकार से पंजाब सरकार ने कपास की फसल का मुआवजा किसानों की 26 करोड़ 75 लाख रूपया दिया हैं इस समय सारे दे ा के अन्दर आपको किसानों की सरकार कहलाती हैं। आज हरियाणा के अन्दर सारी फसलों का नुकसान 80 करोड़ रूपये से भी ज्यादा का हुआ है। मैं सरकार से जानना चाहूंगा कि क्या किसानेां की मदद के लिए उन्हे मुआवजा दिया जायेगा?

चौधरी भजन लाल: अध्यक्ष महोदय, मैने पहले बताया था माननीय सदस्य ने या तो सुना नही या समझने की कोि ा ा नहीं की। हमने भारत सरकार को लिखा है कि हम किसान को 150 रूपये प्रति एकड़ से हिसाब से मुआवजा देना चाहते हैं भारत सरकार ने पंजाब को 100 रूपया, 200 रूपया और 300 रूपया मुआवजा दिया है। अगर इसकी एवरेज निकाले तो 150 रूपये से कम हो जायेगी। हम चाहते है कि कपास की फसल जिन किसानों ने बोई हैं उन सब को तीन एकड तक नहीं बल्कि पूरा मुआवजा दे। इसके लिए हमने भारत सरकार से पैसा मांगा है। पंजाब में हर फसल का मुआवजा नहीं मिलता हैं जहां तक हरियाणा का ताल्लुक है हरियाणा के अन्दर ओलावृश्टि से हुए नुकसान पर 200 रूपये, 300 रूपये ओर 400 रूपये पर एकड के हिसाब से मुआवजा दिया हैं जो एक रिकार्ड हैं किसी भी स्टेट ने इतना मुआवजा नही दिया है।

श्री अध्यक्ष: अब गवर्नर ऐड्रैस पर डिस्कसन भाुरू होगी।

श्री हीरा नन्द आर्य: स्पीकर साहब, आपकी इजाजत से मैं एक सवाल पूछना चाहता हूं।

श्री अध्यक्ष: आर्य साहब, इस पर 11 क्वैसन हो चुके हैं अब आप बैठ जाइए।

श्री हीरा नन्द आर्य: स्पीकर साहब, मुख्य मंत्री जी ने बताया कि केन्दीय सरकार को इस संबध में लिखा हैं और दूसरी तरफ पंजाब सरकार ने भी लिखा हैं लेकिन उनको केन्द्र ने न केवल लोन दिया हैं बल्कि ओर भी दूसरी सहायता दी हैं मैं कहना चाहता हूं कि यह हरियाणा सरकार की ढील के कारण हैं हमें पैसा नहीं मिला ।

श्री अध्यक्ष: इसका जवाब पहले आ चुका हैं।

श्री हीरा नन्द आर्य: जवाब नहीं आया हैं स्पीकर साहब, भीत लहर के कारण हरियाणा में फसल की बरबादी हुई हे। जब तक सरकार की तरफ से कोई सन्ताशजनक जवाब नही आयेगा..... ...(व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: आर्य साहब, इसका जवाब आ चुका हैं आपको इतना गर्म नहीं होना चाहिए। इस सब्जैक्ट पर 11 क्वैसन हो चुके है। और अब बार बार उन्ही क्वैसचन्ज की रैपीटिसन हो रही है।

श्री हीरा नन्द आर्य: मै चाहता हू कि सरकार मुआवजा देने का आ वासन दे।(व्यवधान)

श्री राम बिलास भार्मा: स्पीकर साहब, श्री लक्षमण दास जी ने स्वीकार किया था कि जो बरानी इलाके है। उनमैं आबयाना मुआफ करने की बात अंग्रोजो के राज से चली आ रही हैं जिला महेन्द्रगड़ के बारे में मंत्री महोदय ने स्वीकार किया था कि यहां पर सरसों ओर चने की फसल बरबाद हो गई है। और मुख्य मंत्री महोदय ने कहा था कि हम एक्ट के हिसाब से देखेगे। इसमें देखना क्या है? आप आबयाने की बजाये किसानों के बिजली के बिल मुआफ कर दे यानी आबयाने को बिजली के बिलों में कन्वर्ट कर दे।

चौधरी भजन लाल: स्पीकर साहब, ऐसा कोई कायदा नहीं है।

श्री हीरा नन्द आर्य: अगर कायदा नही हैं तो आप कायदा बनाये।(व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: आप बैठ जाइये।

श्री हीरा नन्द आर्य: स्पीकर साहब, इसके बारे में कोई न कोई कानून बनाना चाहिए। सरकार किसानेां को राहत नही दे रही ओर उनके साथ भेदभाव की नींति सोतली मां का सलूक किया जा रहा है।(व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: आप बैठ जाइए।

श्री हीरा नन्द आर्य: स्पीकर साहब, पहले आप सरकार को हुक्म दे।(व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: मै सरकार को हुक्म देने की पोजीशन में नहीं हूं सरकार ने कहा कि हम विचार करेगें उससे ज्यादा सरकार क्या कर सकती है?

श्री हीरा नन्द आर्य: स्पीकर साहब, सरसों और चनों की फसल का जो नुकसान हुआ हैं उसका मुआवजा देने का सरकार ने आ वासन नहीं दिया है।(व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: आर्य साहब, क्या आप मुझे हाउस चलाने देना चाहते हैं या नहीं? में कई बार कह चुका हे। कि आप बैठ जाइये, otherwise I shall have to name you.

श्री हीरा नन्द आर्य: स्पीकर साहब, हम किसानें के लिए मुआवजा चाहते हैं भीत लहर के कारण जो नुकसान हुआ हैं उसका मुआवजा सरकार क्यों नही दे रहीं हैं? जब सरकार लोगों को जायज मदद नहीं दे रही हैं तो हमारा हाउस में आने का क्या मतलब हैं?(व्यवधान)

श्रीमती चन्द्रावती: स्पीकर साहब, हमारी पार्टी के माननीय सदस्य ठीक कह रहे है। हाउस के 11 सदस्यों ने एक ही सब्जैक्ट पर ध्यानाकर्शण प्रस्ताव दिया हैं इसका मतलब यही हैं कि

प्रदे ा में स्थिति बहुत गम्भीर है। हमारे पडोसी राज्य पंजाब में सरकार ने किसानेां को यह आ वासन दिया है कि वे टोका चला सकते हैं केन क्र ार चला सकते हैं इन पर बिजली का खर्चा नही लिया जायेगा। इसके इलावा और भी सुविधाये किसानों को दी गई हैं स्पीकर साहब, आपको पता हैं कि हरियाणा में फल्ड से काफी जमीन खराब हो चूकी हैं और बाकी फसल को भीत लहर चलने से नुकसान हो गया है। ऐसे किसानेां को जिनका इतना नुकसान हुआ हैं उनके लड़को को एम्पलायेमेट दी जाये मैं चाहती हूं कि सरकार को आन दी फलोर आफ दी हाउस यह आ वासन देना चाहिए कि जिस किसान के पास खाने के लिए रोटी नहीं हैं जो अपने कर्जे की कि त नहीं दे सकता उसकी कि त मुआफ की जाय ताकि अपना काम चला सके। या यह कर दिया जाये कि जिसके घर में कोई एम्पलायड नहीं हैं उनको एम्पलायमेट दी जाये कुछ न कुछ सरकार को जरूर करना चाहिए।

चौधरी भजन लाल: अध्यक्ष महोदय, अध्यक्ष महोदय, अपोजी सन के भाई बहुत बडे किसान के ठेकेदार बनते हैं (व्यवधान)

श्री हीरा नन्द आर्य: क्या आपकी ही ठेकेदारी हैं (व्यवधान) हम जनता के प्रतिनिधि हैं हमको यह कहने को अधिकार हैं (व्यवधान)

चौधरी भजन लाल: आर्य साहब, आप जरा सुनने की कृपा करे आप बीच में बोलते है हम कभी बीच मे नहीं बोले। किसान की ठेकेदारी वह आदमी कर सकता हैं जिसके हाथ मे कभी राज नहीं आया हो। जिस वक्त आप मंत्री थे और चौधरी देवी लाल मुंख्य मंत्री थे उस वक्त किसान की बहुत बुरी हालत थी। इतनी बुरी हालत थी जितनी कभी हो नहीं सकती और न कभी हुई है। हैं (व्यवधान)

श्री हीरा नन्द आर्य: अब ये यहां पर आ गये ओर लोगौ को मजाक उड़ा रहें हैं आज लोग बरबाद हो रहे हैं इनको आनी चाहिए।

श्री अध्यक्ष: यह लफ्ज ठीक नहीं है। इसको एक्संपंज कर दिया जाये।Army Sahib, you are going beyond your limits. this is not the way. आप कैसी बात कर रहे है? (व्यवधान) आप ठीक ढंग से नहीं बोल रहे है। क्या इस तरह बोलने मै आपकी भाान बढ़ती हैं? (व्यवधान) This is very bad.

श्री हीरा नन्द आर्य: अध्यक्ष महोदय, मैने कोई गलत बात नहीं कही हैं ? (व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: मै आपको दो दफा कह चुका हूं कि आप लिमिट के अन्दर रहें। आप लिमिट के बाहर जा चुके है। I shall have to name you. आपने कहा कि भार्म आनी चाहिए किसको भार्म आनी चाहिए?

श्री हीरा नन्द आर्य: जो बें ार्मी का काम करे।(व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: आप एक सीनियर मैम्बर है। आपको ऐसी बात नहीं कहनी चाहिऐ।

श्री वीरेन्द्र सिहं: स्पीकर साहब, आपने खुद औब्जर्व किया हैं कि इस मामले पर 11 के करीब काल अटैन्सन मोसनज आये थे और 11 सवाल पुछवाये हैं मुख्य मंत्री जी भी किसान है आप भी किसान है। और हाउस के 90 सदस्यों में 80 परसैट मैम्बर किसान परिवारों से ताल्लुक रखते हैं परन्तु जिस सीरियनैस से सरकार को इस सब्जक्ट पर जवाब देना चाहिए था सदस्यों की तसल्ली करनी चाहिए थी वह नहीं कर सके। यह बात सदस्यों द्वारा आम लोगों में जायेगी। हम पब्लिक के रिप्रेजेटेटिव हैं लेकिन जिस प्रकार सरकार ने हमारी तसल्ली करनी चाहिए थी वह नही कर पाई। बल्कि मुख्य मंत्री जी ने बडे तनज के साथ कहा कि क्या आप किसानों के ठैकेदार हैं?? हम तो ठेकेदार है। ही है ओर बीइग अपोजीसन हमारा फर्ज है कि कि हम लोगों की तकलीफों को यहां पर उठाये। यह वाकई ही दुख की बात हैं कि जिन लोगों की दोनो की दोनों फसले मारी गई हो। तो हमारा फर्ज बन जाता है। कि इस मसले को यहां पर उठाये। लेकिन मंन्त्रियों कौ इस तरफ ध्यान देने की फुर्सत कहां है। इनको तो बहुत कम फुर्सत मिलती है। यह कहना कि आपका काम क्या हैं काल अटैन्सन ही देना है। इनका यह कहना ठीक नहीं हैं । ठीक

हैं ये ज्यादा बीजी है। इसीलिये मैं चाहूंगा कि सरकार हाउस में कोई न कोई कंक्रीट प्रपोजल या अ योंरेस जरूर दे इसको मजाक मे न ले क्योकि लोगों की बुरी नीयत है यह कहना कि हम कुछ नहीं कर पाये। ठीक है। अब आप कुछ करके दिखा दे चौधरी देवी लाल के जमाने में अगर किसान बहुत तंग थे तो आप उन्हें सुखी बना दे हम आपके भाुकगुजार होगे।

श्री अध्यक्ष: साहेवान मैं आपके सैटिमैटस से सहमत हू हर मैम्बर चाहता हूं कि किसान का भला ज्यादा से ज्यादा हो। इसमें कोई भाक की बात नहीं हैं। मै यह भी मानता हूं कि इधर से जो लोग बैठे है इनमें भी बहुत सारे किसान हैं उनके सैटिमैटस भी आप जैसे है। जितनी काल अटैन्सन मो ान्ज आपने दी मैने वे सारी ऐडमिड की। सबको एक एक क्वैसन ओर कुछेक को दो दो क्वैसन भी पूछने को मौका दिया। आप सहमत होगे कि मोस्टली जो क्वैसन है वे सिलिवार टाईप के हैं ओर होने भी थे इसमें कोई भाक की बात नहीं । लेकिन बार बार जो जवाब आ रहा है वह यही आ रहा है। कि हम विचार करेगे। दूसरी बात आबियाना माफ करने वाली कही गई मिनिस्टर साहब उस इलाके के बारे में नहीं कह सकते खास करके जहां नहरी पानी नहीं जाता। लेकिन बिजली के मुतालिक इन्होने कह दिया कि बिजली के बिल माफ नहीं कर सकते। कर्जो के लिये इन्होने कह दिया कि कि हम राहत देगे। आप सब रिसपोसिबल मैम्बर्ज हैं यहां जो ा में आकर इधर उधर की बाते अगर कह दी जायं तो वह बात मुझे

अच्छी नहीं लगती। हीरा नन्द आर्य जी की बातें अगर कह दी जाये तो वह बात मुझे अच्छी नहीं लगती। हीरा नन्द आर्य जी ने बड़ी दिलेरी के साथ कुछ बाते कह दी । लेकिन इनहे पता होना चाहिए कि अगर किसी बात से आपको ठेस लगती हैं तो दूसरों को भी ठेस लगती है। इसीलिये मैं आपसे अर्ज करूंगा कि हाउस को आराम से चलने दे।

चौधरी बलबीर सिंह ग्रेवाल: स्पीकर साहब, अभी मुख्य मंत्री जी कह रहे थे कि जांच पडताल करवाने के बाद 150 रूपये प्रति एकड़ का कम्पनसेसन देगे। स्पीकर साहब, पंजाब में 300 रूपये प्रति एकड़ मुआवजा दे रहे हैं।

श्री अध्यक्ष: वह बात हो गई।

चौधरी बलबीर सिंह ग्रेवाल: स्पीकर साहब, आबियाना के बारे में यहां कहा गया कि उसे माफ कर दिया गया हैं लेकिन वह तो पहले ही रिकवर कर लिया गया हैं मेरी आपके द्वारा सरकार से प्रार्थना है कि उस पैसे को वापस लौटाया जाये और कम्पनसेसन 300 रूपये प्रति एकड़ दिया जायं।(विघ्न)

सिचाई तथा बिजली मंत्री (चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवाला): स्पीकर साहब, आपने रिपीटिडली बहुत प्रयत्न किया कि यह टोपिक कलोज ही लेकिन मैम्बर्ज साहेबान बार बार इस बात को उठा रहं हैं मै संक्षेप मे इनसे यह कहना चाहता हूं कि यह चोधरी भजन लाल जी की ही सरकार हैं जिसने पहली बार

क्रौप इं ाोरैन्स स्कीम यहां भाुरू की । आज सारे हरियाणाा में कोई सब डिविजन ऐसा नहीं जहां एकाध फसल को छोड़ कर तकरीबन सारी क्रौप्स की इं ाोरैन्स न हो सकती हो लेकिन ये किसान को नहीं बतायेगें कि सरकार की यह नीति है कि आप इं ाोरैन्स करोओ उसकी किस्त दो ताकि फसलेां की प्रोटैक्स्सन हो सके। स्पीकर साहब, यह बात ठीक हैं कि 1977–78 मे पहली बार ओलावृश्टि से हुए नुकसान का मुआवजा देना भाुरू किया गया था लेकिन इस सरकार ने पहले जो रेट था उससे दुगुना रेट किसानेां को दिया है।

स्पीकर साहब, कोटन के बारे में मुख्य मंत्री जी बता चुके है कि भारत सरकार को लिखा हैं सरकार की मं ाा है कि पंजाब से भी ज्यादा मुआवजा हम दे तो स्पीकर साहब, इससे ज्यादा कोई सरकार क्या चिन्ता कर सकती है और क्या कार्यवाही कर सकती है?

वाक आउट

श्री वीरेन्द्र सिंह: स्पीकर साहब, ये वेग अ योरैसिज हैं। हम इनसे सैटिसफाइड नहीं है। इसीलिये हम वाक आउट करते है।(विघ्न एव भाोर)

(इस समय विरोधी पक्ष के सभी सदस्य सदन के वाक आउट कर गये)

राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री अध्यक्ष: कल बहिन भाान्ती देवी जी बोल रही थी। वह कृपया अपना भाशण भाुरू करे।

बहिन भाान्ती देवी (**करनाल**): स्पीकर साहब, कल समय समाप्त हो जाने के कारण मैं अपनी बात पूरी नही कर सकी थी। (ाोर) आज मैं केवल थोडी सी बात कह करके अपना स्थान ग्रहण कर लूंगी। मैं समझती हूं कि हरियाणा प्रदे ा की सरकार अपने प्रदे ा को प्रगति और तरक्की के लिए ठीक काम कर रही है। लोगों को पूर्णरूपेण सुख सुविधायें दी जा रही है। इसी प्रकार प्रेमपूर्वक हमारा प्रदे ा तरक्की की ओर बढ़ाता रहे हैं। यहीं हमारी सद्भावना हैं मैं समझती हूं कि विधानसभा में जितने लोग मैम्बर बन कर आते है वे बहुत अच्छे वक्त होते है। लेकिन मेरा यह निवेदन है कि हमे सही देखना है सही सुनना और सही बोलना चाहिएं जितने हम बढिया ओर अच्छे वक्ता हैं उससे भी अच्छे श्रोता हमे बनना चाहिए। इसी से हाउस की मर्यादा कायम रहती है। तो मैं केवल मात्र इन्ही भाब्दों के साथ 12 तारीख को दिए गये राज्यपाल महोदय के अभिभाशण का पूर्णरूपेंण समर्थन करती हूं।

चौधरी ओम प्रका ा(**बेरी**): उपाध्यक्ष महोदय, राज्यपाल के अभिभाशण के लिए धन्यवाद के प्रस्ताव पर चर्चा चल रही है। मै इ प्रंस्ताव का विरोध करने के लिये खड़ा हुआ हूं।

Mr. Deputy Speaker: Ch. Om Parkash Sh JI, I would request you to please take only five minutes because the time is very short.

चौधरी ओम प्रका ा: बहुत अच्छी जी। उपाध्यक्ष महोदय, राज्यपाल का अभिभाशण आने वाले वित वर्श के लिये सरकार की तरफ से एक पालिसी स्टेटमैट होती है। लेकिन इसमें न तो मजदुर के साथ न किसान के साथ ओर ने ही हरियाणा की जनता के साथ कोई कमिटमैट की गई है। इसमें कोई प्रोमिज नही किया गया कि किस ढंग की सरकार की नीति होगी और क्या कुछ सहूलियते सरकार किसान के लिये मजदूर के लिये आने वाले वित वर्श मेंहोगी। राज्यपाल महोदय न सविधान में जो औपचारिकता है कि वित वर्श आरंभ होने से पहले उन्होने विधानसभा में अभिभाशण देना पड़ता है। केवल उसे निभाया है वह फार्मोलिटी उन्होने औबजर्व की है। उपाध्यक्ष महोदय, फलड के कारण 1983 मे हरियाणा प्रदे ा के रोहतक, सोनीपत ओर जीन्द जिलों में किसानेां को बड़ी भारी विपति का सामना करना पड़ा। खरीफ ओर आई0 पी0 एस0 साहब ने बड़े दावें के साथ कहा कि हरियाणा प्रदेस का सिर्फ 1500 एकड़ ऐसा रकबा हैं जो अब भी बाढ़ के पानी के नीचे है। लेकिन उपाध्यक्ष महोदय, इनकी यह सूचना वास्वविकता से बिल्कुल विपरीत है। और पता नहीं कि यह किन तथ्यों पर आधारित हैं मैं अपने हल्के की ही बात आपको बताता हूं कि (विघ्न) मेरे हलके के 10–12 गांव ऐसे हैं जिनका कम से कम 10 हजार एकड़ रकबा आज भी पानी के अन्दर खड़ा

हैं इन गांवों के नाम हैं डीघन, धांधलान, सेरिया, भम्भेवा, गांगटान, गोच्छी, बिसान, बेरी, दुजाना, दूबलधन, अच्छज, पहाडीपुर ओर पलड़ा। यहा किसान रबी की फसल की बुआई नही कर सका। सरकार की कम से कम ऐसे किसानो के बारे में तो कोई चिन्ता करनी चाहिए थी ओर कोई जायज मआवजा उन्हें दिया जाना चाहिए। अगर राज्यपाल महोदय के अभिभाशण में मुआवजे देने का जिक्र होता तो मैं लाजमी तौर पर जो अभिभाशण पर धन्यवाद का प्रस्ताव रखा है उसका समर्थन करता । आप जानते है कि आज के दिन किसानें की हालत निरन्तर गिरती जा रही है। बैकों के कर्जे के अलावा कोआप्रेटिव इन्स्टीव्यू ानज का भी किसानो पर भी कर्जा है। वे बेंचारे कर्ज्रे के नीचे दबे पड़े हे अगर राज्यपाल महोदय अपने अभिभाशण मे ऐलान करते कि किसानेो की आर्थिक अवस्था खराब हो चुकी है। इसीलिये कोआप्रेटिव इन्स्टीच्यूसन के सारे कर्ज्रे माफ किये जाते है। तो मैं इस धन्यवाद प्रस्ताव का स्वागत करता । डिप्टी स्पीकर साहब, कोल्ड वेव की वजह से आज सारे हरियाणा के किसानों के फसल खराब हो चुकी हे। और पिछली फसल बाढ़ स बरबाद हो गई थी। आप जानते हैं कि जब किसान की फसल ही खराब हो जाये तो उसके पास क्या रह जाता है। किसानेां की जो फसल कोल्ड वेव के कारण खराब हुई है। उसका मुआवजा मिलना चाहिए। मेरे अपने हल्के में तो ओर भी बुरी हालत हे। इस बारे म सरकार को सोचना चाहिए और किसानों को मुआवजा दिया जाना चाहिऐं।

डिप्टी स्पीकर साहब, अब मैं सड़को के विशय में भी थोडा़ सा अर्ज करना चाहूंगा रोहतक जिले में सड़को की बहुत ही बुरी हालत हैं मै अब केवल अपने ही हल्के की सड़को की हालत के विशय मैं जिक्र करना चाहता हूं। मेरे हल्के में सड़को की बहुत ही खराब हालत हैं बाढ़ के दिनों में भम्भेवा से ि ामली जाने के लिये तीन महीने तक वहां पर कोई रास्ता नहीं था। अगर किसी ने कोई बीमार रोहतक मैडिकल कालेज में ले जाना हो तो कोई रास्ता ही नहीं था। वहां से रोहतक मेडिकल कालेज का केवल 6–7 किलोमीटर का फासला हे। लेकिन बीमार लोगों को ले जाने कि लिए भी सुविधा नहीं मिली ओर बीमार आदमी तड़प कर मर जाये। ि ामली से भम्भेवा जाने के लिए एक मात्र भी सड़क उपलबध नहीं है और न हीं आज तक वहां सड़क बनाने के विशय मै सोचा गया है। मैने बार बार कहा है कि परन्तु इस बारे में कोई गोर नहीं किया जाता और कहा जाता है कि हमारे पास फल्ड नही है। रोहतके जिले में तो सडके बिल्कुल ही नहीं बनाई जा रही है। जिन हल्कों का प्रतिनिधित्व विपक्ष से लोग करते हैं उन हल्को में बिल्कुल सडके नहीं बनायी गयी। जब यहां पर बात करते है। तो ये कभी इकोनोमी की बात करते है। कभी कुछ बात करते हैं मेरे अपने साथ हल्के में एक इंच भी सड़क चालू वित वर्श में नहीं बनी हैं एक सड़क बेरी से रोहतक को जाती है। इस सड़क पर रास्ते में गोछी गांव पड़ता है। चार पांच साल से यह सड़क वहां पर टूटी पड़ी है। और उसमें चार चार पांच पांच फूट के गढें है लेकिन आज तक उसकी मुरम्मत नहीं हुई । यहां पर

आ वासन दे दिया जाता है। लेकिन एक टोकरी भी उस सड़क पर मिट्टी नही डाली गई हैं इसी प्रकार चिमनी से दुबलधन की सड़क हैं यह सड़क केवल तीन किलोमीटर लम्बी है। लेकिन इसे बनाया नहीं जा सकता। अगर एक गांव से दूसरे गांव में दूसरी तरफ से आये तो 18 किलोमीटर का चक्कर काट कर आना पडता हैं पिछले साल भी यह सड़क एक इंच भी नहीं बनायी गई। इसीलिये आने जाने वित वर्श में ताक कम से कम इस सड़क निर्माण करवाया जाये। डिप्टी स्पीकर साहब, यदि एक ओर सड़क डीघल से ईस्मायला तक बन जाये तो लोकल बस चल सकती। यह केवल दो किलोमीटर का टुकड़ा हैं इस टुकडे के बनते ही लोगों को काफी सुविधा मिल जाती है। भम्भेवा से कारोर वाली सड़क का भी आधा किलोमीटर का टुकड़ा है जोकि अधुरा पड़ा हुआ हैं इस पर मिट्टी पडी हुई है केवल उसे पक्का करना है। अगर इसे पक्का कर दिया जाये तो लोगो को ओर सुविधा हो सकती हे। इसी प्रकार मांगवास से पलड़ा वाली सडक भी केवल दो किलोमीटर की हैं यह भी अभी तक नही बनी। इसे भी बनाया जाना चाहिए। एक ओर सडक जो सेरिया से बेरी जाती हें वह भी केवल दो किलोमीटर बननी है। अगर इसे बना दिया जाये तो लोंागों को बड़ी भारी सुविधा मिलेगी।

डिप्टी स्पीकर साहब, अब मैं वाटर सप्लाई स्कीम के बारे में थोड़ी सी अर्ज करना चाहता हूं सन् 1983–84 के दोरान सरकार ने न्यूनतम आव यकता कार्यकम तथा दूंत ग्रामीण जल

सप्लाई कार्यक्रम के तहत 415 गांवों मै पीने का पानी की सुविधाऐ उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया था। सन् 1984–85 के दौरान द्रूत ग्रामीण सप्लाई कार्यक्रम के अधीन 677 समस्या गांवो में यह सुविधा प्रदान की जायेगी। मेरे हल्के के अन्दर इस प्रकार की एक भी स्कीम पिछले वित वर्श में चालू नहीं की गई । इसलिये 677 प्रोब्लम विलोजिज को पानी देने के बारे में जो स्कीम बनाई गई है। उनमें मेरे अपने हल्के के भी प्रोबल्म विलेजिज है। जहां पानी देना जरूरी हे। इस प्रकार की पांच स्कीमें है। जो इस वित वर्श में जरूर भाामिल कर ली जानी चाहिये। पलडा, जहाजगढ मोहम्मदपुर माजरा स्कीमऔर जौन्धी स्कीम दुबलधन स्कीम अच्छेज पहाडीपुर स्कीम मलिकपूर सफीपूर स्कीम और बाघपूर वजीरपूर ओर मांगनवास वाटर सप्लाई स्कीम इस वर्श मे जरूर मन्जूर करके पूरी की जानी चाहिऐ। क्योकि इन गांवों को पानी की बडी भारी दिक्कत है। इन भाब्दों के साथ में इस अभिभाशणका विरोध करते हुए अपना स्थान लेता हू।

श्री उपाध्यक्ष: चोधरी धीर पाल सिंह।

चोधरी धीर पाल सिंह: डिप्टी स्पीकर साहब, मेरे टाईम में प्रो0 सम्पत सिंह जी बोलेगे।

श्री उपाध्यक्ष: ये तबादले वाली बात नहीं होनी चाहिए। जिस को समय मिला हैं वही बोलेगा।

प्रो0 सम्पत सिह: डिप्टी स्पीकर साहब, आपने हमारी पार्टी के मेम्बर को टाईम अलाट किया हैं जब उन्होने खुद मुझे कहा हैं तो मैं उनके टाईम में बोल सकता हूं । कल आपने ठाकुर बहादुर सिंह की जगह पर श्री महेन्द प्रताप सिंह को टाईम दिया था जब आप कल किसी को दूसरे का टाईम दे सकते है। तो आज भी दिया जाना चाहिए।(विघ्न)

श्री उपाध्यक्षः इस प्रकार से टाईम नही दिया जा सकता । कल तो उनको टाईम इसलिये दिया गया था क्योकि ठाकुर बहादुर सिंह की तबीयत खराब थी चोधरी धीर पाल सिंह जी आप कृपया बोले।

चोधरी धीर पाल सिंह (बादली): डिप्टी स्पीकर साहब, गवर्नर साहब ने जो अभिभाशण इस हाउस में पढ कर सुनाया हैं उसे गौर से पडने पर मालूम होता हैं कि यह सारी किताब सरकार ने लिख कर गवर्नर साहब को भेज दी हैं उन्होने सरकार से विचार विर्म ा करके हाउस में पढ़कर सुना दी। असले में इस अभिभाशण में कोई तंत नही हैं इसमें ज्यादातर बीस सूत्री प्रोगाम के विशय में ही लिखा गया हैं यह बीस सूत्री प्रोगाम बहुत बड़ा धोखा हैं सरकार रूलिंग पार्टी के कुछ एम0 एल0 एज0 के ही हल्कों में काम करती है। जो अपोजीसन के लोग है। उनके हल्को में बिल्कुल काम नही करती।

श्री उपाध्यक्षः चोधरी धीर पाल सिंह जी आपको कोई कंस्ट्रक्टिव बात कहनी चाहिए।

चोधरी धीर पाल सिंहः डिप्टी स्पीकर साहब, 5 फरवरी, 1962 मैं प्रताप सिंह कैरो मुख्य मंत्री (पंजाब) झज्जर के आये थे ओर उन्होने वहां पर एक सेनिक स्कूल की नींव रखी थी लेकिन पता नहीं किन कारणों से वह स्कूल कुंजपूरा करनाल जिले मे चला गाया। अब फिर भारत सरकार ने रोहतक जिले के लिये सैनिक स्कूल मंजूर किया है। आपको पता हैं कि हमारे अकेले झज्जर तहसील से 80 हजार सैनिक हैं। झज्जर के इलाके ने सब से ज्यादा जवान दे ा कीसेवा के लिये भेजे हैं तीन लेफीनेन्ट जनरलों में से एक झजजर के इलाके का हैा मुझे पता लगा है। कि जो सैनिक स्कूल रोहतक जिले के लिए मंजूर हुआ । उसे सरकार बदनीयती से पाली गांव जिला महेन्दगढ में ले जाने की सोच रही हैं। अगर सरकार ऐसा करेगी तो जिस प्रंकार से किसानेां के साथ हमारे इलाके में भेदभाव किया जा रहा हैं उसी प्रकार से सैनिकों के साथ भी भेदभाव किया जायेगा। सन् 1857 से लेकर आज तक जब भी दे ा पर आपति आई हैं झज्जर तहसील के लोगों ने चाहे वह अफसर है या सिपाई है हिन्दुस्तान की दिल से सेवा की है। अब मैं सरकार से जानना चाहता हूं कि सरकार उन लोगों की क्या मदद करना चाहती हैं? वहां पर किसी प्रकार का कोई कालेज उन सैनिको के लिए नही खोला हैं भारत सरकार ने झज्जर के लिए दुबारा से सैनिक स्कुल मंजुर किया हैं

लेकिन उसको भी यह सरकार उठा कर कहीं ओर ले जाना चाहती है।

एक सदस्य: क्या आप जमीन देगे?

चोधरी धीर पाल सिंहः सौ एकड़ या पचास एकड़ और जितनी भी जमीन की सरकार को आव यकता हो झज्जर तहसील के लोग जमीन देने के लिये तैयार है। अब मैं बाढ़ के बारे में कुछ बातें कहूगां। अध्यक्ष महोदय, ने मुझे उस समय बोलने का मौका नही दिया जब हमारे मंत्री महोदय ने यह कहा था कि इस समय हरियाणा के किसी भी गांव में बाढ़ का पानी नहीं हैं। अगर यह समय देते तो मैं बताता कि मेरे हल्के में अभी भी कुछ गांवो में बाढ़ का पानी है। उनमें से कुछ के नाम मैं बता देता हूं। वे हैं– लुकसर जरगदपुर गंगडवा बुपनिया गुभाना माजरी।

श्री उपाध्यक्षः यह बाते तो कई दफा आ चुकी हैं यह तो केवल रैपीटीसन हैं कोई ओर नई बात हो तो वह कहो।

चोधरी धीर पाल सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, अब भी वहां पर पानीखडा हुआ हैं जब तक वहां पर कोई ड्रेन नहीं बनायेगे तब तक उस इलाके का हर साल यही हाल होता रहेगा। लोग तबाह होते जायेंगें और बाढ़ यूं ही सत्याना ा करती रहेगी। इसीलिये मैं यह भी कहना चाहूंगा कि वहां के लिये ड्रेन बनाने का प्रबध जरूर करे क्योकि वहां पर कोई ड्रेन नहीं है।

श्री उपाध्यक्षः आप जल्दी वाइन्ड अप करिये ताकि दूसरे सार्थियों को भी बोलने का मौका मिले।

चोधरी धीर पाल सिंहः डिप्टी स्पीकर साहब, गांव के पी0 एच0 सी0 की बिल्डिग खराब पडी है। ओर छारा गांव के हस्पताल की बिल्डिंग के आस पास भी तीन तीन फुट पानी खड़ा हुआ है। सरकार इस तरफ भी ध्यान दे। मैं यह चाहूगा कि बादली के पी0 एच0 सी0 की बिल्डिंग नयी बनाये और छारा गांव के पी0 एच0 सी0 की बिल्डिग के आस पास के पानी को निकालने का काम जल्दी से भाुरू किया जाये। ताकि भविश्य में यदि कभी बाढ़ आये तो वहां पर किसी को हानि न पहुचे। अभी कुछ दिन पहले ही आई0पी0एम0 साहब नें यहां हाउस में कहा था कि किसानेां को 10 घंटे बिजली दी जा रही हैं। मै इस बात को दावे के साथ कहता हूं कि 12 मार्च से पहले कभी भी 8 घंटें से ज्यादा आल्टरेनेटिव डेज पर बिजली नहीं दी गयी है। जब 8 घंटे बिजली दी जाती थी उस दोरन किसान यूनियन ने बादली गांव मे एस0 डी0 एम0 एक्स0 ई0 एन0 ओर एस0 डी0 ओ0 की घेर लिया । और उन अफसरों ने अपनी जान छुडाने के लिये यह कह दिया था कि अब हम आपको 10 घंटे बिजली देगे। लेकिन हुआ क्या? उन अफसरों ने एक चाल चली कि जो आल्टरेनेटिव डेज पर बिजली मिलती थी वह भी काट दी गई । इस मार्च के महीने में बिजाई के बावजूद जिस समय कि किसान को बिजली की आव यकता होती है। बिजली नही दी गयी। किसान के साथ इतना बड़ा

अन्याय किया गया है कि उसका कोई हिसाब नहीं हैं मैं ज्यादा न कहता हुआ इतना ही कहना चाहता हूं कि एक तरफ तो आप किसान को यह कहते हो कि वह ज्यादा पैदावार करे। सरकार यह कहती हे। कि हमने 14–15 लाख टन गेहू सैट्रल पूल मे दिया हे। हरियाणा किसान रात दिन की बपनी मेहनत से अनाज पैदा करके आपको देता है। इसमे सरकार कीकोई वाह वाही नही हे। मै यह कहता हूं कि उस किसान को पूरी बिजली देा ताकि वह आपको गेहू दे सके चना दे सके ओर सरसो वगैरा दे सके। इन भाब्दों के साथ मै इस अभिभाशण के प्रस्ताव का विरोध करते हुए अपना स्थान लेता हूं । क्योकि इसमें समर्थन करने कि लिये ऐसी कोई बात ही नहीं है। जिसका समर्थन किया जा सके।(व्यवधान व भाोर)

12.00 बजे

श्रीमती करतार देवी (कलानौर अनुसूचित जाति): उपाध्यक्ष महोदय, सदन के सामने गवर्नर के अभिभाशण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा हो रही है। मै उस प्रस्ताव का समर्थन करने के लिये खड़ी हुई हूं। मै अपनी बात भाुरू करते हुए यह कहना चाहती हूं कि राज्यपाल महोदय द्वारा हरियाणा सरकार की सारी नीतियों का विस्तार से वर्णन इस अभिभाशण में किया गया। (व्यवधान व भाोर) डिप्टी स्पीकर साहब, जब ये विरोध पक्ष के भाई बोलते हैं तो हम चुपचाप बैठे सुनते रहते हैं लेकिन जब हम बोलने लगते है। तो ये इतना भाोर मचाते हैं कि हमारी बात ही किसी को नही सुनती। इस अभिभाशण पर जो धन्यवाद प्रस्ताव

आया हे। उस की तरफ मै स्पस्ट तौर पर इस सदन का ध्यान दिलाना चाहूगी। राज्यपाल महोदय ने उन सभी नीतियों ओर निर्धारित लक्ष्यों का इसमें स्पश्ट तौर पर जिक्र किया है जो उपलबिधयों हरियाणा सरकार की हैंऔर जो प्राप्त करने की मन ा रखती है। सबसे पहले उन्होने इस बात की तरफ ध्यान दिलाया है कि हमारे पडोसी राज्य में पिछले लगभग दो साल में जो घटनाये हो रही हैं उनका असर हमारे प्रान्त पर भी कुछ न कुछ हुआ है। यमुनानगर करनाल ओर कैथल मे जो थोडी बहुत हिंसा की वारदाते हुई उनमें इस तरह का तनावपूर्ण वातावरण बन गया है। कि हमारे विकास कार्यो की गति पर फर्क पड़ा है। यह नहीं प्रत्येक हरियाणा निवासी इस बात से चिन्तित हो उठा हैं कि पंजाब का अकाली दल या वहां के तथा कथित उग्रवादी लोग जब कभी हरियाणा के हितो की बात होती हैं तो वे इस तरह का कोई न कोई बावेला खडा करते हैं कि हमारे हितों की रक्षा की बात ही न हो सके। उनकी साम्प्रदायिकता भी उनकी मन ा इतना उग्र रूप धारण कर चुकी है कि हम इस बारे में कोई बात सोच ही नहीं सकते । आज जो कुछ हिन्दु ओर सिख के नाम पर और वह भी ऐसे पवित्र स्थान पर जिसका अपना नाम ही स्वर्ण मंन्दिर है किया जा रहा है वह कन्डेमेबल है ऐसे पवित्र स्थान पर असामजिक तत्वों की भारण दी जा रही हैं जिससे यह तनाव बढ़ गया हैं हमारे प्रान्त में घटना घटी और जिसमें आदरणीय डिप्टी स्पीकर साहब, आप पर ओर बहिन भाान्ती देती जी पर हमला हआ हैं यह इस स्थिति की गंभीरता की ओर बरबस हमारा ध्यान खीच

लेती है। लेकिन हमारी सरकार ने उनके खतरनाक इरादों को देखते हुऐ यहां पर भाान्ति का वातावरण बनाये रखने की लिये जो कदम उठाये है। वे भी सराहनीय है। जो कुछ इस समय वहां पर हो रहा हैं वह इस बात की तरफ इ ाारा करता है। कि उनके इरादे क्या हैं इसका परिणाम यह हो रहा हैं कि हरियाणा मे स्पश्ट तोर पर तो लोगों के मनो में भान्ति नजर आ रही है। परन्तु वह वास्वविक नहीं हें आगे दब गई हैं पर अन्दर ही अन्दर सुलग रही है। लोग यह चाहते हैं कि उनकी भावनाओं को भी केन्द्रीय सरकार तक पहुचाया जाये। डिप्टी स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान दिलना चाहती हूं कि वह जनता की इन भावनाओ को केन्दीय सरकार तक जरूर पहुचाये। कि ऐसे अपराधी तत्व जो अपराध करके पवित्र स्थानों में बैठे हुऐ हैं उनको धार्मिक स्थानों में भारण नहीं दी जानी चाहिऐ। अगर सरकार की तरफ से ऐसा दिखाई दिया कि वह हिसावादी और उग्रवादी असामाजिक तत्वों को बढावा देने से रोकने मै समय रहते प्रबन्ध करने में कामयाब नही होती तो हरियाणा के लोग भी चुपचाप नहीं बैठते। क्योकि हम जानते हैं कि रावी ब्यास के पानी के मसले का भी इसी पर दारोमदार है। बार बार यहां पर सिचाई ओर बिजली मंत्री ओर मंख्य मंत्री महोदय कहते हैं कि जब तक एस0 वाई0 एल0 बनकर तैयार नहीं होगी। तब तक हम किसानों को पूरा पानी नही दे सकेगे। इसीलिये मैं यह कहना चाहती हूं कि यह मामला हरियाणा के हितों के साथ भी जुडा हुआ हैं इस बारे में हरियाणा सरकार ने जो पग उठाये हैं मै उनके लिये हरियाणा सरकार का

धन्यवाद भी करती हूं लेकिन साथ ही साथ उनसे यह प्रार्थना भी करती हूं कि वह केन्दीय सरकार को यह स्प्श्ट कर दे कि वह उनके साथ सख्ती से ओर मजबूती से पे ा आये ताकि साम्प्रदायिकता सदभावना का वातावरण प्रदे ा में बना रहे ओर जो हमारा पंजाब के साथ पानी का मसला हैं वह भी हल हो सके ओर हमें पानी मिल सके। साथ ही साथ हमारी यह भी कोि ा ा होनी चाहिए कि हमारे यहा पर भी साम्प्रदाायिकता एकता बनी रहे ओर हिन्दु सिख का सवाल खड़ा न हो ओर हम इस ओर निरन्तर प्रयास करते रहे। क्योकि वे लोग तो यह कहते हे कि जैसे पंजाब में वातावरण एकदम खराब हैं वैसा ही अगर वातावरण हरियाणा मे हो जाये तो उनकी मं ाा तो पूरी हो जायेगी । क्योकि ऐसा ही तो वह चाहते हे दूसरी बात यह है कि इस अभिभाशण मे यह कहा गया हैं कि हरियाणा एक कृशि प्रधान दे ा है प्राकृतिक आपदाओं के बावजूद हमने केंन्दीय सरकार मै भण्डार में अपना पूरा योगदान दिया है। ओर अगले साल में इस योगदान को ओर बढाने का प्रयास कर रहें है। जहां तक बाढ़ का पं न है इस बारे में कोई दो राय नहीं कि बाढ की वजह से फसलों का बड़ा भारी नुकसान हुआ था। लेकिन इसके बावजूद यह भी मानना चाहिऐ कि हमारे मुख्य मंत्री ओर सिचाई मंत्री गांव गांव में गए ओर प्र ाासन ने भी काफी सतर्कता बरती ओर इस प्रकार काफी इलाको से पानी निकालने में कामयाबी मिली ओर आगे से बाढ न आए इसके लिए भी बारबार मीटिंग बुलाई गई जिसमें दलगत भावना से ऊपर उठकर सभी सदस्यों को बुलाय गया और जिस भी माननीय सदस्य

ने कोई सुझाव ड्रेन आदि के बनाने के बारे में या किसी ओर चीज के बारे में दिया । वह प्रोग्राम सरकार ने बनाया जिससे कि हमे ाा के लिए बाढ़ से छुटकार मिल सके (घंटी) उपाध्यक्ष महोदय, मुझे आप दो तीन मिनट का टाईम ओर दे दीजिये जिससे कि मै अपनी सारी बाते कह सकूं । इस ऐड्रैस मे काफी बातें ऐसी हैं जिनके बारेें मे दूसरे माननीय सदस्यों ने काफी कुछ बता दिया है ओर उन बातों के बारे में मैं भी अव य कहना चाहूगी। अनूसूचित जाति के लोगों के घरो मे लाइट लगाने के बारे मं यहां बात कही गई कि उनके घरों मैं लाईट क्यो नहीं लगा दी गई। उनकी बस्तियों मैं लाइट क्यों लगा दी गई क्या वहां पर भी चोरी होती है? मुझे अफसोस के साथ कहना चाहती हू। कि पिछडे वर्ग के घरों में अगर रो ानी होती हैं उनको प्रंका ा मिलता हैं उनकी गलियों में प्रका ा हो जाता है। जिससे की वे कुछ करे सकें तो भी इन लोगों को वह भी अखरता हैं हरियाणा सरकार ने पिछडें वर्ग के लोगों को आगे बढने का अवसर दिया हैं जिससे की वे अपना जीवन स्तर ऊंचा कर सके। इस सरकार ने हरिजनों तथा पिछडे वर्ग के लोगों के उत्थान के लिये हरिजन कारपोरे सन निगम, बैकवर्ड क्लासिज कल्याण निगम ओर इकौनोमिकली वीकर सैक्सन कारपोरसेन बनाई हैं डिप्टी स्पीकर साहब, इस बारे में आपके माध्यम से मेरी यह प्रार्थना हे कि इन निगमां केद्वारा लोगों की अधिक से अधिक सहायता की जानी चाहिए। इसमें कोई दो राय नहीं है। कि बैको का रवैया लोगों क प्रति गरीबों के प्रति जितना सहानुभूतिपूर्ण होना चाहिए वह नहीं

है। जितना लाभ सरकार गरीबो को पहुचाना चाहती हैं उतना लाभ पहुचा रहां है। सरकार से मेरी प्रार्थ्ना है कि बैको में जो कंसलटेटिव कमेटीज बनती हैं उसमें नोन–औफि ायल नुमाइदे जरूर होने चाहिए। जो आम जनता की बात रख सके। ऐसा करने से ही गरीब लोगों का फायदा हो सकता है । दे ा में ि ाक्षित बेरोजगार युवको को अपने रोजगार के अवसर जुटाने कि लिए हमारी प्रधान मंत्री ने एक नई स्कीम की घोशणा की है। इस योजना के अनुसार एक बेरोजगार नोजवान को पच्चीस हजार रूपय तक लोन दिया जायेगा। इस संबध में जितनी दरखास्ते आई हें उनसे ऐसा लगता हैं कि हमारे नौजवान इस बात के लिए तैयार है। कि उनको अधिक से अधिक रोजगार के अवसर मिले ओर वे अपना काम भुरू कर सके। लेकिन जैसा कि मैने पहले कहा है कि इस विशय में बैको से जितना सहयोग मिलना चाहिए वह नही मिल रहा है। किसी नोजवान को पांच हजार रूपया`लकर उसका नाम एम्पालायेमैट ऐक्सचेज से काट दिया जाए यह ठीक नही है। इसलिए मेरी प्रार्थना है कि इस संबंध मे जो भी कमेटी दिया जाये उसमै भी गैर सरकारी सदस्य अव य होने चाहिए। जो नौजवान की बात कह सके। उपाध्यक्ष महोदय अब मैं भूतपूर्व सैनिको के बारे में कहना चाहती हू छछरोली मे जो बार विडोज के लिए ट्रेनिग स्कुल हैं वह एक प्रसंकीय कदम हैं लेकिन रोहतक के लिए सैनिक स्कूल खोलने के लिये जो प्रायरिटी दी जानी चाहिए थी वह अभी तक नहीं दी गई है। सैनिक स्कूल झजजर के लिए बनाया जाना था लेकिन उसको कुजपुरा (करनाल) में बना

दिया गया। डिप्टी स्पीकर साहब, रोहतक जिले के लोगों की यह भावना हैं कि सेना मैं उस जिले से बहुत ज्यादा लोग हैं लेकिन उस जिले को सैनिक स्कूल से वंचित किया जा रहा हैं उनका विचार है कि चाहे वहां के लोग राजनीति में पिछड गए हैं। लेकिन रोहतक ओर झज्जर के इलाके के लोग भारत की सेना मे जब से अधिक है और किसी भी कुर्बानी के लिए तैयार है। इसीलिये मेरी सरकार से प्रार्थना है कि रोहतक मे जो सैनिक स्कुल बनाया जाना हैं उसको महेन्दगढ मे न बनाया जाये। रोहतक में ही खोला जाये। अगर वहां पर नहीं खोला गया तो उन लोगों की भावनाओं को ठेस पहुचगी। अगर महेन्दगढ मै सैनिक स्कुल खोलना है तो वह भी खोल दिया जाये। लेकिन रोहतक के सेनिक स्कुल को महेन्दगढ मे न ले जाया जाये। उपाध्यक्ष महोदय, इस एड्रैस के पैरा पांच में बीस सुत्री कार्यक्रम के बारे में जिक्र किया गया है। इस प्रोगाम स गरीब लोगों को बहुत लाभ हो रहा हैं यह मैं जानती हूं कि इसकी इम्पीमैंट सन में कुछ कमी रह जाती है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है। कि बीस सूत्री कार्यक्रम खराब है। राज्यपाल महोदय ने इस पैरे में मुख्य मंत्री की चेयरमैनि ाप मै एक हाइपावर्ड कमेटी का जिक्र किया है। जो बीस सूत्री कार्यक्रम की इम्पलीमैन्टे ान को देखेगी ओर कार्यक्रम को तेज गति से पूरा करने के लिये एक सब कमेटी प्र ाासकीय सचिवों की बनाई गई है सारी बातो का जिक्र इसमें किया गया है। ओर सरकार ने इतनी सतर्कता दिखाई है ताकि बीस सूत्री कार्यक्रम मे कही डिले न हो। अगर कही डिले होगी तो सचिवों की ओर

नोन–ओफि ियल मैम्बर्ज की कमेटी फिजिकल वैरिफिके ान करेगी । उपाध्यक्ष महोदय, राज्यपाल ने जो अभिभाशण दिया हैं ओर चोधरी ई वर सिंह जी ने उसका जो अनुमोदन किया हैं मैं उससे पूर्ण सहमति प्रकट करते हुए अपना स्थान लेती हूं।

वाक आउट

श्री मनफुल सिंह: उपाध्यक्ष महोदय, हमारी पार्टी ने भी लिस्ट दे रखी है। आप मुझे पांच मिनट बोलने दे। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री उपाध्यक्ष: आपके दो मैम्बर बोल चुके है। ग्यारह मैम्बर अपोजि ान पार्टी के बोल चुके है। बारह बजे का टाईम चीफ मिनिस्टर साहब के बोलने के लिए फिक्स किया हुआ है।

श्री राम बिलास भार्मा: उपाध्यक्ष महोदय, बारह का अंक ठीक नहीं है। आप थोडा सा समय हम लोगों को दे दीजिए। मुख्ममंत्री बाद में बोल लेगे। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री उपाध्यक्ष: आपकी तरफ से काफी मैम्बर्ज बोल चुके हैं। बारह बजे का टाईम मुख्यमंत्री के लिए फिक्स किया हुआ है। (ाोर एवं व्यवधान) इस समय 12.05 बज चुके है।

श्री राम बिलास भार्मा: उपाध्यक्ष महोदय, यह बहुत ही कंट्राडिक्टरी डाकूमैंट है। इसके बारे में बहुत ही सनसनीखेज बातें

करना चाहते हैं। हम आपसे कल से प्रार्थना कर रहे है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री उपाध्यक्षः अब मैं मुख्यमंत्री महोदय से प्रार्थना करूंगा कि वे जवाब देना भाुरू करें।

प्रो0 सम्पत सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, आप पांच पांच मिनट का टाईम इस मौके पर बोलनेके लिए दे दें। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री उपाध्यक्षः अगर विदइन टाईम जितने सदस्य बोले है वे बोलते तो और भी सदस्य बोल लेते । तीस मिनट में छह मैम्बर बोल सकते थे लेकिन केवल तीन मैम्बर्ज ही बोलें है अब मुख्यमंत्री जी अपना भाशण भाुरू करें (ाोर एवं व्यवधान)

श्री राम बिलास भार्माः उपाध्यक्ष महोदय, लोगों की जिन्दगी का सवाल है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री उपाध्यक्षः प्रो0 साहब, दो बीजेपी के मैम्बर बोले हैं। चार मैम्बर आपकी पार्टी के बोले है। और पांच मैम्बर उधर से बोले है। इस तरह से ग्यारह मैम्बर्ज अपोजि ान के बोले है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री मनफूल सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, मुझे तो बोलने का टाईम ही नहीं दिया गया। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री उपाध्यक्षः आपको टाईम मिलना चाहिए था लेकिन आपकी तरफ से कोआप्रे ान नहीं मिला। अगर थोडा थोडा हरके मैम्बर बोलता तो छह मैम्बर्ज कवर हो सकते थे। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री मनफूल सिंहः डिप्टी स्पीकर साहब, आप मुझे पांच मिनट ही दे दें।

श्री उपाध्यक्षः मैंने तो कहा था कि हरके मैम्बर पांच पांच मिनट बोल ले लेकिन आप लोगों ने माना ही नहीं। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री राम बिलास भार्माः अगर आप टाईम नहीं देते तो मैं वाक आउट करता हूं।

(इस समय श्री राम बिलास भार्मा सदन से वाक आउट कर गए)

राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनराम्भ)

श्री मनफूल सिंहः डिप्टी स्पीकर साहब, मुझे थोडा सा समय बोलने के लिए दे दें।

श्री उपाध्यक्षः चौधरी मनफूल सिंह जी आप बजट पर बोल लेना। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री मंगल सैनः डिप्टी स्पीकर साहब, मुख्यमंत्री को तो काफी बोलने का समय मिलेगा। बजट पर इनको बोलने का मौका मिलेगा। उपाध्यक्ष महोदय, एक दिन हमें मिला था वह नो–कोन्फिडन्स मो ान पर लग गया।

श्री उपाध्यक्षः मैंने रिक्वैस्ट की थी कि पांच छह मैम्बर्ज बोल सकते है लेकिन किसी ने कोआप्रे ान नहीं दी। बारह बजे का टाईम लीडर आफ दि हाउस के लिए फिक्स किया था I would request the hon. Members to hear the reply of the Hon. Chief Minister. I have already called upon him to speak.

श्रीमति चन्द्रावतीः उपाध्यक्ष महोदय, मनफुल सिंह और किताब सिंह को पांच पांच मिनट दे दीजिए। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री उपाध्यक्षः बहन जी अगर पांच पांच मिनट वाली बात मान जाते तो समस्या हल हो गई थी लेकिन मुझे कोआप्रे ान नही मिला। मैं सदन को अ योर करता हूं कि ये सारी बातें बजट पर कह लेंगे। (ाोर एवं व्यवधान) मनफूल सिंह जी, मैं लीडर आफ दी हाउस को बोलने के लिए कहा चुका हूं। आपको बोलने का समय नहीं मिला है। मैं आ वासन देता हूं कि आपकी बजट स्पीच पर डिस्क ान के समय ज्यादा टाईम दिलवाउंगा। (ाोर)

मुख्यमंत्री चौधरी भजन लालः आदरणीय उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके द्वारा लीडर आफ दी पार्टीज से अनुरोध करूंगा कि वे अपनी अपनी पार्टी के मैम्बर साहेबान को चुप करवाएं। जब ये बोल रहे थे तो हमारी पार्टी के कोई भी सदस्य बीच में नहीं

बोले। मुझको बोलने के लिये 12 बजे का समय फिक्स किया हुआ था। (ाोर एवं व्यवधान)।

Mr. Deputy Speaker: When I am on my legs, every hon. Members is suspended to sit down. This is not the way. Members are speaking without my permission. Now, the Leader of the House is replying please cooperate with me and let him speak. (Noise and Interruptions).

सिंचाई तथा बिजली मंत्री (चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवाला): डिप्टी स्पीकर साहब, जब लीडर आफ दी हाउस बोलने के लिये खडे हुए है तो ये अपोजि ान वाले बीच बीच में उठकर जानबूझ कर इंट्रप्ट कर रहे हैं डेलीबीरेटली इस तरह का वातावरण क्रिएट कर रहे हैं ताकि मुख्यमंत्री महोदय न बोल सके। जब तब आप इसके खिलाफ कार्यवाही न करेंगे तब तक ये हाउस की कार्यवाही को चलने नहीं देंगे। (ाोर एवं व्यवधान) इस समय बहुत से अपोजि ान के मैम्बर साहेबान उठकर फिर बोलने के प्रयास करने लगे।

सेठ राम दास धमीजा: डिप्टी स्पीकर साहब, ट्रैजरी बैनचिज के 60 मैम्बर्ज है तो इनके केवल 30 मैम्बर्ज है। अगर तीन घंटे का समय भी निि चत हो तो उसके हिसाब से दो घंटे हमें मिलने चाहिये और एक घंटे का समय इन्हें मिलना चाहिये। (ाोर एवं व्यवधान)

(इस समय श्री अध्यक्ष पदासीन हुए)

श्री मनफूल सिंहः अध्यक्ष महोदय, मुझे पिछले तीन दिनों से यहां हाउस में बोलने के लिये समय नही मिला है क्या मैं इसका रीजन पूछ सकता हूं। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः मनफूल सिंह जी आप जरा बैठिये। देखिये साहेबान, जो तरीका हमने यहां पर अडोप्ट कर रखा है यह कोई ठीक नहीं। आप देखिए कि कितना टाईम अपोजि ान वालों को यहां पर बोलने के लिये दिया गया है। अगर आप यह चाहते है कि मैं सारे नाम मैम्बर वाईज पढ कर सुनाऊं तो मैं वह भी सुना देता हूं। अगर आप यह चाहते है कि हरके मैम्बर हर इ ा पर बोले तो हम सब को इतना ज्यादा टाइम नहीं दे सकते। चाहे मैं हूं, चाहे डिप्टी स्पीकर साहब हो। फिर भी हमने अपोजि ान वालों को ज्यादा से ज्यादा टाईम देने की कोि ा ा की है सारे मैम्बरों को बुलवाने की हर सम्भव कोि ा ा की है। फिर भी मैं मोटे तौर पर कल जिन मैम्बर साहेबान को बोलने का समय दिया गया। उसकी पोजी ान बता देता हूं कल कांग्रेस को 98 मिनट और अपोजि ान को 187 मिनट बोलने के लिये दिये गये थे। इसके बावजूद भी अगर आप कोआप्रेट न करें तो यह कोई अच्छी बात नहीं है। अगर मनफूल सिंह जी रह गये है तो मैं उनको पूरा वि वास दिलाता हूं कि बजट पर डिस्क ान के सयम उन्हें ज्यादा से ज्यादा टाईम देने की कोि ा ा करूंगा। जो मैम्बर साहेबान इस समय नहीं बोले है उनको उस वक्त एकम्मोडेट करने का पूरा

प्रयत्न करेंगे। इसलिए आप सब कृपया मेरे से कोआप्रेट करें। (ाोर एवं व्यवधान)

नेमिग आफ मैम्बर

श्री मनफूल सिंहः स्पीकर साहब, मेरा निवेदन है कि ..... . (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः मनफूल सिंह जी आप बैठिये। अगर आपने फिर इन्ट्रप्ट करने की इस तरह से कोि ा ा की तो मैं आपको नेम करने से गुरेज नहीं करूंगा (ाोर एवं व्यवधान)

(The hon. Member, Shri Manphool Singh, did not resume his seat but tore, the copy of the Governor's Address).

Mr. Speaker: I name Shri Manphool Singh. He may please with draw from the House.

(The hon. Member did not withdraw from the House.)

Mr. Speaker: Please take him out.

(At this stage, the Serjeant-at-Arms went towards the hon. Member but before he reached his seat, the hon. Member withdraw from the House.)

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, आप ने अभी जो कुछ फरमाया और उसके बाद आप को दुर्भाग्यव ा एक मैम्बर साहब को नेम भी करना पडा और ऐसी सिचुऐ ान डिवैल्प हुई। जिस

बात को लेकर के इस तरह का वातावरण क्रिऐट हुआ, उस पर आप फिर से विचार करें क्योंकि मैम्बर साहेबान को बोलने के लिये समय नहीं मिला जिसके कारण से वे अपने हल्के की अपनी स्टेट के हित की बातें करने में महरूम रह गये। अगर आप थोडे से जैन रस होकर मैम्बर साहेबान को बोलने का समय दिया करें तो यह प्रोबाल्म यहां पर खडी न होती।

श्री अध्यक्षः डाक्टर साहब, अगर इस मामले में मैं और डिप्टी स्पीकर साहब, जैनरस नहीं है तो भाायद और कोई स्पीकर इस तरह जैनरस हो ही नहीं सकता। (ाोर एवं व्यवधान)

श्रीमति चन्द्रावतीः अध्यक्ष महोदय, जो बैक बैनचर्ज है कम से कम इस मामले में आप को उनका ज्यादा ध्यान रखना चाहिये। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः आप बैठिए।

राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनराम्भ)

मुख्यमंत्री (चौधरी भजन लाल): आदरणीय अध्यक्ष महोदय, राज्यपाल महोदय ने 12 मार्च 1984 को इस हाउस में अपना अभिभाशण दिया और उस पर पिछले कई दिनों से चर्चा भी चल रही है। 12 मार्च के बाद जितने भी माननीय सदस्य बोले है हमने उन सब को बहुत ही भाान्तिपूर्वक ढंग से सुना है। अध्यक्ष

महोदय, आप जानते है कि प्रजातन्त्र में, प्रजातन्त्र की प्रणाली में अपोजि ान का भी एक अहम रोल होता है। उनके भी कुछ फर्ज होते है और उन फर्जों को उन्हें निभाना भी चाहिये लेकिन अध्यक्ष महोदय आप जानते है कि इस हाउस की कुछ गरिमा, परम्पराएं होती है। कुछ सिंद्धात होते हैं और कुछ मर्यादाएं भी होती है लेकिन जैसे ही हमारे राज्यपाल महोदय यहां पर पधारे और जिस तरह का प्रद र्ान माननीय अपोजि ान के भाईयों ने यहां पर किया वह बडा ही खेदजनक था। अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय सदस्यों से प्रार्थना करूंगा कि वे बीच में न बोलें। जब वे बोल रहे थे तो हमारी तरफ से किसी ने भी उनको बीच में नहीं टोका। अगर किसी ने कोई बात कहनी हो तो बाद में कह लें। वैसे में ऐसी कोई बात कहना भी नहीं चाहता जिससे किसी माननीय सदस्य को किसी प्रकार की ठेस पहुंचे। लेकिन जिस तरह से इन्होंने हाउस के वातावरण को बनाने की कोि ा ा की उसकी मैं कठोर भाब्दों में निन्दा करता हूं कि वह माहौल ठीक नही था। राज्यपाल महोदय, का एक दायित्व है। जब भी नये साल का सै ान भाुरू होता है तो राज्यपाल महोदय हाउस में आकर.....

श्री मंलग सैनः स्पीकर साहब, आन ए प्वायंट आफ आर्डर, सर। मैं आपकी रूलिंग चाहता हूं कि मुख्यमंत्री जी अपोजि ान के रोल को कंडैम करते हैं क्या हमें भी इस बात के लिए आपकी इजाजत होगी कि गवर्नर साहब का जो रोल है उसको हम कंडैम करें? फिर हमें कोई एतराज नहीं होगा।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, डा0 साहब तो बडे पुराने मैम्बर है यह क्या प्वायंट आफ आर्डर हुआ। हमने डा0. साहब की बातें बडी हिम्मत से बैठ कर सुनी थी। इनको भी हमारी बात भाान्ति से सुननी चाहिए। अध्यक्ष महोदय, राज्यपाल महादेय हाउस में आकर सरकार की जो भी नीतियां है पालिसी है या प्रोग्राम है उनके बारे में यहां बताते है कि सरकार ने अब तक क्या किया और आगे क्या करना चाहती है। राज्यपाल महोदय ने बहुत ही भाानदार तरीके से इन सारी बातों के बारे में यहां कहा था। अध्यक्ष महोदय, आप जानते है कि सदन में सब से ज्यादा जोर ला एंड आर्डर पर दिया गया और वि ोशकर आज कल के हालात पर दिया गया। यहां पर पंजाब और हरियाणा के हालात की खासतौर पर चर्चा हुई। अध्यक्ष महोदय आप जानते है कि पडौसी प्रदे ा पंजाब हमारा बडा भाई है। हम वहां के लोगों का बडा आदर और सम्मान करते हैं लेकिन पिछले अढाई सालों से जिस तरह का वातावरण पंजाब में है उससे सारा दे ा चिन्तित है। दे ा यह चाहता है कि किसी तरह से भी हमारा भाईचारा, हमारी परम्पराएं हमारी सदभावना और मैत्री बनी रह लेकिन कुछ मुटठी भर लोग दे ा के अन्दर वातावरण को बिगाडना चाहते है। कोई भी गुरू का ि ाश्य यह नहीं चाहेगा कि दे ा के अन्दर गडबड की जाए। सिक्ख गुरूओं का एक बडा महान इतिहास है। जिसके बच्चे दीवारों में चिनवा दिए गए हो जिसने दे ा की आजादी के लिए कुर्बानी दी हो और सरदार भगत सिंह जैसे भाहीद ने हंस कर फांसी को चूमा हो और जनरल डायर को इंगलैंड में जाकर गोली

मारना कोई छोटी बात नहीं है। ऐसे आदमी इस बात को कैसे बर्दा त कर सकते है कि हमारे दे ा में कोई गडबड करे। आज कुछ मुटठी भर लोग बाहर के मुलको के इ ाारे पर दे ा के वातावरण को खराब करने की कोि ा ा कर रहे हैै। अध्यक्ष महोदय, आप जानते है कि जिस तरह का वातावरण आज पंजाब में हो रहा है इससे सारे दे ा की जनता को बडा भारी दुख है। उसका थोडा सा असर हरियाणा में भी पडा और उसकी वजह से जो हरियाणा में घटनाएं हुई उनको लेकर हम और भी चिन्तित है हमें बडा दुख है। अकाली तो यही चाहते है कि यहां का वातावरण बिगडे और उसका असर दूसरे प्रान्तों में पडे ताकि सारे दे ा में बदअमनी फैल जाए और उनका मसला हल हो जाए। कुछ लोगों ने हमारे यहां पर भी इस तरह का वातावरण बिगाडने की कोि ा ा की लेकिन आप देखते है कि हरियाणा सरकार ने उसी वक्त पूरा एक ान लिया। अध्यक्ष महोदय, गुरद्वारे, मन्दिर, मस्जिद और गिरजा घर जो हमारे पजा के स्थल है जहां बैठकर भगवान का कीर्तन होता है भजन होता है और पूजा पाठ होता है और वहां के लोगों को प्ररेणा मिलती है अगर उन्हीं को जलाया जाए तो इससे ज्यादा दुख की बात और नहीं हो सकती। ऐसे पवित्र स्थानों में अगर बदमा ाों के अडडे हो जाएं और गुनाह करके वे इनमें छिप जाएं तो इससे बुरी बात और क्या हो सकती है। आज सभी दे ावासियों का फर्ज बनता है कि हम दे ा की एकता को मजबूत रखें। दे ा की आजादी के लिए कितनी माताओं के बेटों ने फांसी को चूमा लेकिन आज कुछ लोग उसी दे ा को छिन्न

भिन्न करना चाहते है। अध्यक्ष महोदय, जैसे मैं अर्ज कर रहा था कि पंजाब की हालात को मुददे नजर रखते हुए उसका रिएक ान कुछ हरियाणा में भी हुआ लेकिन आप देखते है कि केंद्रीय गृह मंत्री आप और मैं पानीपत के मौके पर गये थे। वहां 8 जानें चली गई जिसका हमें बडा दुख है लेकिन हमने एकदम आदे ा दिया कि अगर कोई भी आदमी धर्म स्थलों को या दूसरी प्रोपर्टी को नुकसान पहुंचाने की कोि ा ा करे तो उसे देखते ही गोली मार दी जाए। जलसे जलूस न हो और वातावरण को बिगाडने को कोि ा ा न की जाए। आप देखते है कि हमारे प्रयत्नों से आज प्रान्त में पूरी तरह से अमन है। इसी बीच हमारे डिप्टी स्पीकर साहब, चौधरी वेदपाल और बहिन भाान्ति जी पर हमला हुआ जिसके बारे में हमने पहले ही चर्चा की है और आज भी मैं इस बात के लिए बडा भारी चिन्तित हूं। मुझे दुख है कि कुछ ऐसे लोग जो बगैर किसी मतलब के बेगुनाह लोगों पपर यूं ही हमला कर दें और जान से मार दें। इससे बुरी बात दुनिया में और क्या हो सकती है। इस मामले में हम काफी नजदीक पहुंचे है औरमुलजिमों को पकडने के लिये हमें कुछ सुराग मिले है। मुझे हमारे एडमिनिस्ट्रे ान पर और पुलिस पर पूरा भरोसा है कि हम बहुत जल्दी असली मुलजिमों पर काबू पर लेंगे। इसके साथ साथ स्पीकर साहब आप जानते है कि अपोजि ान के भाई यहां बैठे हुए है ये जब यहां पर बोलते है तो और बात करते है और जब इनके लीडर बोलते है तो वह और तरह की बात करते है। हर आदमी यही कहता है कि प्रधानमंत्री को पंजाब का मसला हल करना

चाहिए लेकिन सुझाव कोई नहीं देता। ये तो सोच रहे है कि जैसे अकाली प्रधानमंत्री ही बहुत बडी मुजरिम हों। कोई सुझाव दे कि ऐसा किया जाए तो यह फैसला हो सकता है। इनको बताना चाहिए कि इसके लिये कोई रास्ता है या नहीं। ये सिर्फ यही कहते हैं कि इसके लिये प्रधानमंत्री जी जिम्मेवार है लेकिन मैं इनसे पूछता हूं कि क्या आपकी जिम्मेवारी नहीं है? (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, मैं एक बार फिर प्रार्थना करूंगा कि ये भाई मुझे बीच में टोकने की कृपा न करें। अध्यक्ष महोदय, ये प्रधानमंत्री जी को रास्ता बताएं अगर कोई जायज बात होगी तो फैसला हो सकता है। जो अकालियों की जायज मांगे थी वह प्रधानमंत्री ने मानी भी थी लेकिन उनकी किसी मांग को हरियाणा की कीमत पर प्रधानमंत्री जी कैसे मान सकती है। प्रधानमंत्री जी ने कितनी बार कहा है कि उनकी जायज मांगे मान ली गई है और जो जायज मांगे और भी होगी उनको भी मानने के लिए तैयार हूं। लेकिन किसी प्रदे ा की कीमत पर कैसे कोई फैसला करें। आज चंडीगढ और फाजिल्लका अबोहर का मसला है। आज अगर अकाली यह कहें कि चंडीगढ तो हमें मिला हुआ है और फाजिल्लका अबोहर भी हमारा है यह बात कैसे सम्भव हो सकती है। हमने कभी भी हरियाणा बनाने की मांग नहीं की थी अकालियों ने कहा था कि पंजाब सूबा अलग बनाओ। प्रधानमंत्री जी को मजबूर होकर भााह कमि ान के नाम से एक कमी ान बनाना पडा। उस कमी ान ने अपना फैसला दिया कि चंडीगढ और खरड तहसील हरियाणा के है तथा हिन्दी बोलने वाले इलाके भी हरियाणा के है। अकालियों

ने कह दिया कि हम तो इस बात को नहीं मानते। सन्त फतेह सिंह को उन्होंने जलने के लिए बैठा दिया। वे कहने लगे कि सन्त जी जल कर मरेंगे वरना चंडीगढ उन्हें दो जैसे दो साल का बच्चा कहता है कि या तो मुझे खिलौना लाकर दो वरना मैं रोता रहूंगा। फिर भी प्रधानमंत्री ने माइनोरिटी कम्यूनिटी का ख्याल रखते हुए उनकी उस बात को माना और चंडीगढ पंजाब को दे दिया। उसके बदले में हरियाणा को 107 गांव फाजिल्का अबोहर के और 7 गांव चंडीगढ के इलाके के यानि कुल 114 गांव हरियाणा को दिये। उस समय पंजाब में अकाली मुख्यमंत्री सरदार गुरनाम सिंह थे। उन्होंने इस बात को माना और बडी खु ी के साथ पंजाब में दीवाली मनाई गई। उस बात का हरियाणा में रीएक ान हुआ और 12 आदमी गोलियों से मरे। बडी मु कल से सिचुए ान को कन्ट्रोल में किया गया। हमने जनता को कहा कि ने ान के हित में हमें इन बातों को मानना चाहिए।

श्रीमति चन्द्रावतीः जनाब स्पीकर साहब, मुख्यमंत्री जी उन बातों के बारे में बोल रहे है। जब पंजाब हरियाणा बना था। प्रधानमंत्री जी को आज से 16 साल पहले जो फैसला हो चुका था उसको इम्पलीमैंट करने में क्या दिक्कत आती थी। आज पंजाब हरियाणा में जो ऐसी बातें हो रही है उसके लिए प्रधानमंत्री जी की जिम्मेवारी है। (ाोर)

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मैं आपसे यह अर्ज कर रहा था। (ाोर) आप इस तरह से बीच में न बोले। आज

आप फैसला इम्पलीमैंट करने की बात कर रहे है। आप भी मंत्री रही है उस वक्त यह फैसला इम्पलीमैंट क्यों नहीं किया। यह कोई तरीका नहीं है। आप इस तरह से बीच में न बोले। अध्यक्ष महोदय, मैं यह अर्ज कर रहा था कि ये इलाके हमें मिलें लेकिन फिर भी पंजाब के अकाली उसी बात को दोबारा कहें कि ये इलाके उन्हीं के है। अध्यक्ष महोदय, जब अकाली सरकार में होते है जब वे कुर्सी पर कायम होते हैं उस वक्त वे इस बात की कोई चर्चा नहीं करते। आप सब लोग इस बात को अच्छी तरह से जानते है कि जब सरकार प्रका ा सिंह बादल पंजाब के मुख्यमंत्री थे और हरियाणा के चौधरी देवीलाल जी मुख्यमंत्री होते थे और श्री बरनाला साहब सैन्टर में मंत्री हुआ करते थे उनके पास इरीगे ान तथा एग्रीकल्चर का महकमा होता था उस वक्त उन्होंने एक दिन भी यह नहीं कहा कि पंजाब के साथ एसवाईएल नहर के पानी के मामले में ज्यादती हो गई है। और वे हरियाणा को उस नहर का पानी नहीं देगें। अध्यक्ष महोदय, उन्होंने नहर खोदने के लिए जमीन भी एक्वायर की थी और हरियाणा सरकार ने उसके लिए दो करोड रूपये दिए थे इसके अलावा मैं एक बात जो रिकार्ड पर है वह कहना चाहता हूं कि उस नहर की खुदाई के लिए तारीख भी नि चत हो गई थी कि फलां दिन चौधरी देवीलाल जी की अध्यक्षता में जलसा होगा और प्रका ा सिंह बादल उस नहर की खुदाई के लिए कस्सी मारकर उदघाटन करेंगे। अध्यक्ष महोदय, नहर की खुदाई के लिए पैसा दिया गया हो, जमीन भी एक्वायर कर ली गई हो और उसके बाद जब कुर्सी से उतर गए तो यह

कहते है कि हम उस बात को नहीं मानते। अध्यक्ष महोदय, उसके लिए बात सिर्फ कुर्सी की है। इसके अलावा आजकल जो वातावरण है वह केवल कुर्सी का ही उनके सामने नहीं है। आज उनकी मं ाा कुछ और है। सारी बातें बाहर के दे ाों के इ ाारे पर चाहते है। हमारा पडोसी दे ा पाकिस्तान है। जब पाकिस्तान के दो टुकडे हुए उसका इल्जाम हिन्दुस्तान पर लगाया गया कि हिन्दुस्तान ने पाकिस्तान के दो टुकडे कर दिए। अध्यक्ष महोदय, चीन, पाकिस्तान और अमरीका यह क्यों चाहेंगे कि हिन्दुस्तान मजबूत हो वे तो यही चाहते हैं कि किसी तरह से हिन्दुस्तान के भी दो टुकडे हो जांए और हिन्दुस्तान कमजोर हो जाए। इसलिये मैं यह कहना चाहता हूं कि अकालियों की मं ाा और नीयत साफ नहीं हैं अगर उनकी नीयत साफ हो तो भारत सरकार ने उनसे कितनी बार कहा है कि आप आएं और हमारे साथ बैठकर बात करें लेकिन वे भारत सरकार के साथ बात करने के लिए तैयार नहीं है। अध्यक्ष महोदय, त्रीपक्षीय वार्ता जब भी होती है उसके बारे में चौधरी देवी लाल जी, डा0 मंगल सैन जी और श्रीमति चन्द्रावती जी को पता है हमने भी कई बार आपस में बैठ करके बातें की है। अध्यक्ष महोदय, मैं हमारे हरियाणा प्रान्त के अपोजि ान के लीडर्ज का बडा आभारी हूं कि उन्होंने हरियाणा प्रान्त के हितों के लिए डट कर हमारा साथ दिया है और हमारी बात में बात मिलाई है। मैं सच्ची बात कहने में न कोई गुरेज नहीं करता जो सच्ची बात हो वह कहनी चाहिए। इन्होंने हमारा डट कर साथ दिया है क्योंकि हम सब को इंट्रैस्ट कामन है। अध्यक्ष

महोदय, त्रीपक्षीय वार्ता में हमने एक बार एक बात कही थी उसके बारे में डा0 मंगल सैन जी को पता है हमने सैन्ट्रल लीडर्ज को यह कहा था कि आप अकालियों को हमारे सामने बैठा कर उनके साथ हमारी बात करवाएं, अगर वे हमारी एक बात का भी जवाब दे दें तो आपकी जो मर्जी में आए वह फैसला आप दे दें। लेकिन जब अकालियों को हमारे सामने बैठकर बात करने के लिये कहा गया तो उन्होंने कहा कि हम उनके सामने बैठकर बात नहीं करते। अध्यक्ष महोदय, जब वे हमारे सामने बैठ कर बात भी न करें और कहें कि हम सब कुछ लेना चाहते है तो हरियाणा के लोग कहां जाएं। आप यह जानते है कि हरियाणा भी इस दे ा का एक हिस्सा है। हम चाहते है कि किसी तरह से इन बातों को हल हो जाए ताकि वातावरण ठीक हो। लेकिन अध्यक्ष महोदय, यह नहीं हो सकता कि जो बात अकाली कहें वह हो जाएं, यह कैसे हो सकता हैं। ऐसा होना मुनासिब भी नहीं है। मैं सदन की यह बताना चाहता हूं कि जहां तक हरियाणा के हितों का सवाल है वे प्रधानमंत्री जी के हाथों में बिल्कुल सुरक्षित है। हरियाणा के हितों का कुठराघात किसी भी कीमत पर नहीं हो सकता। (ाोर एवं विघ्न)

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। मुख्यमंत्री जी हमें एक बात का आ वासन दें कि हरियाणा के हितों के विरूद्ध अगर कोई फैसला होता है तो एज ए प्रोटैस्ट मुख्यमंत्री जी त्यागपत्र दे देंगे हम भी इनका साथ देंगे (ाोर)

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, आप जानते है और डा0 साहब भी जानते हैं कि मैंने सैन्टर के लीडर्ज के सामने कितनी कडाई के साथ और कितनी मजबूती के साथ हरियाणा का केस प्रेजैंट किया है। इस बात के लिए आप मुझे जरूर दाद देंगे कि मैंने कितनी मजबूती के साथ हरियाणा के केस को प्लीड किया है। मैं सदन को यह भी बताना चाहता हूं कि आगे हम इससे भी ज्यादा मजबूत रहेंगे। कमजोरी दिखाने का सवाल ही पैदा नहीं होता। (ाोर) हमें पूरा भरोसा है कि हरियाणा के साथ बेइन्साफी नहीं हो सकती। अगर हरियाणा के साथ कोई बेइन्साफी होती तो कभी की हो जाती। (ाोर एवं विघ्न)

श्री हीरा नन्द आर्यः स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। क्या इन्होंने एसवाईएल नहर को खुदवा दिया है। यह कहते है कि हमें पूरा भरोसा है कि हरियाणा के साथ बेइन्साफी नहीं होगी। यह बेइन्साफी नहीं तो और कया है।

चौधरी भजन लालः आप भी मंत्री रहे हैं और आपके लीडर चौधरी देवीलाल जी भी मुख्यमंत्री रहे हैं क्या आप लोगों ने उसको खुदवा दिया। (ाोर) चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी जानते है मैंने उस वक्त भी जब चौधरी देवीलाल जी मुख्यमंत्री थे उस नहर को खुदवाने के लिए पूरी कोि ा ा की थी और उस वक्त मैंने सैन्टर के मिनिस्टरों की 5–6 बार मीटिंग भी करवाई थी। अध्यक्ष महोदय, मैं हाउस से एक प्रार्थना करना चाहता हूं कि हरियाणा प्रदे ा के हित में वातावरण को ठीक बनाने में ये हमारा साथ दें

और सहयोग दें ताकि हम सब चाहे कोई हिन्दू हो, चाहे कोई मुसलमान हो, चाहे कोई सिख हो या कोई ईसाई हो हम सब आपस में मिल कर एक जगह बैठ कर प्रदे ा के हित की और प्रदे ा की तरक्की की बात करें और आपस में भाईचारे को कायम रखें। हमारे दिल में किसी प्रकार की द्वेश की भावना नहीं आना चाहिए। आप सभी जानते हैं कि सिख और हिन्दू में कोई अन्तर नहीं है। वे एक ही मां के दो बेटे है। एक ने दाढी रख ली वह सिख बन गया और दूसरा मोना है उसको हिन्दू कहते हैं। (ाोर एवं विघ्न) अध्यक्ष महोदय, ये लोग आदत से लाचार है। अध्यक्ष महोदय, एक मु कल आ गई, जो आदमी पहली बार एमएलए बन कर आ गया उसको यह पता ही नहीं है कि एमएलए की फंक ानिंग क्या होती है। उसका बीच में बोलने का क्या मकसद है? (ाोर एवं विघ्न)

श्री राम बिलास भार्मा: अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। अभी मुख्यमंत्री जी ने एक माननीय सदस्य के बारे में यह कहा है कि पहली बार एमएलए बनकर आ गया उसको एमएलए की फंक ानिंग का पता नहीं है यह एक्सपंज होना चाहिए।

श्री अध्यक्ष: भार्मा जी, इन्होंने किस सदस्य के बारे में कहा है। मैं कहता हूं कि यह कोई प्वायंट आफ आर्डर नहीं है। (ाोर एवं विघ्न)

श्री राम बिलास भार्मा: इन्होंने श्री बलवीर सिंह ग्रेवाल के बारे मे कहा है। वे अभी आपके सामने खडे होकर कुछ कहना चाहते थे। उस वक्त मुख्यमंत्री जी ने उनको यह बात कही है। हम भी नए मैम्बर है और पहली बार चुनकर आए है। इनको हमारे बारे में ऐसा नहीं कहना चाहिए। (ाोर एवं विघ्न)

चौधरी बलवीर सिंह ग्रेवाल: अध्यक्ष महोदय, इन्होंने मुझे यह कहा है कि एक मु कल आ गई कि एमएलए की फंक निंग का कुछ पता ही नहीं है। यह रिकार्ड नहीं होना चाहिए। (ाोर एवं विघ्न)

श्री अध्यक्ष: मि0 ग्रेवाल मैं आपको कई दफा कह चुका हूं कि आप खमो ा रहें। कृपया आप बैठ जाएं। (ाोर एवं विघ्न)

चौधरी भजन लाल: अध्यक्ष महोदय, मैं तो इनको यह कहता हूं कि इन नए नए एमएलएज के लिए क्लासिज लगानी पडेगीं। (ाोर) आप सुनने की कृपा करें। मैंन ऐसी कोई बात नहीं कही। मैंने यह कहा है कि जो नए एमएलएज है वे पहली बार एमएलए बन कर आए है। इसमें मैंने क्या बुरी बात कह दी। (ाोर) इन माननीय सदस्यों को कम से कम हाउस की गरिमा और हाउस की फंक ानिंग का पता होना चाहिए। जब आपको बोलने की इजाजत न मिले तो आप क्यों बोलते हैं। (ाोर)

श्री अध्यक्ष: मैम्बर साहेबान, मुझे महसूस हो रहा है कि मेरी तरफ से आपको इतनी कोआप्रे ान मिलने के बावजूद भी

आप ऐसी बातें कहते हैं। अगर मुख्यमंत्री जी ने यह कह दिया कि कई मैम्बर पहली बार चुन कर आए हैं तो इसमें डेरोगेटरी बात क्या है।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मैंने ऐसी कोई बात नहीं कही है। मैंने तो यह कहा है कि इनको हाउस की गरीमा को कायम रखना चाहिए। इतना ही कहा है इसके अलावा और कुछ नहीं कहा। अध्यक्ष महोदय, कई माननीय सदस्य बैठे बैठे यह बात कह दें कि हरियाणा में जो कुछ हो रहा है वह सरकार करवा रही है इससे बुरी बात और क्या हो सकती है? यह कितनी बेबुनियाद और कितनी गलत बात है। अपोजि ान के भाईयों को बडी जिम्मेदारी के साथ बात कहनी चाहिए। यहां हाउस में इनके सामने लिखा हुआ है कि या तो सभा में बोला न जाए अगर बोलें तो वह बात बोलें जिसमें सच्चाई हो। इसलिये माननीय सदस्यों को सच्च बोलना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, जहां तक दूसरी बातों का ताल्लुक है उसके बारे में भी मैं हाउस को बताना चाहूंगा। दे ा के हर सूबे ने बहुत तरक्की की है। हमारे सूबे ने भी बहुत ज्यादा तरक्की की है। अपोजि ान के भाईयों ने किसानों की चर्चा करते समय मगरमच्छ के आसूं बहाने भाुरू कर दिये। इन का भी दो साल का समय आया था। इनके समय में भी बाढ आयी थी। इनमें से कुछ सदस्य किसानों की चर्चा करके किसानों को राहत देने की बात कह कर वाक आउट करते है या मर्यादा की बातें करते है ताकि अखबार की सुर्खियों में उनका नाम आ जाये। किसानों की जितनी

मदद आज की सरकार ने की है। उतनी मदद कभी किसी ने नहीं की। बाढ के सम्बन्ध में जितना काम हमने किया है। वह सबके सामने है। पानी को निकालने का हमारा एक रिकार्ड है। रात दिन मंत्री और विधायक इस समस्या के समाधान के लिए बार फुटिंग पर लगे रहे हैं। हमने हर जगह पर जहां पर बाढ आयी थी लोगों को दवाईयां, आटा और प ाुओं के चारे आदि का प्रबन्ध किया। सरकार जितनी मदद कर सकती थी वह सरकार ने की। इस बात के डा0 साहब भी गवाह होंगे कि मैं रोहतक में तीन दफा गया था और मेरे साथ डा0 साहब भी थे। सोनीपत, गोहाना और जीन्द आदि जहां पर बाढ आयी थी हम वहां पर गए थे और लोगों को राहत पहुंचायी है।

श्री मंगल सैनः अध्यक्ष महोदय, बाढ आने से पहले मैंने इनको कहा था बाढ आयेगी इसका आप कोई इन्तजाम पहले से कर दें। इसके उत्तर में इन्होंने कहा कि बाढ नहीं आयेगी। इनके कहने के बाद भी बाढ आ गयी। (हंसी)

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, बाढ एक ऐसी चीज है जिसे कोई नहीं रोक सकता। अब कि बार बारि ा ही बहुत ज्यादा हुई थी। (ाोर)

श्रीमति चन्द्रावतीः आन ए प्वायंट आफ आर्डर, सर। यदि अब भी ये ड्रेन खुदवा दें तो फिर बाढ की स्थिति नहीं आयेगी।

श्री हीरा नन्द आर्यः ..... (ाोर)

श्री अध्यक्षः जो कुछ मेरी परमि ान के बगैर बोला गया है वह रिकार्ड न किया जाये।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, बाढ का जितना बार फुटिंग पर काम हमने किया है उसके बारे में चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवाला जी ने भी बताया है। बाढ के समय 9 लाख एकड जमीन में पानी भर गया था। सरकार ने बराबर कोि ा ा करके सारे पानी को जमीन से निकाला और अब केवल 1500 एकड जमीन से पानी निकालना रहता है और वह भी 2 एकड जमीन में कहीं पर पानी खडा हैं 5 एकड जमीन में पानी कहीं पर खडा है। इससे बडी बात सरकार के लिए और क्या हो सकती है कि 9 लाख एकड जमीन में पानी हो और अब सिर्फ 1500 एकड जमीन से ही पानी निकालना रहता हो। जहां पर बाढ आयी वहां पर हमने किसानों को मालिया और आबयाना भी माफ किया है। खाद और बीज पर किसानों को सबसिडी भी दी है ताकि किसानों को कुछ राहत मिल सकें। ओलावृश्टि से जो नुकसान होता है तो उसके लिए भी सहायता सरकार कर रही है। पहले 100 रूपया पर एकड के हिसाब से जो मुआवजा दिया जाता था उसको अब 200 रूपया पर एकड किया है। जो पहले 200 रूपये एकड के हिसाब से मुआवजा दिया जाता था उसको 300 रूपये किया और जो 300 रूपया मुआवजा दिया जाता था उसको 400 रूपया पर एकड किया है। इससे बढ कर सरकार किसानों की और क्या मदद कर सकती है। पिछले साल हमने किसानों को 18 करोड रूपया ओलावृश्टि के

नुकसान का दिया है। यह बात ठीक है कि अबकि बार कपास को वाकई काफी खराबा हुआ है। कपास की फसल नश्ट होने की तकलीफ जितनी हिसार और सिरसा के विधायकों को हुई है उतनी भाायद दूसरे इलाके के विधायकों को नहीं हुई होगी। भिवानी जिले का कुछ भाग, रोहतक जिले का कुछ भाग, जीन्द जिले का कुछ भाग को छोड कर आगे का जो एरिया है वहां पर यह फसल नहीं होती। जहां पर भी यह फसल होती है वहां पर वाकई काफी नुकसान हुआ है। हम पूरी कोि ा ा करते है कि किसानों को ज्यादा से ज्यादा राहत प्रदान की जायें। (ाोर) कई साथी अखबार में नाम छपवाने की खातिर वाकआउट कर गए। (ाोर) इन को हाउस में बोलने का तरीका आना चाहिए। पता नहीं ये किस प्रकार परमात्मा की दया से चुनाव जीत कर आ गए। (ाोर)

Mr. Speaker: Sampat Singh Ji, I give you the last warning. आप बैठ जाएं नहीं तो मुझे आपको नेम करना पडेगा। आप जिस प्रकार इन्ट्रप्ट कर रहे हैं उस पर मुझे बहुत गुस्सा आ रहा है।

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, मेरी सबमि ान है कि मुख्यमंत्री जी बार बार हाउस में कह रहे हैं कि हम अखबार में नाम छपवाना चाहते हैं। इसी बात पर हमारे मैम्बर नाराज हैं। (ाोर)

श्री अध्यक्षः हर मैम्बर चाहता है कि उसका नाम अखबार में आ जाये। इसमें गुस्से वाली या डैरोगेटरी क्या बात है।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, कपास की फसल का आबयाना और मालिया माफ करने से स्टेट को चार करोड रूपये का घाटा हुआ है। कपास का जितना नुकसान पंजाब में हुआ है उतना नुकसान भाायद हरियाणा में नहीं हुआ। कभी ये भाई कहते हैं कि बीज ठीक नहीं था, कभी कहते है कि दवाई ठीक नहीं थी। आप जानते है कि कपास एक ऐसी फसल है जो ज्यादा नमी सहन नहीं करती। जहां पर ज्यादा नमी होती है वहां पर यह फसल अपने आप ही खराब हो जाती है। आप भी जानते होंगे कि यदि आका ा में बादल छाये रहेंगे तो कपास का फूल खराब हो जाता है। हम इस बारे में किसानों को जितनी मदद आबयाना और मालिया माफ करके कर सकते थे वह की है।

अध्यक्ष महोदय, अब मैं स्टेट के डिवैल्पमैंट की तरफ सदन का ध्यान आकर्शित करना चाहूंगा। किसी भी स्टेट की या दे ा की तरक्की के लिए पानी और बिजली ये दोनों चीजें बहुत जरूरी है। पानी अधिक होगा तो फसल भी अधिक होगी और बिजली अधिक होगी तो कारखाने भी अधिक चलेंगे और इनसे किसानों को भी ज्यादा फायदा होगा। हमारे किसानों को पूरी बिजली और पानी मिले, इसके लिए हम पूरी पूरी कोि ा ा करते हैं। यह अलग बात है कि पिछले दिनों बिजली की कुछ कमी अपने प्रदे ा में थी। यह कमी एक तो ठीक समय पर बारि ा न होने

की वजह से आयी और दूसरे एक प्लांट खराब हो गया था जिसकी वजह से भी यह दिक्कत आयी। यदि बारि ा ठीक समय पर आ जाती तो भाायद बिजली की कमी इतनी अधिक नहीं होती। बिजली बोर्ड के बारे में कुछ लोगों को एतराज था कि इस का चेयरमैन कोई टैक्नीकल आदमी लगाया जाये। सदस्यों की जो ठीक भावना थी उसको हमने ध्यान में रखते हुए अब बिजली बोर्ड का चेयरमैन टैक्नीकल ही लगा दिया है। हमने अब हिन्दुस्तान का सबसे बढिया टैक्नीकल आदमी छांट कर ही चेयरमैन लगाया है।

श्रीमति चन्द्रावतीः चौधरी साहब, इस बात की तो हमने भी आपकी सराहना की है कि आपने यह अच्छा काम किया है।

चौधरी भजन लालः आपने सराहना की है तो इसके लिए मैं आपका भाुक्रिया अदा करता हूं। हमने पूरी कोि ा ा की है कि किसानों के टयूबवैल को ज्यादा से ज्यादा बिजली मिले। यदि बिजली की किल्ल्त नहीं होगी तो गरीब लोगों को भी काम मिलेगा और हमारी स्टेट के उद्योग भी अधिक से अधिक चलेगें जिससे स्टेट की रैवेन्यू भी बढेगी और दूसरे डिवैल्पमैंट के काम भी होंगे। अध्यक्ष महोदय, जहां तक बिजली और पानी का सवाल है हमने पूरी कोि ा ा की है कि पंजाब में हमारी नहर बने। कुछ सदस्यों ने एतराज किया है कि पंजाब को 25 करोड रूपया दे दिया है यह ठीक नहीं किया है। स्पीकर साहब, यह ठीक बात है कि पंजाब सरकार ने हमारी तसल्ली के मुताबिक काम नहीं किया है हमने इस बात को छुपाया नहीं, सब के सामने रखा है। इस

सम्बन्ध में हमने भारत सरकार को लिखा और भारत सरकार ने कई बार पंजाब के अधिकारियों के साथ बैठके की है। हमारे इरीगे ान मिनिस्टर ने बातचीत की है मैंने बातचीत की है और भारत सरकार ने महसूस किया है कि पंजाब में जितनी रफतार से काम होना चाहिए था वह नहीं हुआ। इस बात को ध्यान में रख कर भारत सरकार ने कहा कि हम अपनी तरफ से 5 करोड रूपया पंजाब सरकार को देते है। जब वहां पर काम ठीक से भाुरू हो जायेगा, आपकी तसल्ली हो जायेगी तब आपके अकाउंट में से 5 करोड रूपया ले लेगें वरना नहीं लेंगे। हमने इस बात को स्वीकार किया कि भारत सरकार अपने पास से पैसा दे दे और जब हमारी तसल्ली हो जाएगी हम यह पैसा भारत सरकार को दे देंगे। इन्होंने 5 करोड रूपया ले लिया है अब देखते है कितना काम हो सकता है। एक बात मैं पूरे भरोसे के साथ कह सकता हूं कि भारत सरकार इस बारे में चिन्तित है और प्राईम मिनिस्टर भी यह चाहती है कि जिस नहर की आधारि ाला उन्होंने स्वयं कस्सी मार कर रखी थी वह नहर जल्दी बने।

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, मुख्यमंत्री जी इस को स्पश्ट करें कि पंजाब के गवर्नर ने एसवाईएल आर्गेनाईजे ान को डिस्बैंड करने का जो फैसला किया था वह क्या मामला था?

चौधरी भजन लालः उन्होंने इसको डिस्बैंड नहीं किया था अपितु स्टाफ रिडयूस किया था। उनसे हमने ही एतराज किया था कि इतना स्टाफ हमारे जिम्मे नहीं होना चाहिए। उन्होंने तीन

हजार से ज्यादा अधिकारी हमारे जिम्मे डाल दिये थे। हमने इस सम्बन्ध में भारत सरकार को लिखा कि यह गलत बात है इतने अधिकारियों की क्या आव यकता है।

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, डिस्बैंड करने और रिडयूस करने में बडा फर्क है।

श्री अध्यक्षः उन्होंने टोटल डिस्बैंड नहीं किया था, स्टाफ कम किया था।

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, मैंने वह प्रस्ताव अपनी आंखों से पढा है। They have disbanded it. ये स्पश्ट करें कि डिस्बैंड और रिडयूस करने में क्या फर्क है।

श्री अध्यक्षः उन्होंने रिडयूस किया था। जिस दिन उनका ध्यान आया था उसके बाद पंजाब गवर्नमैंट के आफिसर्ज ने इस बात को बहुत कि टिसाईज किया था कि यह ब्यान कैसे आ गया। उन्होंने यह लफज खुद तबदील कर दिया था।

चौधरी भजन लालः जहां तक बिजली का सवाल है हमारी पूरी कोि ा ा है कि नाथपा झाकडी प्रोजैक्ट जिसके लिए हमने पैसा दे रखा है उसकी भारत सरकार मन्जूरी दे ताकि उस काम को तेजी के साथ किया जा सके और बिजली का प्रसार प्रदे ा में ज्यादा से ज्यादा हो सके तथा लोगों को उसका लाभ हो। अध्यक्ष महोदय, जहां तक किसानों को उनकी पैदावार का उचित भाव देने का सवाल है आप देखते है हमने कितना अच्छा

भाव किसानों को दिया है। चाहे गन्ने का भाव है चाहे गेंहू का भाव है, हमने भाव किसानों को दिया है। कुछ साथी कहते है कि गेहूं का भाव एक रूपया पर क्विटंल ही बढाया है लेकिन वे यह नहीं सोचते कि खाद के एक कटटे की कीमत कितनी कम हो गई है। एक कटटे की कीमत 15 रूपये से 25 रूपये तक कम हुई हैं। अगर आप इसका हिसाब लगाये तो आप खुद महसूस करेंगे कि किसान को कितनी बडी राहत सरकार ने दी है।

श्री किताब सिंहः आन ए प्वायंट आफ आर्डर, सर। स्पीकर साहब, मुख्यमंत्री जी ने गेहूं के भाव की बात की है और इसके साथ ही साथ खाद के रेटस घटने की बात की है। आप 10–15 साल पहले के रेटस ले लें। जो रेटस उस वक्त थे क्या उसी हिसाब से पैदावार के रेटस बढाए हैं?

श्री अध्यक्षः यह कोई प्वायंट आफ आर्डर नहीं है आप बैठ जाइए।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, ये बीच में टोक देते हैं इसका मेरे पास कोई इलाज नहीं है। मैं कह रहा था कि अगर ये हिसाब लगायें तो खुद महसूस करेंगें कि किसान को काफी राहत मिली है। कई सदस्यों ने कहा कि गेहूं का रेट एक रूपया पर क्विंटल बढाया है जहां तक रेट बढाने का ताल्लुक है गरीब आदमी जिसने मोल लेकर खाना है सरकार को उसका भी ध्यान रखना पडता है। सरकार ने किसान को राहत देने के लिए

खाद का भाव कम कर दिया ताकि उसका खर्चा कम हो जाए और जो खरीद कर खाने वाले व्यक्ति है। उनको भी ठीक भाव पर अनाज मिले।

बैठक का समय बढाना

श्री अध्यक्षः अगर हाउस सहमत हो तो हाउस का टाईम 10 मिनट के लिए और बढा दिया जाए।

आवाजें: ठीक है जी, 10 मिनट और बढा दिया जाए।

श्री अध्यक्षः हाउस का टाईम 10 मिनट और बढाया जाता है।

राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनराम्भ)

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, जहां तक नाथपा झाकडी प्रोजैक्ट का सवाल है टैक्नीकली भारत सरकार ने मजूंरी दे दी है लेकिन वह पूरी तरह नहीं मिली है। भारत सरकार ने हिमाचल गवर्नमैंट को और हमें कह दिया है कि आप अपने रिसोर्सिज बताये हैं हिमाचल गवर्नमैंट ने भी बताये है। मैं सदन को इतना ही बताना चाहता हूं कि बहुत जल्दी इस प्रोजैक्ट को मजूंरी मिलने वाली है लेकिन अभी तक मिली नहीं। हमने

रिसोर्सिज बताये है। और केन्द्रीय अधिकारियों की तसल्ली इस बात से हो गई है। कि हम इस प्रोजैक्ट को बना सकते है। मंजूरी आने के बाद ही हम इस पर काम भुरू करेंगे। अध्यक्ष महोदय, अब 20 सूत्रीय कार्यक्रम की बात लीजिए। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत हमने सारी नहरें, सारे माईनर्ज, सारे खाल पक्के किये है ताकि किसान के लिए पानी बचाया जा सके। इस प्रकार 60 हजार हैक्टेयर जमीन का पानी बचाकर हमने किसानों को दिया है। इसके साथ ही साथ बहन चन्द्रावती जी ने ड्रैनज की चर्चा की है। हमने अपने आधिकारियों को आदे ा दिये है कि अगली बरसात आने से पहले पहले जो भी नई ड्रैन बननी है वह बननी चाहिए जिस ड्रैन का चौडा करना है वह चौडी होनी चाहिए और जिसकी खुदाई होनी है उसकी खुदाई हो ताकि आने वाली बरसात से पहले यह सारा काम कम्पलीट हो जाए और फलड का पानी नुकसान न कर सकें। इसके लिए हमने पूरी कोि ा ा की है और भारत सरकार ने भी कह दिया है कि हमें पैसे की कमी नहीं रहेगी।

श्री मंगल सैनः क्या रोहतक जिला भी इस स्कीम में भाामिल है?

चौधरी भजन लालः सारे हरियाणा प्रान्त में काम चल रहा है इस में रोहतक जिला भी भाामिल है। अध्यक्ष महोदय, कुछ सदस्यों ने सडकों का जिक्र किया। इस मामले में किसी इलाके के साथ कोई भेदभाव नहीं है। आज हरियाणा का एक एक गांव

सडकों से मिला हुआ है चाहे अपोजि ान के सदस्य के हलके का गांव हो, चाहे रूलिंग पार्टी के किसी एमएलए साहिबान के हल्के का गांव हो किसी के साथ कोई भेदभाव नहीं है। अध्यक्ष महोदय, बहन जी कुरप ान की बात कहती है यह खा गया वह खा गया। कुरप ान को पूरी तरह से कोई भी राज बन्द नहीं कर पाया है। जब रामराज था उस वक्त भी राक्षस होते थे। किसी का भी राज आ जाये पूरी तरक से कुरप ान कभी बन्द नहीं हो सकती। जब जनता इस बात को समझेगी कि पैसा देना गुनाह है तब तक काम नही चलेगा। लेकिन अध्यक्ष महोदय, हमने भरसक कोि ा ा की है बहुत से लोग कुरप ान करते हुए पकडे गये, हमने उनके अगेन्सट एक ान लिया है लेकिन आज तक अपोजि ान के किसी भाई ने एक बार भी लिख कर नहीं भेजा कि फलां मामले में फलां आदमी ने पैसा लिया है। अध्यक्ष महोदय, कोई व्यक्ति बेग एप्लीगे ान बिना किसी आधार पर एलीगे ान लिखकर भेज दे तो उसका कोई इलाज नहीं है।

श्रीमति चन्द्रावतीः मैं मुख्यमंत्री जी से जानना चाहती हूं कि क्या वह कुरप ान का ही रूप नहीं है कि आज सडक बनी और एक हफते के बाद टूट गई।

13.00 बजे

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, जहां तक सडक के टूटने का सवाल है बहन जी, काबिल मैम्बर है सुझाव भी ठीक

देती हैं लेकिन आप जानते है कि सडक के बनने के एकदम बाद यदि बरसात आ जाए तो वह टूट जाएगी परन्तु बरसात आने से पहले अगर कहीं कोई सडक टूटी हो तो उसकी कोई मिसाल हमें बताएं। ऐसी मिसाल आपकी कहीं नहीं मिलेगी।

श्रीमति चन्द्रावतीः मैं ऐसी कई मिसालें बता सकती हूं।

चौधरी भजन लालः आप लिख कर भेज देना, हम उसे देख लेंगे। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, जितनी अच्छी सडके हमारी है जितने काबिल इंजीनियर्ज हमारे हैं और जितने काबिल अधिकारी हरियाणा के है उतने काबिल अधिकारी आपको और प्रान्तों में नहीं मिलेंगे। किसी एक प्रान्त का मुकाबला जब दूसरे प्रान्तों से किया जाए तो उन बातों का पता लगता है। (विघ्न)

अध्यक्ष महोदय, श्रीमति चन्द्रावती जी ने बोलते हुए एक महेन्द्र सिंह सरपंच का जिकर किया। इन्होंने यहां तक कह दिया कि सरकार ने उसे दुखी किया तथा फतेहबाद के इलैक ान में उसे मरवा दिया। अध्यक्ष महोदय, वास्तविकता यह है कि महेन्द्र सिंह सरपंच का गांव उस हल्के में ही नहीं है और हमें इस बात का पता भी नहीं था। ज्योंहि हमारे नोटिस में यह बात आई, मैंने एसपी को टेलिफोन किया कि मुलजिम भााम तक गिरफतार होने चाहिएं। तीन मुलजिम थे और एक दिन में उन्हें पकडा है। (विघ्न)

प्रो0 सम्पत सिंहः उनके नाम भी बता दो। (विघ्न)

चौधरी भजन लालः मुझे उनके नाम का पता नहीं। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः सम्पत सिंह जी, बात करने का यह कोई ढंग नहीं है।

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, नाम तो पूछे जा सकते है।

श्री अध्यक्षः जो गिरफतार हो गए है उनका आपको पता है। (विघ्न) यह कोई बात नहीं है। आप बैठिए।

प्रो0 सम्पत सिंहः क्या मर्डरर्ज किसी मिनिस्टर से लिंकड है? (विघ्न)

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, यह तो मुझे पता नहीं कि मर्डरर्ज किसी मिनिस्टर के रि तेदार है या नहीं लेकिन अगर किसी मिनिस्टर के रि तेदार हो भी तो उसमें मिनिस्टर क्या करेगा? (विघ्न) अगर कोई झगडा हो जाए और कोई आदमी कत्ल कर दे तो उसमें मिनिस्टर क्या करेगा? आपका रि तेदार भी तो कोई गलत काम कर सकता है। उसमें आप क्या करेंगे? (विघ्न) मैं कहता हूं कि फर्ज किया रिले ान हो भी तो इसमें मंत्री का क्या गुनाह है और आपका क्या गुनाह है? (विघ्न)

प्रो0 सम्पत सिंहः उस रि तेदार का नाम एफआईआर से क्यों निकलवा दिया गया? (विघ्न)

चौधरी भजन लालः किसी आदमी का यदि झूठा नाम लेंगे तो उसे निकलवायेंगे नहीं तो क्या करेंगे? मिसाल के तौर पर आप यहां बैठे है। आपके बारे में ही यदि कोई कह दे कि सम्पत सिंह जी भी उन मर्डरर्ज में भाामिल थे तो क्या हम आपका चालान कर देंगे? (विघ्न एवं भाोर)

श्री अध्यक्षः सम्पत सिंह जी, आपकी काबलियत पर मुझे अफसोस है। आप बार बार इस तरह से इंट्रप्ट कर रहे है। अगर आपको कोई यह कहे कि आप पहली बार मैम्बर बन कर आए है तो उसका भी गुस्सा आपको लगता है लेकिन मैं कहता हूं कि किसी प्रोसीजर या किसी रूल को आप अडौप्ट करने के लिए तैयार नहीं है। मैं आप को बार बार कह चुका हूं कि मैं आपका लिहाज कर रहा हूं लेकिन अब मैं आपका लिहाज नहीं करूंगा। (विघ्न)

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, डा0 मंगल सैन जी ने कहा कि फरीदाबाद में किसी हरिजन का कत्ल करा दिया गया लेकिन फैक्ट यह है कि उसने खुदक ाी की। इसकी हमारे पास बाकायदा रिपोर्ट है। एक फैक्टरी का जिकर भी इन्होंने किया और कहा कि धक्के से इंटक झंडा वहां लगाया गया। स्पीकर साहब, आप जानते है कि लेबर की ऐसोसिए ान्ज बनी होती है और एक एक फैक्टरी के सामने तीन तीन झंडे लगे होते है। हमने अगर कहीं ज्यादती की हो तो ये बताएं।

श्री मंगल सैनः आपने वहां पुलिस क्यों भेजी?

चौधरी भजन लालः पुलिस भी जाएगी अगर झगडे का अन्दे ाा हो। इसके अलावा इन्होंने फरीदाबाद में खानों के बारे में एक बात कही। जहां तक खानों का सम्बन्ध है इसके लिए भारत सरकार का एक एक्ट बना हुआ है। उस एक्ट के अनुसार जो कुछ हम करते हैं। उसके बारे में भारत सरकार को लिखते है। भारत सरकार जैसे इजाजत देती है उसके मुताबिक हम कार्यवाही करते हैं डा0 साहब के नोटिस में अगर कोई बात आई है तो ये हमारे नोटिस में लाएं। किसी को माफ करने का सवाल ही पैदा नहीं होता। (विघ्न)

श्री मंगल सैनः कल अखबार में यह बात आई थी।

चौधरी भजन लालः डा0 साहब अखबार की बात तो ठीक है लेकिन आप भी अगर एक पैसे के कागज पर हमें लिख कर भेज दें तो उस पर भी हम फौरन कार्यवाही करेंगे। लेकिन इसमें मेनली भारत सरकार आती है। भारत सरकार की आदे ा दे सकती है और भारत सरकार ही उन्हें बन्द कर सकती है क्योंकि एक्ट भारत सरकार का है।

श्री मंगल सैनः हरियाणा की पुलिस दिल्ली वालों को पकड रही है और दिल्ली की पुलिस हरियाणा वालों को पकड रही है।

चौधरी भजन लालः कोई आदमी अगर गुनाह करके दिल्ली से हरियाणा में आ जाएगा तो हरियाणा की पुलिस को उसमें दिल्ली की पुलिस की मदद करनी पडेगी। इसी तरह से अगर हरियाणा का कोई आदमी गुनाह करके दिल्ली में चला जाएगा तो दिल्ली की पुलिस को हरियाणा पुलिस की मदद करनी पडेगी। यह एक कायदा है जिसे आप जानते है।

श्री मंगल सैनः यह तो मैं जानता हूं लेकिन जो दिल्ली के ठेकेदार हरियाणा एरिया में काम करते हैं उनको दिल्ली की पुलिस पकडती है। वहां तो जमीन का डिसप्यूट है।

चौधरी भजन लालः अगर जमीन का झगडा है तो उसको हम दूर करने की कोि ा ा करेंगे।

अध्यक्ष महोदय, जहां तक ने ानल कैपिटल रीजन का ताल्लुक है उनके बारे में भारत सरकार के साथ कई बार मीटिंग्ज हुई है। जहां तक हरियाणा के हितों का सवाल है उनकी रक्षा की जाएगी। किसी प्रकार की ज्यादती हरियाणा के लोगों के साथ नहीं होने दी जाएगी।

अध्यक्ष महोदय, एक बात इन्होंने हुडडा द्वारा पैसे देने के बारे में कही। इसके बारे में अर्ज यह है कि जो रा ि ा हुडडा के पास जमा है वह उसी ने देनी है। आप जानते है कि हुडडा जब भी कोई ऐडवरटाईमैंट करता है तो ऐडवास मनी भी वहीं लेता है। बाद में वह पैसा चाहे बिजली बोर्ड को दिया जाए या

किसी और को दिया जाए लेकिन उस राि ा को वापस हुडडा ही करता है। उसके पास जब राि ा आ गई तो उसे तेजी के साथ लोगों को वापस करना भाुरू कर दिया गया। मैं सदन को आ वासन देना चाहता हूं कि मई महीने से पहले पहले लोगों की सारी राि ा वापस कर दी जाएगी। (विघ्न) डेली दो सौ आदमियों को पेमैंट हो रही है। (विघ्न)

श्रीमति चन्द्रावतीः स्पीकर साहब, मेजर जनरल रिसाल सिह जो कि भिवानी जिले के हैं। उनकी डिवैल्प की हुई एक एकड जमीन मारूति प्रोजैक्ट में आ गई थी लेकिन उनको अभी तक कोई प्लाट नहीं दिया गया। इसी सरकार द्वारा एक परिवार को चार चार प्लाटस दिए गए है लेकिन एक ऐक्स सर्विसमैंन को एक प्लाट भी नहीं दिया गया।

चौधरी भजन लालः बहन जी, आप लिख कर भेजें।

श्रीमति चन्द्रावतीः मैंने लिखकर भेजा है।

चौधरी भजन लालः अगर लिखकर भेजा है तो उस पर जरूर ऐक ान होगा। स्पीकर साहब, पब्लिक सर्विस कमी ान और सुबार्डिनेट सर्विसिज सिलैक ान बोर्ड के बारे में इन्होंने यह आपति की कि बहुत सी असामियां को उनके परव्यू से निकाल कर उनकी भर्ती कर ली गई। स्पीकर साहब, अगर बहुत अरजैंसी हो जाए या एमरजैंसी हो जाए तो ही जरूरी पोस्टल को उनके परव्यू से निकालते है। कई टैक्नीकल पोस्टस होती है जिन पर टैक्नीकल

आदमी भर्ती किए जाते है। इसलिए जो भी पोस्टस उनके परव्यू से निकाली गई होंगी वे जन हित में निकाली गई होंगी। किसी वि ोश को फायदा देने के लिए ऐसा नहीं किया गया है।

श्री अध्यक्षः चौधरी साहब, अब आप वाइन्ड अप कीजिए क्योंकि टाईम होने वाला है।

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, कुछ साथियों ने बोलते हुए जिक्र किया कि कुछ हलकों के साथ भेदभाव हो रहा है तथा काम ठीक नहीं हो रहा है। माननीय सदस्यों ने जो सुझाव दिए है वे मैंने नोट किए है। उनकी जो जायज ि ाकायत होगी उसे दूर करने की कोि ा ा करेंगे। एक बात मास्टर ि ाव प्रसाद जी ने प्राइवेट स्कूलों के बारे में कही। आप जानते है कि खजाने से पैसा देने में बडी दिककत आती है लेकिन फिर भी हम विचार कर रहे हैं। कि किस तरह से इस समस्या का समाधान हो सकता है। जो कुछ भी हो सकेगा वह हम करने की कोि ा ा करेंगे। इसके साथ साथ उन्होंने अम्बाला में हास्पिटल बनाने की भी बात की। अम्बाला में हास्पिटल बनाने के लिए पैसा दे दिया है। वहां पर काम जल्दी ही भ्ारू हो जायेगा। राव निहाल सिंह जी ने भी कहा कि ज्योलोजी की क्लासिज नारनौल गवर्नमैंट कालेज से उठा कर रोहतक ले जायी रही है। मेरे नोटिस में ऐसी कोई बात नहीं है और न ही ऐसा होने दिया जायेगा जिस कारण उस इलाके का नुकसान हो। बिजली के कुनैक ान देने के बारे में भी कहा गया है कि डिले हो रहे है। उस बारे में भी हम कोि ा ा करेंगे कि

जल्द से जल्द कुनैक ान दिये जायें। जहां तक सैनिक स्कूल का सम्बन्ध है उस बारे में भी अर्ज कर दूं। भारत सरकार के अधिकारियों की एक कमेटी आयी थी जिसमें हमारे प्रान्त के अधिकारी भी भाामिल थे। उस कमेटी की राय थी कि महेंन्द्रगढ जिलें में एक सैनिक स्कूल होना चाहिए लेकिन रोहतक जिल के कुछ नुमाइन्दे मुझ से मिले तो वे कहने लगे कि यह स्कूल रोहतक में बनना चाहिए।

बैठक का समय बढाना

श्री अध्यक्षः अगर हाउस की सैंस हो तो बैठक का समय पांच मिनट के लिए और बढा दिया जाए?

आवाजें: बढा दिया जाये

श्री अध्यक्षः बैठक का समय पांच मिनट और बढाया जाता है।

राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनराम्भ)

चौधरी भजन लालः मैंने फिर चीफ सैक्रेटरी साहब से कहा है कि इस बारे में वे दुबारा से गौर करें क्योंकि चौधरी हुकम सिंह, बनारसी दास और मांगे राम जी ने कहा था कि इस

पर गौर जरूर करें। चीफ सैक्रेटरी साहब मातनहेल गांव में मौका देख कर आये हैं। (विघ्न)

श्री निहाल सिंहः स्पीकर साहब, मुख्यमंत्री जी और डिफेन्स मिनिस्टर साहब महेन्द्रगढ गये थे। उन्होंने वहां पर कहा था कि महेन्द्रगढ में सैनिक स्कूल बनना चाहिए। डिफेन्स मिनिस्टर साहब ने कुमिट किया था तो अब ये कैसे कहते है कि इस बारे में दुबारा से विचार करेंगें। (ाोर)

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, हम पूरी कोि ा ा करेंगे कि ठीक बात हो, इन्साफ लोगों को मिले और जो भी मुनासिब बात होगी वह करेंगे। स्पीकर साहब, श्री हीरा नन्द आर्य ने प्रताप सिंह के बारे में जिकर किया। वह आदमी चोरी के केस में मतलूम था। उसने रेल के नीचे आकर जींद में खुदक ाी कर ली। अब उस बारे में हम क्या कर सकते है। इन भाब्दों के साथ मैं सारे हाउस से प्रार्थना करूंगा कि राज्यपाल का अभिभाशण बहुत भाानदार है और इस प्रस्ताव को भाानदार ढंग से पास किया जाये।

राज्यपाल के अभिभाशण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर मतदान

Mr. Speaker: Now I will put the motion to the vote of the House.

Question is-

"That an Address be presented to the Governor in the following terms:-

"That the Members of the Haryana Vidhan Sabha assembled in this Session are deeply grateful to the Governor for the Address which has been pleased to deliver to the House on the 12th March, 1984."

The motion was carried.

श्री अध्यक्षः अब हाउस आज 2.00 बजे तक के लिए एडर्जन किया जाता है।

13.13 बजे

(तत्प चात सदन मंगलवार, 20 मार्च, 1984 के बाद दोपहर 2.00 बजे तक के लिए स्थगित हुआ।)